THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.co
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 145 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद कृ.12 2082 बुधवार, 20 अगस्त-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग की तैयारी में विपक्ष

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। वोट चोरी के आरोपों और बिहार में वोटर्स लिस्ट स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) पर मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद विपक्ष ने हमला तेज कर दिया है। विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक सीईसी के खिलाफ अब महाभियोग लाने पर विचार कर रहा है।

सोमवार को खड़गे की अध्यक्षता में उनके घर पर इंडिया ब्लॉक की बैठक में इस पर मंथन हुआ। बैठक के बाद कांग्रेस, टीएमसी, सपा, डएमके, राजद समेत 8 विपक्षी दलों ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसके बाद 20 पार्टियों के हस्ताक्षर से बयान जारी हुआ। कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने कहा- सीईसी भाजपा प्रवक्ता की तरह बोल रहे हैं।

'राष्ट्रपति का कोर्ट से सलाह मांगना गलत नहीं'

> सीजेआई ने कहा-हम अपनी राय बदल सकते हैं, फैसला नहीं

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में आज एक अहम बहस शुरू हुई। मामला यह है कि क्या राष्ट्रपति और राज्यपालों पर बिलों पर हस्ताक्षर करने के लिए तय समयसीमा लागू की जा सकती है या नहीं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने खुद संविधान के अनुच्छेद 143(1) के तहत यह सवाल सुप्रीम कोर्ट से पूछा है। लेकिन, विपक्ष-शासित तमिलनाडु और केरल सरकारें इस संदर्भ को ही चुनौती दे रही हैं। उनका कहना है कि यह संदर्भ असल में सरकार का है, राष्ट्रपति का नहीं और पहले से दिए गए फैसलों को दोबारा खुलवाने की कोशिश है।

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पांच जजों की संविधान पीठ ने शुरूआत में ही पूछा, जब खुद राष्ट्रपति ने राय मांगी है तो इसमें दिक्कत क्या है? क्या आप वाकई इसे चुनौती देना चाहते हैं? बेंच ने यह भी स्पष्ट किया कि अदालत इस मामले में सलाहकारी अधिकार-क्षेत्र में बैठी है, यानी अभी यह कोई अंतिम आदेश नहीं बल्कि केवल राय देने की प्रक्रिया है।

राष्ट्रपति ने क्यों पूछा सवाल

मामला इसलिए उठा क्योंकि इस साल अप्रैल में सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसला दिया था। इस फैसले में कहा गया कि राज्यपाल किसी भी बिल पर जितनी जल्दी संभव हो कार्रवाई करेंगे। अगर राज्यपाल बिल को राष्ट्रपति के पास भेजते हैं तो राष्ट्रपति को तीन महीने के भीतर फैसला करना होगा। राज्यपाल के पास अपने विवेक से बिल रोकने का कोई अधिकार नहीं है, उन्हें मंत्रिपरिषद की सलाह माननी ही होगी। इसके बाद राष्ट्रपति ने 14 सवाल सुप्रीम कोर्ट से पूछे कि क्या अदालत तय समयसीमा तय कर सकती है और अनुच्छेद 200 व 201 की व्याख्या कैसे होगी।

मामले में केंद्र सरकार का पक्ष

केंद्र ने लिखित जवाब में कहा है कि राष्ट्रपति या राज्यपाल पर समयसीमा तय करना संविधान में शक्ति विभाजन के खिलाफ होगा। ऐसा करने से एक अंग (न्यायपालिका) दूसरे अंग (कार्यपालिका) की शक्ति अपने हाथ में ले लेगा और संवैधानिक अव्यवस्था पैदा हो जाएगी। वरिष्ठ अधिवक्ता केके वेणुगोपाल (केरल पक्ष से) ने कहा, अनुच्छेद 200 और राज्यपाल की भूमिका पर पहले ही सुप्रीम कोर्ट कई फैसले दे चुका है। पंजाब, तेलंगाना और तमिलनाडु के मामलों में कोर्ट ने साफ व्याख्या की है। जब फैसले मौजूद हैं तो फिर नया रेफरेंस स्वीकार नहीं होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रपति असल में मंत्रिपरिषद की सलाह से ही चलती हैं, इसलिए यह राष्ट्रपति का नहीं बल्कि केंद्र सरकार का रेफरेंस है।

राज्यसभा में वोटर वेरिफिकेशन पर हंगामा

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। लोकसभा और राज्यसभा में वोटर वेरिफिकेशन और वोट चोरी के आरोप पर मंगलवार को भी जमकर हंगामा हुआ। राज्यसभा की कार्यवाही बमुश्किल 5 मिनट ही चली। उधर, लोकसभा में भी ऐसे हालात रहे। यहां भी कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने हंगामा और नारेबाजी की। सदन में नारेबाजी के बीच स्पीकर ओम बिरला ने प्रश्नकाल चलाने की कोशिश की। कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने कुछ सवालों के जवाब भी दिए, लेकिन हंगामा नहीं रुका। आखिर में कार्यवाही पहले दोपहर 12 बजे और फिर दोपहर 2 बजे तक स्थगित कर दी गई। दोनों सदन में 2 बजे कार्यवाही दोबारा शुरू हुई। लेकिन लोकसभा 4 बजे तक स्थगित कर दी गई। इससे पहले सदन के बाहर तेलंगाना कांग्रेस के नेताओं ने राज्य में यूरिया की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। इसमें प्रियंका गात्र्धी भी शामिल हुईं।

यादगिरिगुट्टा को तीन आईएसओ और सुशासन प्रमाणपत्र मिला

यादगिरिगुट्टा ऊर्जा ऑडिट करने वाला देश का पहला मंदिर बना

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। यादगिरि गुट्टा श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर को चार प्रमाणन पुरस्कार प्राप्त हुए हैं, जिनमें चार आईएसओ 9001 और आईएसओ 22000 शामिल हैं। ऊर्जा ऑडिट करने वाले देश के पहले मंदिर के रूप में, ये चार पुरस्कार स्वामी के भोजन और प्रसाद के मामले में उच्चतम मानकों को बनाए रखने, गुट्टा आने वाले तीर्थयात्रियों को बेहतर और संतोषजनक सुविधाएँ प्रदान करने, भक्तों को संतोषजनक दिव्य दर्शन प्रदान करने और अन्य पहलुओं के लिए प्राप्त हुए हैं।

पिछले दो महीनों से, एचवाईएम इंटरनेशनल सर्टिफिकेशन के तत्वावधान में गुट्टा में आईएसओ निरीक्षण प्रमाणन और ऑडिट सफलतापूर्वक किया जा रहा है। इस बीच, राज्य के उप मुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, मंत्री डुदिला श्रीधर बाबू, दानसारी अनसूया और सी.एस. रामकृष्ण राव की उपस्थिति में ये आईएसओ प्रमाणपत्र राज्य बंदोबस्ती विभाग के प्रमुख सचिव शैलजा रामअय्यर, बंदोबस्ती आयुक्त और यादगिरिगुट्टा के कार्यकारी अधिकारी वेंकट राव को सौंपे गए। इस कार्यक्रम में आईएसओ प्रमाणन अधिकारी, अलापति शिवय्या और अन्य ने भाग लिया।

चंडी देवी मंदिर विवाद : सुप्रीम कोर्ट ने कहा-हाईकोर्ट तय करे याचिका

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को उत्तराखंड हाईकोर्ट को निर्देश दिया कि वह हरिद्वार में मौजूद मां चंडी देवी मंदिर के एक सेवायत की याचिका पर फैसला करे।

यह याचिका हाईकोर्ट के उस आदेश के खिलाफ है, जिसमें बद्री-केदार मंदिर समिति को मंदिर प्रबंधन देखने के लिए रिसीवर (नियंत्रक) नियुक्त करने का निर्देश दिया गया था। बता दें कि सेवायत वे पुजारी होते हैं जो मंदिर में दैनिक पूजा-पाठ और परंपरागत प्रबंधन में सक्रिय रहते हैं। सुप्रीम कोर्ट की पीठ, जिसमें जस्टिस अहसनुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस एसवीएन भट्टी शामिल थे, ने हरिद्वार के जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) को मंदिर प्रबंधन में किसी तरह की गड़बड़ी है या नहीं, इस पर रिपोर्ट देने को कहा। अदालत ने कहा कि यह रिपोर्ट उत्तराखंड हाईकोर्ट को सौंपी जाए और इस मामले पर छह हफ्तों बाद सुनवाई हो। महंत भवानी नंदन गिरी ने याचिका दाखिल की थी।

उनका कहना है कि हाईकोर्ट ने बिना किसी शिकायत या सबूत के मंदिर का नियंत्रण समिति को सौंप दिया। 2012 में पहले से ही डीएम और एसएसपी की अध्यक्षता वाली एक समिति मंदिर की देखरेख कर रही है।

पीएम मोदी से मिले चीन के विदेश मंत्री

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मंगलवार को उनके आधिकारिक आवास, 7 लोक कल्याण मार्ग, नई दिल्ली में मुलाकात की। यह मुलाकात इसलिए अहम मानी जा रही है क्योंकि भारत और चीन अपने रिश्तों में तनाव कम करना चाहते हैं।

यह बैठक उस समय हुई है जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 50% टैरिफ लगा दिया है। ट्रंप अक्सर दुश्मन देशों के बीच शांति कराने का दावा करते हैं। लेकिन माना जा रहा है कि उनकी इस कार्रवाई से अनजाने में भारत-चीन रिश्तों में थोड़ा सुधार आया है। हालांकि, पहलगाम आतंकी हमले के बाद हुए ऑपरेशन सिंदूर में चीन ने पाकिस्तान का साथ दिया था, लेकिन अब नई दिल्ली और बीजिंग के रिश्तों में नरमी देखी जा रही है। बहरहाल, इस मुलाकात को भारत-चीन दोनों देशों के रिश्तों को वापस पटरी पर लाने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। इससे पहले, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को बातचीत की शुरुआत करते हुए कहा कि दोनों देश आगे बढ़ना चाहते हैं।

उन्होंने सीमा पर शांति बनाए रखने को जरूरी बताया। साथ ही, उन्होंने एलएसी पर सैन्य ढांचे को हटाने की प्रक्रिया को पूरा करने पर जोर दिया। असल में, भारत और चीन के रिश्ते सुधारने की कोशिश कर रहे हैं। 2020 में सीमा पर हुई हिंसक झड़पों के बाद रिश्तों में तनाव आ गया था।

बांसवाड़ा में हाथ लगा कुबेर का खजाना

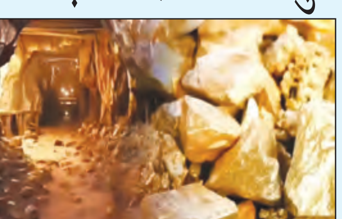

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। सोने का नाम सुनते ही हर किसी की आंखों में चमक आ जाती है। भारत में इस धातु का उपयोग ज्वेलरी से लेकर इंवेस्टमेंट तक खूब होता है। यह लोगों की पहली पसंद जो ठहरी। सोचिए जरा, अगर कहीं पूरी सोने की खान ही मिल जाए? जी हां भारत के हाथ कुबेर का खजाना लगा है। हाल में ही राजस्थान के घाटोल इलाके में तीन किलोमीटर क्षेत्र में सोने के अकूत भंडार होने के संकेत मिले हैं।

राजस्थान के बांसवाड़ा जिले की धरती अब लगातार सोना उगल रही है। यहां पर जगपुरा और भकिया में पहले से ही खोने की खान मौजूद हैं। अब हाल में हुए सर्वे के बाद अब तीसरी तीन किलोमीटर क्षेत्र में फैली सोने की खान मिली है। माना जा रहा है कि बांसवाड़ा में मिली नई खदान के बाद जल्द ही इसकी खुदाई के टेंडर जारी हो जाएंगे। देश में हाल के वर्षों में लगातार कई सोने के भंडार मिले हैं, लेकिन एक सवाल उठता है कि कैसे पता किया जाचा है कि सोने की खदान कहां पर है? इसके अलावा सोने की खोज के लिए डिटेक्टर मशीन का प्रयोग किया जाता है। जो कि जमीन के नीचे सिग्नल के जरिए मिनरल्स और किसी धातु का पता लगाती है। इसमें एक कॉइल मौजूद होती है, जिसे जमीन के ऊपर से ले जाना होता है। सिग्नल की मदद से जमीन के नीचे मौजूद सोने का अनुमान लगाया जाता है। कुछ मशीनें जमीन के 50 मीटर अंदर तक मौजूद सोने का पता लगाती हैं। वहीं खदानों में मौजूद सोने का पता लगाने के लिए दो तरह की टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जाता है।

देश हित की कीमत पर नेहरू ने अपनी छवि चमकाई

> सिंधु जल संधि को लेकर बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। मंगलवार को नई दिल्ली में एनडीए की बैठक हुई, जिसमें एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन को सम्मानित किया गया।

इस दौरान पीएम मोदी ने सीपी राधाकृष्णन के सार्वजनिक जीवन की तारीफ करते हुए विपक्षी समेत सभी पार्टियों से अपील की कि सीपी राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति पद के लिए निर्विरोध चुना जाए। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने सिंधु जल संधि के लिए देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित नेहरू की आलोचना भी की।

पंडित नेहरू पर पीएम मोदी ने साधा निशाना

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने देश की संसद और अपनी कैबिनेट को भी भरोसे में लिए बगैर पाकिस्तान के साथ सिंधु जल समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पीएम मोदी ने कहा कि पंडित नेहरू ने देश हित की कीमत पर अपनी छवि चमकाई और देश 80 प्रतिशत से ज्यादा पानी को पाकिस्तान द्वारा इस्तेमाल करने की इजाजत दे दी। पहलगाम आतंकी हमले के बाद केंद्र की मोदी सरकार ने सिंधु जल समझौते को स्थगित कर दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार उस समय की सरकारों द्वारा किए गए पापों को साफ कर रही है। उन्होंने कहा कि नेहरू ने अपने एक सहयोगी से कहा था कि इस समझौते (सिंधु जल समझौते) से भारत-पाकिस्तान के बीच के अन्य मुद्दों और विवादों को हल करने में मदद मिलेगी, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ।

बुधवार को नामांकन कर सकते हैं राधाकृष्णन

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में एस एंड पी ग्लोबल रेटिंग्स के हालिया फैसले का भी जिक्र किया, जिसमें भारत की लॉन्ग टर्म सॉवेरिन क्रेडिट रेटिंग को अपग्रेड किया गया है। उन्होंने कहा कि इससे पता चलता है कि देश की अर्थव्यवस्था मजबूत है और इस रेटिंग से देश में निवेश बढ़ेगा। एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन बुधवार को नामांकन कर सकते हैं। संसदीय मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि पीएम मोदी ने सभी पार्टियों से अपील की है कि वे सीपी राधाकृष्णन को समर्थन दें ताकि ये सुनिश्चित हो सके कि सीपी राधाकृष्णन निर्विरोध उपराष्ट्रपति पद पर निर्वाचित हो सकें। रिजिजू ने कहा कि राधाकृष्णन का जीवन बेहद सरल और किसी भी विवाद से दूर रहा है।

उन्होंने कहा कि राधाकृष्णन का उपराष्ट्रपति पद पर चुना जाना पूरे देश के लिए खुशी की बात होगी। भाजपा नीत एनडीए के पास संसद में बहुमत है। ऐसे में उपराष्ट्रपति चुनाव के इलेक्टोरल कॉलेज में भी एनडीए का बहुमत है। ऐसे में माना जा रहा है कि सीपी राधाकृष्णन आराम से जीत दर्ज करेंगे।

'वीजा रद्द होगा, फिर डिपोर्ट भी होंगे

भारतीय स्टूडेंट-वर्कर्स को अमेरिका ने चेताया, नया नियम भी समझाया

वाशिंगटन, 19 अगस्त (एजेंसियां)। भारत में मौजूद अमेरिकी दूतावास की तरफ से हर रोज कोई न कोई वॉर्निंग जारी की जा रही है। इनमें से ज्यादातर चेतावनी अमेरिका में ओवरस्टे यानी वीजा पर दिए गए समय से ज्यादा वक्त तक रहने को लेकर है। हर साल लाखों भारतीय स्टूडेंट्स और वर्कर्स यूएस में पढ़ाई-नौकरी के सिलसिले से जाते हैं। ऐसे में उन्हें दूतावास द्वारा जारी की जाने वाली वॉर्निंग के बारे में भली-भांति मालूम होना चाहिए। इसकी वजह ये है कि नियमों का पालन नहीं करने पर उन्हें डिपोर्ट भी किया जा सकता है।

इस बीच एक बार फिर से अमेरिकी दूतावास ने भारतीयों को लेकर वॉर्निंग जारी की है, जिसमें उन्हें अमेरिका में निर्धारित अवधि से ज्यादा वक्त तक रुकने के बारे में आगाह किया गया है। दूतावास ने 'प्रवेश की अंतिम तिथि' और 'वीजा समाप्ति तिथि' के बीच अंतर बताया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में दोनों के बीच अंतर बताते हुए कहा गया है कि ओवरस्टे करने वाले लोगों का ना सिर्फ वीजा रद्द किया जाएगा, बल्कि वे डिपोर्ट भी हो सकते हैं।

अमेरिकी दूतावास ने क्या कहा?

एक्स पर किए गए एक पोस्ट में अमेरिकी दूतावास ने कहा, 'आपके देश में रहने की मंजूर की गई अवधि आपके फॉर्म I-94 पर दी गई 'प्रवेश की अंतिम तिथि' है, ना कि आपकी 'वीजा समाप्ति तिथि'।' दूतावास ने आगे कहा, 'मंजूर की गई अवधि से ज्यादा समय तक अमेरिका में रहने को ओवरस्टे कहा जाता है। इसकी वजह से आपका वीजा रद्द हो सकता है, आपको डिपोर्ट किया जा सकता है और भविष्य में वीजा के लिए अयोग्य माना जा सकता है।'

लोकसभा में मिलेगी 22 भाषाओं की सुविधा

> अध्यक्ष ओम बिरला ने दी जानकारी

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को बताया कि अब से सदन में संविधान की आठवीं अनुसूची में उल्लेखित सभी में कार्यवाही का अनुवाद होगा। लोकसभा की बैठक शुरू होते ही अध्यक्ष बिरला ने कहा कि मुझे सदन को यह सूचित करते हुए बहुत प्रसन्नता हो रही है कि हम सदन में संविधान की आठवीं अनुसूची में उल्लेखित सभी भाषाओं में अनुवाद की सुविधा उपलब्ध करा रहे हैं। उन्होंने बताया कि अभी तक सदन की कार्यवाही का अनुवाद हिंदी और अंग्रेजी के अतिरिक्त 18 भाषाओं अर्थात असमिया, बांग्ला, बोडो, डोगरी, गुजराती, कन्नड, मैथिली, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, उड़िया, पंजाबी, संस्कृत, सिंधी, तमिल, तेलुगु और उर्दू में किया जा रहा था। बिरला ने बताया कि अब इसमें कश्मीरी , कोंकणी और संथाली भाषाओं को भी शामिल किए जाने से हम संविधान में उल्लेखित सभी भाषाओं में अनुवाद की सुविधा उपलब्ध करा रहे हैं।

दुनिया में सिर्फ भारत की संसद है

उन्होंने इस दौरान बिहार में मतदाता सूची के एसआईआर के मुद्दे पर शोर-शराबा कर रहे सदस्यों से कार्यवाही चलने देने का आग्रह करते हुए कहा कि दुनिया में सिर्फ भारत की संसद है, जिसमें एक समय में 22 भाषाओं में अनुवाद की सुविधा उपलब्ध है और कहीं ऐसा नहीं है। हमें देश के लोकतंत्र और संविधान पर गर्व करना चाहिए। इसलिए मेरा आपसे अनुरोध है कि सदन चलाने में सहयोग करें। दुनिया में सबसे बड़ा लोकतंत्र हमारा है। मुझे आशा है कि आप सदन चलाने में सहयोग करेंगे।

प्रश्न पूछते हुए सरकार से अनुरोध किया

इसके बाद, लोकसभा अध्यक्ष ने विपक्ष के हंगामे के बीच ही प्रश्नकाल शुरू कराया। बिहार के पश्चिम चंपारण से भारतीय जनता पार्टी के सांसद डॉ संजय जायसवाल ने राजभाषा से संबंधित प्रश्न पूछते हुए सरकार से अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि भोजपुरी जैसी अन्य भाषाओं में भी सरकारी पत्राचार और कामकाज होना चाहिए जो बड़े स्तर पर प्रचलित हैं और एक बड़ा वर्ग इन्हें बोलता है।

अंतरिक्ष में 75 टन भार ले जाने के लिए 40 मंजिला ऊंचे रॉकेट पर काम कर रहा इसरो

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रमुख वी. नारायणन ने मंगलवार को कहा कि अंतरिक्ष एजेंसी 40 मंजिला इमारत जितना ऊंचा रॉकेट बना रही है, जो 75 किलोग्राम का पेलोड पृथ्वी की निचली कक्षा में भेज सकेगा। नारायणन ओस्मानिया विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि इस साल इसरो के पास एनएवीआईसी उपग्रह, एन1 रॉकेट जैसी परियोजना हैं। साथ ही उसके पास अमेरिकी 6,500 किलोग्राम के संचार उपग्रह को भारतीय रॉकेट के जरिए कक्षा में भेजने का भी काम है।

बरेली में आला हजरत के उर्स में बवाल

हिंदुओं ने चादर जुलूस का किया विरोध, पुलिस का लाठीचार्ज!

बरेली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के आला हजरत के उर्स में हंगामा और बवाल की खबर सामने आ रही है। आला हजरत के उर्स में चादर जुलूस के दौरान बवाल की बात सामने आई है। दरअसल, कुछ हिंदुओं ने चादर जुलूस को नई परंपरा कहकर विरोध शुरू कर दिया।

इसको लेकर विवाद गहराने लगा। देखते ही देखते हिंदुओं के विरोध पर मुस्लिम भी भड़क गए। इसके बाद हंगामा बढ़ने लगा। बवाल जैसी स्थिति बनती देख पुलिस ने बल प्रयोग का स्थिति को संभाला। दावा किया जा रहा है कि हंगामा कर रहे लोगों पर लाठीचार्ज किया गया है। हालांकि, पुलिस ने इस दावे से इनकार किया है। पुलिस मौके पर स्थिति को नियंत्रित करने में जुटी हुई है। स्थिति सामान्य बताई जा रही है।

बरेली एसपी ने दी जानकारी

बरेली सिटी एसपी मानुष पारीक ने जुलूस के दौरान विवाद और व्यवधान उत्पन्न किए जाने की बात कही है। एसपी सिटी ने कहा कि बरेली जिले के इज्जत नगर थाना क्षेत्र के ग्राम खजुरिया से आला हजरत उर्स के दूसरे दिन चादर का जुलूस गांव से शुरू होकर आला हजरत दरगाह पर जाता है। इस जुलूस के कार्यक्रम को लेकर दोनों पक्षों के बीच पहले से सहमति थी। इस संबंध में दोनों पक्षों के बीच लिखित समझौता भी हुआ है। सिटी एसपी ने कहा कि 19 अगस्त को दोपहर में इस जुलूस कार्यक्रम के दौरान कुछ स्थानीय लोगों की ओर से चादर खोलने के स्थान को लेकर विवाद और व्यवधान करने का प्रयास किया गया। मौके पर मौजूद पुलिस बल की ओर से समझाया गया कि जुलूस लिखित समझौते के अनुसार चल रहा है। लगातार व्यवधान पैदा करने पर इन लोगों को डांट-फटकार कर हटाया गया। सिटी एसपी ने लाठीचार्ज जैसी किसी भी घटना से इनकार किया। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने मौके पर मौजूद पुलिस बल पर कतिपय झूठे आरोप लगाते हुए अफवाह फैलाने का प्रयास किया।

107वें उर्स का हुआ आगाज

बरेली में आला हजरत के 107वें उर्स-ए-रजवी का आगाज अहम फैसलों और समाज सुधार की घोषणाओं के साथ हुआ। उर्स के पहले दिन उलमा ने मुस्लिम समाज में फैली बुराइयों के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन चलाने का ऐलान किया। वहीं दरगाह ताजुश्शरिया और सोसाइटी की ओर से गरीब मरीजों के लिए मुफ्त ऑपरेशन और छात्रों को एडवांस कंप्यूटर कोर्स उपलब्ध कराने की घोषणा की गई।

सुधार अभियान का आगाज

आल इंडिया मुस्लिम जमात की बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने कहा कि समाज में दहेज, फिजूलखर्ची, खड़े होकर खाना और गैर-शरई रस्मों जैसी बुराइयां तेजी से फैल रही हैं। इन पर रोक लगाने के लिए देशभर के जिलों में समाज सुधार कमेटियां गठित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि अमीर मुसलमानों को स्कूल-कॉलेज खोलने चाहिए।

धराली में बने दलदल में 12 लोकेशन पर कई लाशें

मशीनें पहुंच नहीं सकतीं, हाथ से सिर्फ 2 घंटे खुदाई कर रहे रेस्क्यू टीम के जवान

देहरादून, 19 अगस्त (एजेंसियां)। प्राकृतिक आपदा में तबाह हुए उत्तराखंड के धराली गांव में हालात बहुत मुश्किल हैं। यहां मलबे में जिंदगी की उम्मीदें टूटती जा रही हैं। हम रोज सुबह 6:30 बजे चार टीमों में बंटते हैं। हर टीम में 40-40 जवान। फिर मौसम का अपडेट लेते हैं। इसके बाद करीब 80 एकड़ में फैले मलबे में जिंदगी खोजना शुरू करते हैं।

हमने आपदाग्रस्त इलाके को 4 सेक्टर में बांटा है और रोज 8 से 10 जगह खुदाई करते हैं। बड़ी मशीनें नहीं हैं, इसलिए हाथों से खुदाई कर रहे। एक-दो घंटे ही काम कर पाते हैं और तेज बारिश होने लगती है। पूरा इलाका दलदल बन जाता है। इसके बाद कुछ भी करने लायक नहीं बचते। पिछले 14 दिन से यही रुटीन है। हमें पता है कि मलबे में 12 से 13 लोकेशन पर 20 से 25 फीट नीचे कई लाशें दबी हैं, लेकिन मजबूर हैं। ऐसे मलबे को हटाने के लिए भारी अर्थ मूविंग मशीनों की जरूरत है, लेकिन धराली तक रास्ता नहीं होने के चलते मशीनें नहीं आ पा रहीं। हेलिकॉप्टर से इन्हें ला सकते हैं, लेकिन मौसम बिगड़ा हुआ है। यह कहना है धराली रेस्क्यू ऑपरेशन के प्रभारी एसडीआरएफ के कमांडेंट अर्पण यदुवंशी का।

अर्पण ने बताया कि सब कुछ जानने के बावजूद 14 दिन से लगातार हो रही बारिश के कारण लाशें निकालने का काम नहीं हो पा रहा है। वे और उनकी टीम मजबूर है।

तीन हजार की आबादी को मुश्किल से मिल रहा राशन

त्रासदी में धराली के अलावा बगोरी, झाला, जसपुर, मुखबा, पुराली और सुखी गांव कटे हुए हैं। यहां की तीन हजार से ज्यादा की आबादी को मुश्किल से दूध, राशन मिल रहा है। गैस आपूर्ति भी बंद है। हेलिकॉप्टर एक बार में जितना सामान ले जाता है, एसडीआरएफ उनकी उतनी ही मदद कर पा रही है। रविवार को मौसम खराब होने के चलते हेलिकॉप्टर एक बार भी उड़ान नहीं भर पाया। बाकी दिन भी एक या दो चक्कर ही लग पा रहे हैं। हमने वहां इंटरनेट और बिजली बहाल की है, एक वैकल्पिक सड़क बनाई थी, वो फिर टूट गई।

हर्षिल में झील रुकी, इससे भागीरथी कटान कर रही

हर्षिल के पूर्व प्रधान दिनेश रावत ने भास्कर को बताया कि खाने के लिए अभी 7-8 किलो चावल ही मिल रहा है। मसाले, नमक, तेल नहीं दे रहे। सिलेंडर और सूखी लकड़ी भी नहीं है। आसपास दो हेलिपैड हैं। हमने सुझाव दिया था कि राशन के पैकेट बांटिए, ताकि सबकुछ एक ही थैले में मिल जाए। हर्षिल में बनी नई झील का पानी भी रुका हुआ है। इसे तेजी से निकालेंगे तो भटवारी तक तबाही मच सकती है। इस वजह से भागीरथी नदी अब गांव में कटान करने लगी है।

मानसून ब्रेक के कारण हो रही बादल फटने की घटनाएं

मानसून ब्रेक में बारिश बिल्कुल बंद नहीं होती हैं बल्कि ये हिमालय के तराई के इलाकों में सिमट जाती है। इस दौरान इन इलाकों में बादल फटने जैसी घटनाएं भी होती है, जैसा कि 15 दिनों में धराली और किश्तवाड़ में देखने को मिला।

डीएनए टेस्ट से होगी अब शवों की शिनाख्त, 15 से 20 फीट मलबे में दबे, मिलने की उम्मीद कम

धराली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। धराली और हर्षिल आपदा में मिलने वाले शवों की शिनाख्त अब डीएनए टेस्ट से की जाएगी। आपदा को आए करीब 14 दिन बीत गए हैं इसमें एक शव पहले मिला था और एक सोमवार को भागीरथी नदी में मिला। उसकी पहचान के डीएनए टेस्ट की प्रक्रिया अपनाई जाएगी। धराली हर्षिल आपदा के दौरान सेना के नौ जवानों के साथ ही करीब 68 लोग लापता हो गए थे।

उसमें से एक शव आपदा के दूसरे दिन ही मलबे में बरामद किया गया। उसके बाद सोमवार को हर्षिल से करीब तीन किमी दूरी पर झाला में एक शव क्षतविक्षत अवस्था में मिला। उसकी शिनाख्त नहीं हो पाई है लेकिन उसके शरीर पर मिले कपड़ों से उसके सेना के जवान होने की आशंका जताई जा रही है। अब धराली और हर्षिल में खीर गंगा और तेलगाड से आए करीब 15 से 20 फीट मलबे में दबे शव मिलने की उम्मीद कम लग रही है। फिर भी शवों को ढूंढने के लिए एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, सेना की ओर से लगातार सर्च अभियान चलाया जा रहा है। आपदा प्रभावित क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग के नोडल अधिकारी एसीएमओ डॉ. कुलवीर राणा ने बताया कि अब जो भी शव आपदा प्रभावित क्षेत्रों में मिलेंगे। उनकी शिनाख्त डीएनए टेस्ट के माध्यम से की जाएगी। उल्लेखनीय है कि केदारनाथ आपदा के बाद से लापता लोगों का जब शव नहीं मिलता है। तो

खबरें जरा हटके

पहले कभी देखा था कार का ऐसा मजेदार उपयोग, सनरूफ का ये इस्तेमाल आपको भी कर देगा हक्का बक्का!

बहुत से लोग कार को अपने रुतबे के लिए खरीदते हैं. मजेदार बात ये है कि बहुत से लोग कार का मालिक होने के बाद भी अपनी लाइफस्टाइल और ज्यादा बेहतर करने पर ध्यान नहीं देते हैं. वहीं कई लोग ऐसी भी हैं जिनके लिए कार या वैन उनके व्यवसाय की जरूरत होती है. यहां तक कि आपको कई लोग वैन में खाना बेचते या कुछ और सामान बेचते नजर आएंगे. पर एक शख्स ने अपने रूफटॉप वाली कार का अलग ही तरह से इस्तेमाल किया है. उसने रूफटॉप के ऊपर छोटी सी दुकान जैसा आकार देकर एक अलग ही आकर्षक लुक देने की कोशिश की गई है. लोगों ने इस वीडियो को जम कर पसंद किया है.

कार का रुतबा

ये सच है कि कार रुतबे को बताती है यह सोच केवल भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के कई देशों में देखने को मिलती है. कार के साथ खास बात ये होती है कि इसके दिखने में तो अंतर कम होता है, लेकिन सुविधाएं इसकी कीमत और स्टैंडर्ड में बहुत ही ज्यादा अंतर ला देती हैं. आम लोगों के लिए 10 लाख और 20 लाख की कार में अंतर बताना आसान नहीं होता है. पर कई लोगों को कार के रुतबे से नहीं उसके इस्तेमाल से मतलब होता है और इस वीडियो में इसी की मिसाल देखने को मिल रही है.

एक आम दुकान की तरह

वीडियो में हम देखते हैं कि एक शहर में एक सड़क के किनारे पर जहां दुकानें होती हैं, वहां पर एक आल्टोकार खड़ी है जिसके सनरूफ पर दुकान ही लगा कर रखी गई है. वीडियो शेयर करने वाले ने इसे लखनऊ की जगह बताया है. दुकान भी कोई बड़ी खास या बहुत अलग सा सामान बेचने वाली नहीं बल्कि रोजमर्रा की छोटी दुकान है जिसमें चिप्स के पैकेट लटके अलग से दिख रहे हैं.

बाइक पर बैठा पूरा परिवार, पीछे बैठी दो बीवियां और बंधी गाड़ी पर दिखी आधे दर्जन बच्चों की टोली

सोशल मीडिया की दुनिया ऐसी है जहां रोजाना कोई न कोई नया वीडियो लोगों का ध्यान खींच लेता है। कई बार इनमें मनोरंजन होता है तो कई बार हैरानी। हाल ही में ऐसा ही एक वीडियो सामने आया है, जिसने इंटरनेट पर खूब सुर्खियां बटोरीं। इस वीडियो में एक शख्स अपनी बाइक पर पूरे परिवार के साथ सफर करता नजर आ रहा है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि बाइक पर सिर्फ दो-तीन लोग ही नहीं बल्कि कुल मिलाकर करीब 9 लोग सवार थे। तो आज की इस खबर में हम भी आपको इसी वीडियो के बारे में विस्तार से बताने जा रहे हैं। आइए जानते हैं। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि आगे एक शख्स बाइक चला रहा है।

उसके पीछे दो महिलाएं आराम से बैठी हुई हैं। यही नहीं, बाइक के पीछे एक छोटी सी गाड़ी रस्सी से बांध दी गई है। इस गाड़ी में करीब आधा दर्जन बच्चे बैठे हुए दिखाई देते हैं। इस तरह एक नॉर्मल बाइक पर पूरा परिवार यात्रा करता नजर आया। बाइक चालक भी बिना किसी घबराहट के बड़े आराम से गाड़ी चला रहा था और पीछे बंधी बच्चों की गाड़ी भी संतुलन के साथ आगे बढ़ रही थी। यह नजारा सोशल मीडिया पर वायरल होते ही लोगों की आंखें फटी रह गईं। कई लोगों ने इसे देसी जुगाड़ की शानदार मिसाल बताया तो कईयों ने इसकी आलोचना की। कुछ यूजर्स का कहना था कि शख्स ने अनोखे अंदाज में अपने पूरे परिवार को साथ ले जाने का तरीका खोज निकाला, जबकि दूसरों ने इसे सड़क सुरक्षा के लिहाज से बेहद खतरनाक बताया।

महिलाओं के नाक के छेद हमेशा के लिए बंद कर देती है ये जनजाति, फेस पर टैटू कराने के बाद होती है शादी

अरुणाचल प्रदेश की हरी-भरी घाटियां और वहां बसे अनगिनत जनजातीय समूह अपनी अलग परंपराओं और जीवनशैली के लिए प्रसिद्ध हैं। इन्हीं में से एक है अपातानी जनजाति, जो अपनी विशेष संस्कृति और खासकर महिलाओं से जुड़ी परंपराओं के लिए हमेशा चर्चा में रही है। इस जनजाति की महिलाएं कभी चेहरे पर बने टैटू और नाक में लगाए जाने वाले बड़े लकड़ी के नोज-प्लग्स की वजह से पहचानी जाती थीं। यह परंपरा केवल सजावट भर नहीं थी, बल्कि इसके पीछे गहरे सामाजिक और सांस्कृतिक कारण छिपे थे। तो आइए विस्तार से जानते हैं।

महिलाओं को अगवा कर के ले जाती थीं दूसरी जनजातियां

पुरानी कहानियों की मानें तो अपातानी महिलाएं अत्यंत सुंदर मानी जाती थीं। उनकी सुंदरता की ख्याति इतनी थी कि आसपास की दूसरी जनजातियां अक्सर उन्हें अगवा कर ले जाती थीं। परिवारों ने इस खतरे से निपटने का उपाय ढूंढा। उन्होंने बेटियों के चेहरे पर गहरे नीले टैटू बनवाने शुरू किए, ताकि उनका आकर्षण कम हो जाए और वे सुरक्षित रह सकें।

यह लोककथा भी है मशहूर

इसके अलावा इस प्रथा से जुड़ी एक और लोककथा भी मशहूर है। कहा जाता है कि जब जनजाति के पुरुष युद्ध में मारे जाते तो उनकी आत्माएं घर लौट आतीं। ये आत्माएं अपनी पत्नियों को पहचान नहीं पातीं और उन्हें परेशान करती थीं। ऐसे समय में जनजाति के पुजारियों ने महिलाओं को सलाह दी कि वे अपने चेहरे पर टैटू बनवाएं। माना जाता था कि टैटू के कारण आत्माएं उन्हें पहचान नहीं सकेंगी। धीरे-धीरे यह परंपरा समाज में गहराई से स्थापित हो गई।

जालंधर में भीषण सड़क हादसा

बस ड्राइवर को आई नींद, छोटा हाथी को मारी टक्कर-महिला सहित तीन की दर्दनाक मौत

जालंधर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। जालंधर में बीती रात एक दर्दनाक सड़क हादसे ने सबको झकझोर कर रख दिया। दिल्ली से आ रही पंजाब रोडवेज की एक बस जब कपूरथला रोड स्थित सेठ हुक्म चंद कॉलोनी के पास पहुंची, तभी ड्राइवर को अचानक नींद आ गई। नींद की झपकी ने बस को बेकाबू कर दिया और वह सड़क के दूसरी ओर चली गई। सामने से आ रहे एक टेम्पो (छोटा हाथी), जिसमें एक महिला और दो युवक सवार थे, बस से सीधी टक्कर में टेम्पो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों के शव टेम्पो में बुरी तरह फंसे हुए थे, जिन्हें गैस कटर की मदद से बाहर निकाला गया। हालांकि अभी तक मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और बस को कब्जे में ले लिया गया है। हादसे के बाद इलाके में दहशत का माहौल है और लोग रोड सेफ्टी को लेकर चिंता जता रहे हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है और ड्राइवर से पूछताछ की जा रही है। पीआरटीसी और टैंपो (छोटा हाथी) के बीच टक्कर में महिला समेत तीन लोगों की मौत की घटना के बाद मृतकों के परिजनों ने हाईवे पर शव रख कर सड़क जाम कर दी है। लोग सरकार, परिवहन विभाग और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। मौके पर पुलिस फोर्स को तैनात किया गया है। इस वजह से वहां ट्रैफिक जाम की स्थिति बन गई है।

विपक्ष के उप-राष्ट्रपति उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी

हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और सुप्रीम कोर्ट के जज रह चुके हैं

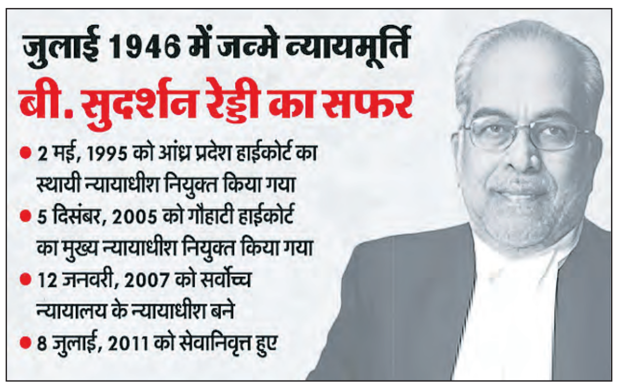

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' ने सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश बी. सुदर्शन रेड्डी को अपना उम्मीदवार बनाया है। बी. सुदर्शन रेड्डी ने 16 वर्षों से अधिक समय तक देश की संवैधानिक अदालतों में अहम जिम्मेदारी संभाली। जुलाई 1946 में जन्मे न्यायमूर्ति रेड्डी को 2 मई, 1995 को आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट का स्थायी न्यायाधीश नियुक्त किया गया था। 5 दिसंबर, 2005 को उन्हें गौहाटी हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया। वे 12 जनवरी, 2007 को सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश बने और 8 जुलाई, 2011 को सेवानिवृत्त हुए।

कृषक परिवार में जन्मे जस्टिस बी. सुदर्शन रेड्डी?

जस्टिस बी. सुदर्शन रेड्डी का जन्म 8 जुलाई, 1946 को अकुला मायलाराम गांव, पूर्व इब्राहिमपट्टनम तालुका, रंगारेड्डी (आंध्र प्रदेश) में हुआ था। उनका नाता वर्तमान में कंदुकुर राजस्व मंडल के तहत आने वाले गांव के एक कृषक परिवार से रहा। उन्होंने हैदराबाद में पढ़ाई की और 1971 में उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद से कानून की डिग्री प्राप्त की। उन्होंने 1971 में ही अधिवक्ता के रूप में अपनी पहचान बना ली। इसके बाद वे वरिष्ठ अधिवक्ता के. प्रताप रेड्डी के चैंबर में शामिल हुए।

केंद्र सरकार के अतिरिक्त स्थायी वकील के रूप में भी नियुक्त हुए

उन्होंने हैदराबाद के नगर दीवानी न्यायालयों के साथ-साथ आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट में कई मामलों का निपटारा किया। वे 8 अगस्त, 1988 को आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट में सरकारी वकील के रूप में नियुक्त हुए। वे राजस्व विभाग के प्रभारी भी रहे और 8 जनवरी, 1990 तक इस पद पर बने रहे। इसके बाद वे कुछ समय के लिए केंद्र सरकार के अतिरिक्त स्थायी वकील के रूप में भी नियुक्त हुए।

उस्मानिया विश्वविद्यालय के कानूनी सलाहकार

जस्टिस बी. सुदर्शन रेड्डी एवी एजुकेशन सोसाइटी की ओर से संचालित शैक्षणिक संस्थानों के सचिव और संवाददाता भी रहे। 1993-94 के लिए आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष चुने गए। 8 जनवरी, 1993 को उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद के कानूनी सलाहकार और स्थायी वकील नियुक्त किए गए।

राहुल किसी हमले से नहीं डरते, सब कुछ सह लेंगे : प्रियंका गांधी

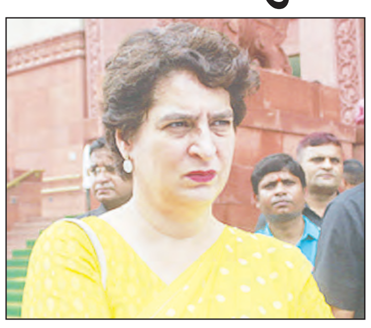

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और कथित 'वोट चोरी' के मुद्दे को लेकर विपक्षी दल चुनाव आयोग पर हमलावर है। इसी बीच कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने मंगलवार को चुनाव आयोग और भाजपा पर निशाना साधा और कहा कि राहुल गांधी किसी हमले से नहीं डरते, सब कुछ सह लेंगे, बिल्कुल पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा को अपनी जिम्मेदारियां निभानी चाहिए और अतीत की बात करना बंद करना चाहिए। एसआईआर क्यों किया जा रहा है, इसका जवाब दें।

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने संसद परिसर में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा, इन 10-11 सालों में ऐसी बहुत सी चीजें हैं जिनसे उन्होंने (भाजपा) नेहरू जी की गलती बताकर अपना पल्ला झाड़ लिया। उन्हें अपनी जिम्मेदारियां निभानी चाहिए, अतीत की बात करना बंद करना चाहिए। आज जो हो रहा है उस पर बात करें, एसआईआर क्यों किया जा रहा है इसका जवाब दें, वोट चोरी के मुद्दे पर बात करें। जनता को समझाइए, अगर ये सच नहीं है तो जनता को बता दें। प्रियंका गांधी ने राहुल गांधी का बचाव करते हुए कहा कि वो किसी हमले से नहीं डरते, सब कुछ सह लेंगे, लड़ते रहेंगे, और बिल्कुल पीछे नहीं हटेंगे। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने 'शपथ' के मामले पर कहा, सबसे बड़ी शपथ हम लोकसभा में लेते हैं। ये जो हलफनामा मांग रहे हैं, ये बेकार की बात है। जैसे ही हलफनामा आएगा, वे कहेंगे कि ये 45 दिन बाद दिया था, इसलिए इसे रद्द कर देंगे।

ये सब बकवास है, सच्चाई सबके सामने है, सच्चाई का जवाब दें। ये सब क्यों हुआ? 100-100 लोग जीरो एड्रेस पर क्यों हैं, इतने लोग एक एड्रेस पर कैसे हैं? पहले राहुल गांधी जो सवाल उठा रहे हैं, उसका जवाब दें। जब जवाब नहीं दे पा रहे हैं, इसलिए जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी, हलफनामा, शपथ पत्र की बात करेंगे। जो मुद्दे उठाए हैं उनका जवाब दें।

इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मीडिया से बात करते हुए चुनाव आयोग पर हमला बोला। उन्होंने कहा, हम वोट चोरी के खिलाफ हैं और जनता को संदेश दे रहे हैं कि आपके साथ अन्याय हो रहा है। हम चाहते हैं कि जनता को पता चले कि अगर कोई वोट चोरी करके सरकार में आता है, तो यह लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है। ये संविधान की हत्या है। इलेक्शन कमिश्नर हमें डरा-धमका रहे है कि 7 दिन में जवाब दें। ये उनका हथियार है। हमारे पास भी हथियार हैं, जिन्हें हम समय आने पर इस्तेमाल करेंगे।

आतंकी संगठन बीकेआई की बड़ी साजिश नाकाम

गिरफ्तार गुर्गों से ग्रेनेड मिला

जालंधर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। पंजाब पुलिस की जालंधर काउंटर इंटेलिजेंस टीम ने बड़ी आतंकी साजिश नाकाम कर दी है। टीम ने बीकेआई (बब्बर खालसा इंटरनेशनल) से जुड़े गुर्गों से पूछताछ के बाद आतंकी वारदात में इस्तेमाल किया जाने वाला 86पी हैंड ग्रेनेड बरामद किया है।

इससे पहले कुछ दिन पहले काउंटर इंटेलिजेंस ने राजस्थान निवासी आतंकी रितिक नरोलिया और एक नाबालिग को गिरफ्तार किया था। पंजाब पुलिस के डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि रितिक और नाबालिग से पूछताछ के बाद मिली जानकारी पर कार्रवाई करते हुए उनके सहयोगियों को भी पकड़ा गया।

कार्मिकों की फिटनेस बढ़ाने के लिए 'बीएमआई' अभियान शुरू

सबसे बड़े केंद्रीय अर्धसैनिक बल सीआरपीएफ की पहल

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने अपने कार्मिकों के लिए एक विशेष स्वास्थ्य एवं फिटनेस अभियान की शुरुआत की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से 'मन की बात' कार्यक्रम और स्वतंत्रता दिवस 2025 के संबोधन में नागरिकों से मोटापा कम करने और बेहतर स्वास्थ्य अपनाने का आह्वान किए जाने से प्रेरित होकर ऐसा किया गया है। मंगलवार को सीआरपीएफ के महानिदेशक जीपी सिंह ने बल मुख्यालय, नई दिल्ली स्थित हेरिटेज क्लब में अपना बीएमआई दर्ज कराकर बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) अभियान का औपचारिक शुभारंभ किया। इस पहल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक जवान और अधिकारी स्वस्थ एवं सक्षम रहे, जिससे सीआरपीएफ एक 'फिट फोर्स' और अधिक सशक्त 'फाइटिंग फोर्स' के रूप में स्थापित हो।

भोपाल के जालसाजों ने ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर लाखों ठगे, चार गिरफ्तार

भोपाल, 19 अगस्त (एजेंसियां)। ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर जालसाजी कर लोगों से ठगी करने वाले चार जालसाजों को हरियाणा के अंबाला की पुलिस ने भोपाल से गिरफ्तार किया है। चारों जालसाज भोपाल के जहांगीराबाद थाना क्षेत्र में रहते थे और यहां से ही ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर ठगी कर रहे थे। इस गिरोह ने अब तक कितने लोगों को ठगा है, यह खुलासा नहीं हो सका है, लेकिन जिस मामले में गिरफ्तार किए गए हैं, उस केस में करीब आठ लाख से अधिक की ठगी की थी। हरियाणा के अंबाला जिले की पुलिस ने बताया कि एक आरोपी को अंबाला कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

'असम आ रहे कुछ अजनबी लोग, सीमा पार की तो करेंगे गिरफ्तारी'

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा की चेतावनी

गुवाहाटी, 19 अगस्त (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने मंगलवार को कहा कि देश के विभिन्न हिस्सों से कुछ अजनबी लोग राज्य में आ आ रहे हैं। अगर वे अपनी सीमाएं पार करते हैं तो उन्हें गिरफ्तार कर लिए जाएंगे। मुख्यमंत्री सोमवार रात गौहाटी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (जीएमसीएच) पहुंचे थे, जहां एक नवजात शिशु की मौत के बाद उन्होंने मीडिया से बात की। उन्होंने बताया कि ये लोग मुंबई और केरल आए वकील हैं। हम इन लोगों पर नजर रख रहे हैं।

जब राज्य में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) अपडेट किया जा रहा था, तब ये लोग आए थे और इन्होंने पूरी प्रक्रिया खराब कर दी थी। उस वक्त सरकार ने इनकी गतिविधियों पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया, लेकिन अब हम हर एक पर नजर रख रहे हैं। अगर वे नियमों की सीमाएं पार करेंगे, तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा, हम किसी भी चरमपंथी गतिविधि या संवेदनशील मुद्दों पर राजनीति बर्दाश्त नहीं करेंगे, चाहे वे केरल, मुंबई या दिल्ली से ही क्यों न आए हों। ये चरमपंथी लोग हैं, जो कुछ खास समूहों की गतिविधियों को बढ़ावा देते हैं और उनका बचाव करते हैं। सोमवार सुबह जीएमसीएफ के नवजात गहन चिकित्सा इकाई (एआईसीयू) में एक चार दिन के शिशु की मौत हो गई। वह एक मेडिकल उपकरण की तारों से लटका पाया गया। शिशु के परिवार ने ड्यूटी पर मौजूद कर्मचारियों पर लापरवाही का आरोप लगाया है। राज्य सरकार ने इस मामले की जांच के आदेश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने इसे लापरवाही का मामता बताते हुए कहा कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए जांच समिति बनाई गई है। इसी दौरान उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि एनआरसी की प्रक्रिया के दौरान कुछ लोगों ने जानबूझकरक फर्जी दस्तावेज तैयार किए। उन्होंने कहा कि समान नामों का फायदा उठाकर ऐसे लोगों के नाम सूची में डलवाए गए, जो इसके हकदार नहीं थे। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के नाम पहले से सूची में थे, उनके फर्जी रिश्तेदारों को जोड़ने का काम कुछ लोगों की योजना से हुआ, जिसमें सामाजिक कार्यकर्ता हर्ष मंदर जैसे नाम शामिल हैं। सरमा ने कहा कि बीते पांच वर्षों में ऐसी कई अनियमितताएं सामने आई हैं और अब सरकार इन्हें सुप्रीम कोर्ट के समक्ष रखने के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री ने बताया कि हाल ही में उरियमघाट में सबसे बड़ी अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान बीबीसी की एक टीम वहां आई थी, लेकिन उन्हें जंगल क्षेत्र में प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने कहा, हमने पहले स्पष्ट कर दिया था कि जंगल क्षेत्र में प्रवेश के लिए पहले अनुमति लेनी होगी।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
मेरा हैदराबाद
बुधवार, 20 अगस्त, 2025

सुविचार: जिसने खर्च कम करने की बात सोची समझ लो उसने कमाने की अकल खो दी...

विकास कार्यों को प्राथमिकता के क्रम में पूरा करें : भट्टी

उपमुख्यमंत्री ने मंत्रियों और कैबिनेट उप-समिति के सदस्यों के साथ बैठक की

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बुनियादी ढांचा और पूंजीगत कार्यों पर कैबिनेट उप-समिति की बैठक में, समिति के अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने इस बात पर ज़ोर दिया कि राज्य के तीव्र विकास के लिए निवेश अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को संसाधनों का सावधानीपूर्वक उपयोग करने और विभिन्न विभागों में विकास कार्यों को प्राथमिकता के क्रम में पूरा करने के निर्देश दिए। मंगलवार को सचिवालय में, उपमुख्यमंत्री ने मंत्रियों और कैबिनेट उप-समिति के सदस्यों उत्तम कुमार रेड्डी, श्रीधर बाबू, कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी और सीतक्का के साथ एक समीक्षा बैठक की।

इस अवसर पर, भट्टी विक्रमार्क ने बताया कि परंपरागत रूप से, राजस्व और बजट आवंटन के आधार पर, कार्यों को 1:3 के अनुपात में स्वीकृत किया जाता है- यह दशकों से शासन में अपनाई जाने वाली पद्धति है। हालांकि, पिछले दस वर्षों में, पूर्ववर्ती शासकों ने, आय या बजट आवंटन की परवाह किए बिना, कुछ विभागों में 1:25 के अनुपात में विकास कार्यों को मंजूरी दी थी। उन्होंने कार्य शुरू किए और उन्हें अधूरा छोड़ दिया। उन्होंने बताया कि परिणामस्वरूप, धन की कमी के कारण, सभी जगह काम ठप हो गए, जिससे नए मंत्री अपने विभागों में कार्यों का प्रस्ताव नहीं दे पा रहे थे। उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को बताया कि पिछली सरकार के निर्णयों के कारण, कोई भी परियोजना अभी पूरी होने की स्थिति में नहीं है और सरकार किसी भी कार्य के लिए धनराशि जारी नहीं कर पा रही है। भट्टी विक्रमार्क ने विभिन्न विभागों के सचिवों को अपने-अपने विभागों में व्याप्त चिंताजनक और अस्वस्थ स्थिति को सुधारने के निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को आदेश दिया कि वे पहले उन कार्यों की पहचान करें जो 95 प्रतिशत पूरे हो चुके हैं और फिर अच्छी तरह से तैयार योजनाओं के माध्यम से कार्यों को प्राथमिकता देकर आगे बढ़ाएं। विभिन्न विभागों में विकास परियोजनाओं को शुरू करते समय, उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि राज्य के सभी निर्वाचन क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाना चाहिए। भट्टी विक्रमार्क ने अधिकारियों को केंद्र सरकार द्वारा प्रायोजित योजनाओं और नाबार्ड सहायता से शुरू की गई परियोजनाओं को प्राथमिकता देने और उनके पूरा होने को सुनिश्चित करने की सलाह दी। मंत्रियों ने अधिकारियों को आगाह किया कि पिछली सरकार के दौरान, कुछ विभागों को 100 प्रतिशत प्राथमिकता दी गई थी जबकि अन्य को केवल 10 प्रतिशत, और ऐसा असंतुलन फिर से नहीं होना चाहिए। मंत्रियों ने आगे निर्देश दिए कि विकास कार्यों पर धनराशि खर्च करते समय, राजस्व बढ़ाने के भी प्रयास किए जाने चाहिए। सभी अधिकारी तदनुसार योजनाएं तैयार करें और आगे बढ़ें। उप-समिति की बैठकों में भाग लेने से पहले, प्रत्येक विभाग के वरिष्ठ अधिकारी अपने-अपने मंत्रियों के साथ समन्वय स्थापित करें और विकास कार्यों की प्राथमिकता सूची तैयार करें। मुख्य सचिव रामकृष्ण राव, प्रमुख सचिव (वित्त) संदीप कुमार सुल्तानिया, प्रमुख सचिव (आर एंड बी) विकास राज, प्रमुख सचिव (उद्योग) संजय कुमार, प्रमुख सचिव (ऊर्जा) नवीन मित्तल, प्रमुख सचिव (पंचायत राज) श्रीधर, प्रमुख सचिव (शिक्षा) योगिता राणा, प्रमुख सचिव (नगर प्रशासन एवं शहरी विकास) टी.के. श्रीदेवी, आवास निगम के एमडी गौतम, गृह सचिव रवि गुप्ता और उपमुख्यमंत्री के विशेष सचिव कृष्ण भास्कर बैठक में शामिल हुए।

नागरिकों को सुरक्षा चाहिए, डर नहीं : केटीआर

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामाराव ने एक सप्ताह के भीतर दो चौंकाने वाली घटनाओं के मद्देनजर कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि ये हैदराबाद में बिगड़ती कानून व्यवस्था की स्थिति को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा, सिर्फ़ एक हफ़्ते में ही हैदराबाद में एक ज्वेलरी स्टोर में दिनदहाड़े बंदूक की नोक पर डकैती और कुकटपल्ली में एक 12 साल की बच्ची की नृशंस हत्या हो गई। कांग्रेस सरकार में बढ़ती अपराध दर जनता की सुरक्षा को ख़तरे में डाल रही है। नागरिकों को सुरक्षा चाहिए, डर नहीं। उन्होंने कहा कि पुलिस बल को मजबूत करने के बजाय, सत्तारूढ़ पार्टी ने कुशल तेलंगाना पुलिस अधिकारियों को राजनीतिक उत्पीड़न में धकेल दिया है, जिससे राज्य के लोग अपराधियों के प्रति असुरक्षित हो गए हैं। उन्होंने कहा, यह कानून और व्यवस्था पर ध्यान न देने का नतीजा है।

मुख्यमंत्री रेवंत ने केंद्र से तेलंगाना को पर्याप्त यूरिया आपूर्ति का आग्रह किया

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने केंद्र सरकार से तेलंगाना के किसानों को उनकी स्वीकृत आवश्यकताओं के अनुसार तुरंत यूरिया की आपूर्ति करने का आग्रह किया है।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना के सांसद पहले ही केंद्रीय मंत्रियों के समक्ष यह मुद्दा उठा चुके हैं और स्वीकृत आवंटन के बावजूद राज्य को यूरिया की अपर्याप्त आपूर्ति से उत्पन्न समस्याओं पर प्रकाश डाल चुके हैं। मंगलवार को एक्स पर बात करते हुए, मुख्यमंत्री ने बताया कि हालांकि चालू खरीफ सीजन के लिए तेलंगाना को 8.30 लाख मीट्रिक टन यूरिया आवंटित किया गया था, लेकिन अब तक केवल 5.32 लाख मीट्रिक टन की आपूर्ति की गई है- लगभग 3 लाख मीट्रिक टन की कमी- जिससे राज्य भर के किसानों को काफी कठिनाई हो रही है। उन्होंने राज्य के सांसदों द्वारा केंद्रीय उर्वरक और रसायन मंत्री, जेपी नड्डा को सौंपे गए एक ज्ञापन का भी उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि उन्होंने व्यक्तिगत

रूप से केंद्रीय मंत्री के समक्ष यह मामला उठाया है और राज्य के कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने भी इस मुद्दे पर केंद्र को कई बार पत्र लिखा है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार राज्य की वास्तविक ज़रूरतों के अनुसार यूरिया की आपूर्ति न करके तेलंगाना के साथ भेदभाव कर रही है।

रेवंत रेड्डी ने केंद्र की लगातार लापरवाही की भी आलोचना की और कहा कि तेलंगाना के सांसदों द्वारा बार-बार किए गए प्रयासों (जिसमें संसद में यह मामला उठाना और किसानों की ओर से विरोध प्रदर्शन करना शामिल है) के बावजूद आपूर्ति अभी भी स्वीकृत कोटे के अनुरूप नहीं है। मुख्यमंत्री ने तेलंगाना के किसानों के हितों की रक्षा के लिए स्वीकृत आवंटन के अनुसार यूरिया की तत्काल आपूर्ति की अपनी मांग दोहराई।

अच्छी सड़कें ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार लाएंगी : कोमटिरेड्डी

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क एवं भवन एवं छायांकन मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण सड़क संपर्क सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए, क्योंकि यह ग्रामीण तेलंगाना में उद्योगों और रोज़गार को आकर्षित करने की कुंजी है। मंगलवार को राज्य सचिवालय में उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क की अध्यक्षता में हुई बुनियादी ढांचा एवं पूंजीगत कार्य मंत्रियों की समिति की बैठक में बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि राज्य की राजधानी से ज़िला और मंडल केंद्रों तक मज़बूत सड़क नेटवर्क उद्योगों को गांवों तक ले जाएगा और स्थानीय स्तर पर रोज़गार पैदा करेगा। उन्होंने कहा, लोगों को यह विश्वास होना चाहिए कि सिर्फ़ राजधानी में ही नहीं, बल्कि तेलंगाना में कहीं भी रोज़गार संभव है।

सड़कों को "लोगों की पहली प्राथमिकता" बताते हुए, मंत्री ने कहा कि ये सार्वजनिक परिवहन, आपातकालीन सेवाओं और सरकारी दक्षता की धारणा को सीधे प्रभावित करती हैं। मंत्री ने कहा, आपात स्थिति में, एम्बुलेंस की गति सड़कों की गुणवत्ता से आंकी जाती है। इसलिए सरकार को इस क्षेत्र पर खर्च करने में संकोच नहीं करना चाहिए। हाइब्रिड एन्युइटी मॉडल (एचएएम) के तहत सड़क परियोजनाओं के त्वरित क्रियान्वयन पर ज़ोर देते हुए, वेंकट रेड्डी ने तीन साल के भीतर दुर्घटना-मुक्त सड़कें बनाने का वादा किया।

Public Notice

To Whosoever It May Concern: Under instructions and on behalf of my client Mr. B. Laxma Reddy, resident of Vemana Colony, Chandanagar, this is to inform the general public that the original title documents pertaining to Plot No. **18**, Survey Nos. **130** and **131**, situated at Meherbaba Colony, Yapral, registered in the name of my client, have been lost. It is further informed that the said documents were reportedly destroyed during the course of certain land-grabbing court proceedings. Any person, authority, or institution who is in possession of, or has knowledge regarding, the said original documents is hereby requested to immediately contact the undersigned.

It is also notified that any transaction, agreement, mortgage, or dealing in respect of the above-mentioned property, based on the said lost documents, will be considered illegal, null, and void, and shall be entirely at the risk and cost of such persons dealing with them. In view of the above circumstances, this public notice is being issued to safeguard the interests of my client.

Place: Hyderabad
Date: **19-08-2025**
NIZAMPUR CHANDRA SEKHAR
Advocate
Panjagutta, Hyderabad
Ph: **7893944525**

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Monika Sharma, W/o, No.14655061L, Hav, Bittoo Kumar, R/o, Dist: Rewari , Haryana, changed my name from Monika Sharma to Mohani Devi vide Affidavit dt 12.08.2025, before, I Spl Metropolitan Magistrate, at L B Nagar Court.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

गणेश प्रतिमा पंडालों में ले जाने के दौरान करंट से 3 की मौत

अलग-अलग स्थानों पर हुई घटनाओं से परिवार में मचा कोहराम

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में गणेश प्रतिमा को पंडालों में ले जाने के दौरान करंट लगने से अलग-अलग मामलों में 3 लोगों की मौत हो गई जबकि 3 अन्य युवा झुलस गए। इसी क्रम में सोमवार रात बंडलागुडा में एक दुखद दुर्घटना में दो युवकों की मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से झुलस गया। घटना एक विशाल गणेश प्रतिमा को पंडाल में ले जाने के दौरान हुई जो हाई-टेंशन बिजली की तारों के संपर्क में आ गई। दोनों पीड़ितों की पहचान 22 वर्षीय विकास और 21 वर्षीय टोनी के रूप में हुई है, जो ट्रैक्टर चालक थे। अखिलेश (23) भी समूह का हिस्सा था और गंभीर रूप से घायल होने के कारण अस्पताल में भर्ती है। जानकारी के अनुसार, यह घटना उस समय घटी जब समूह 22 फुट की गणेश प्रतिमा को लक्ष्मीगुडा से पुरानापुल ले जा रहा था, तभी रॉयल सी होटल के पास पहुंचने पर यह दुर्घटना घटी।

पुलिस के अनुसार ट्रैक्टर द्वारा खींची जा रही मूर्ति ऊपर से गुजर रहे हाईटेंशन तार से टकरा गई, जिससे उसे बिजली का झटका लगा। इसके बाद, वाहन पर सवार सभी लोग ज़मीन पर गिर पड़े। बंडलागुडा पुलिस जांच कर रही है। हालांकि, तेलंगाना राज्य दक्षिणी विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (टीजीएसपीडीसीएल) के अधिकारियों ने इसका कारण नकारते हुए दावा किया है कि उनके निरीक्षण में उच्च-तनाव तारों के संपर्क का कोई सबूत नहीं मिला है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शुरूआती जांच से पता चला है कि यह घटना बिजली के झटके से हुई। अब वे मौत के असली कारण का पता लगाने के लिए फ़ोरेंसिक और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतज़ार कर रहे हैं।

वहीं, कामारेड्डी के अरेपल्ली गांव में मंगलवार को गणेश प्रतिमा को स्थानांतरित करते समय बिजली के तार के संपर्क में आने से 19 वर्षीय एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई तथा एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान राजन्ना सिरसिला निवासी टी लक्ष्मीनारायण के रूप में हुई। घायल 25 वर्षीय साईं को तुरंत कामारेड्डी के सरकारी सामान्य अस्पताल में भर्ती कराया गया। वह राजन्ना सिरसिला का ही रहने वाला था। रिपोर्ट के अनुसार, यह घटना अरेपल्ली गांव के बाहरी इलाके में उस समय घटी जब दोनों लोग गणेश प्रतिमा को निजामाबाद के पर्किट से राजन्ना सिरसिल्ला ले जा रहे थे।

इसी क्रम में सोमवार आधी रात को अंबरपेट में गणेश पंडाल लगाते समय एक युवक बिजली का झटका लगने से झुलस गया। बताते हैं कि बाग अम्बरपेट मंडल के कुछ स्थानीय युवक हर साल गणेश प्रतिमा स्थापित करते हैं। इसी क्रम में, वे सब मिलकर पंडाल लगा रहे थे, तभी यह घटना घटी। तभी रामचरण नाम के एक युवक ने लाठी से बिजली के तार ऊपर उठाए। उसे बिजली का झटका लगा और वह नीचे गिर गया। उसके शरीर पर गंभीर चोटें आईं। उन्हें तुरंत अंबरपेट के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। अंबरपेट पुलिस जांच कर रही है।

मैत्री वनम नाले के पुनर्निर्माण के लिए योजनाएं तैयार की जाएं : आयुक्त

आर.वी. कर्णन ने इंजीनियरिंग अधिकारियों को आदेश दिए

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन ने इंजीनियरिंग अधिकारियों को मैत्रीवनम में मौजूदा नाले के पुनर्निर्माण (नाले के पुनर्निर्माण) के लिए योजनाएं तैयार करने के आदेश दिए हैं। मंगलवार को, खैरताबाद के क्षेत्रीय आयुक्त अनुराग जयंती, मुख्य अभियंता सहदेव रत्नाकर और तकनीकी सलाहकारों द्वारा मैत्रीवनम स्थित नाले का क्षेत्रीय स्तर पर निरीक्षण किया गया। आयुक्त ने इंजीनियरिंग अधिकारियों और सलाहकारों के साथ वर्षा जल के प्रवाह में वर्तमान में उत्पन्न होने वाली बाधाओं और समस्याओं के समाधान पर चर्चा की।

जन सुरक्षा और संपत्ति की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, नाले की संरचना के पुनर्निर्माण के लिए एक योजना तैयार करने का सुझाव दिया गया ताकि वर्षा जल का प्रवाह सुचारू रूप से हो सके और बाढ़ प्रबंधन कुशल हो सके।

दमरे में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा

पांच महत्वपूर्ण विभागों का नेतृत्व महिला अफसरों के हाथों में

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के इतिहास में, दक्षिण मध्य रेलवे के पांच महत्वपूर्ण विभागों, अर्थात् वाणिज्यिक, परिचालन, वित्त, सुरक्षा और चिकित्सा विभागों का नेतृत्व पहली बार महिला अधिकारियों द्वारा किया जा रहा है। सुश्री के. पद्मजा (आईआरटीएस) प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक वर्तमान में परिचालन विभाग संभाल रही हैं, सुश्री अरोमा सिंह ठाकुर (आईआरपीएफएस) महानिरीक्षक-सह-प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त (आईजी-सह-पीसीएससी) के रूप में सुरक्षा विभाग का नेतृत्व कर रही हैं, सुश्री टी. हेमा सुनीता (आईआरएएस) प्रधान वित्तीय सलाहकार के रूप में एससीआर के वित्त विंग का नेतृत्व कर रही हैं, सुश्री इति पांडे (आईआरटीएस) प्रमुख मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक, एससीआर के रूप में वाणिज्यिक विभाग का नेतृत्व कर रही हैं, जबकि डॉ. निर्मला नरसिम्हन (आईआरएचएस) प्रमुख मुख्य चिकित्सा निदेशक, एससीआर के रूप में चिकित्सा विभाग का नेतृत्व कर रही हैं।

दक्षिण मध्य रेलवे के इतिहास में पहली बार, ज़ोन के इन पांच महत्वपूर्ण विभागों का नेतृत्व सभी महिला अधिकारी कर रही हैं। अपनी जटिलता और मांगलिक प्रकृति के लिए जाने जाने वाले इन विभागों को सेवाओं के सुचारू संचालन, यात्रियों की सुरक्षा और कर्मचारियों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए असाधारण नेतृत्व, निर्णय लेने और समन्वय की आवश्यकता होती है।

इन उच्च दबाव वाली भूमिकाओं में निहित चुनौतियों के बावजूद, ये महिला अधिकारी हर पहलू को अत्यंत कुशलता से संभाल रही हैं और उत्कृष्टता का एक सशक्त उदाहरण स्थापित कर रही हैं। सुश्री के. पद्मजा (आईआरटीएस- 1991 बैच) ने जनवरी, 2025 में एससीआर की प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक के रूप में कार्यभार संभाला। कार्यभार संभालने से पहले, वह ज़ोन के वाणिज्यिक और परिचालन दोनों विंग का कार्यभार संभाल रही थीं। पीसीओएम के रूप में, वह पूरे ज़ोन में ट्रेन संचालन की योजना बनाने और यात्री और मालगाड़ियों की सुरक्षित, कुशल और समय पर आवाजाही सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इति पांडे (आईआरटीएस- 1998 बैच) ने इसी महीने की शुरूआत में, यानी 2 अगस्त 2025 को दक्षिण मध्य रेलवे में पीसीसीएम (प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक) का पदभार ग्रहण किया है। वाणिज्य विभाग की प्रमुख के रूप में, वह यात्री और माल ढुलाई सेवाओं के प्रभावी प्रबंधन की देखरेख करती हैं।

सेवाओं जैसे टिकटिंग, आरक्षण, ग्राहक सहायता, माल ढुलाई सेवाएं, स्टेशन प्रबंधन, विज्ञापन, गैर-किराया राजस्व, विपणन और व्यवसाय विकास, राजस्व सृजन आदि का प्रबंधन करता है।

सुश्री अरोमा सिंह ठाकुर (आईआरपीएफएस- 1993 बैच) ने जुलाई, 2023 में दक्षिण मध्य रेलवे के महानिरीक्षक-सह-प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त (आईजी-सह-पीसीएससी) के रूप में पदभार ग्रहण किया। वह इस क्षेत्र के रेलवे सुरक्षा बल की प्रमुख हैं, जो मुख्य रूप से रेल यात्रियों और रेलवे संपत्ति की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार है। आरपीएफ की भूमिका में अपराध की रोकथाम और जांच, आपदा प्रतिक्रिया, भीड़ प्रबंधन, निगरानी और मॉनीटरिंग, यात्रियों की सहायता, स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय, विशेष रूप से आपात स्थिति के दौरान, शामिल हैं। डॉ. निर्मला नरसिम्हन (आईआरएचएस- 1989 बैच) ने दिसंबर, 2024 में प्रधान मुख्य चिकित्सा निदेशक का पदभार ग्रहण किया है। चिकित्सा विभाग की प्रभारी के रूप में, वह कर्मचारियों, उनके परिवारों और आपात स्थिति में यात्रियों को सर्वोत्तम स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। एससीआर ज़ोन में कुल 8 प्रमुख अस्पताल हैं, जिनमें लालागुडा में 380 बिस्तरों वाला एक केंद्रीय रेलवे अस्पताल है।

विजयवाड़ा, गुंतकल, नांदेड़ और गुंटूर में मंडल अस्पताल, तिरुपति, रायनपाडु और पूर्णा में उप-मंडल अस्पताल शामिल हैं। टी. हेमा सुनीता (आईआरएएस- 1993 बैच) ने अप्रैल, 2025 में दक्षिण मध्य रेलवे की प्रमुख वित्तीय सलाहकार के रूप में कार्यभार संभाला। लेखा विभाग की प्रभारी के रूप में, वह ज़ोन की अच्छी वित्तीय स्थिति सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। संजय कुमार श्रीवास्तव, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे ने प्रसन्नता व्यक्त की कि पहली बार, ज़ोन की पांच विभागों का नेतृत्व गतिशील महिला अधिकारी कर रही हैं। उन्होंने कहा कि यह इन अधिकारियों की दक्षता और विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती ताकत का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि दक्षिण मध्य रेलवे महिलाओं की भागीदारी में सुधार के लिए विभिन्न पहल करके महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने में अग्रणी रहा है।

पोन्नम ने गणेश उत्सव की योजना का अनावरण किया

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि राज्य की राजधानी में गणेश उत्सव धूमधाम से मनाया जाना चाहिए। हैदराबाद के प्रभारी मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने मंगलवार को एमसीआरएचआरडी में गणेश उत्सव-2025 की तैयारी के लिए अधिकारियों के साथ एक बैठक की।

बैठक में जीएचएमसी की महापौर गदवाला विजया लक्ष्मी, पुलिस महानिदेशक जितेंद्र, जीएचएमसी आयुक्त आरवी कर्णन, एचएमडीए आयुक्त सरफराज अहमद, हैदराबाद, साइबराबाद, राचकोंडा के पुलिस आयुक्त, हैदराबाद, मेडचल रंगा रेड्डी के जिला कलेक्टर और विभिन्न विभागों के अधिकारी शामिल हुए। इस अवसर पर बोलते हुए, पोन्नम प्रभाकर ने गणेश उत्सव के दौरान किसी भी समस्या को रोकने के लिए सक्रिय उपायों की आवश्यकता पर ज़ोर दिया और सभी संबंधित विभागों- सड़क एवं भवन निर्माण, जीएचएमसी, राजस्व, पुलिस, स्वास्थ्य और बिजली सहित-से उत्सव की सफलता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी सहयोग करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के निर्देशों के बाद, हम तीन चरणों में गणेश उत्सव की तैयारियों और विसर्जन का आकलन कर रहे हैं। इस वर्ष, हमारा लक्ष्य पिछले वर्ष की तुलना में और भी बेहतर व्यवस्थाएं लागू करना है। उन्होंने कहा कि हैदराबाद की सकारात्मक छवि बनाए रखने के लिए उत्सव में सभी का सहयोग शामिल होना चाहिए। मंत्री ने कहा कि हाल ही में हुई बारिश के कारण सड़कों पर कुछ समस्याएं हैं, लेकिन उत्सव से पहले इनका समाधान कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि तीनों आयुक्तालयों में लगभग एक लाख गणेश प्रतिमाएं स्थापित की जाएंगी, जिनमें से 50,000 हैदराबाद शहर में स्थापित की जाएंगी। अनुमान है कि 70,000 प्रतिमाएं टैंक बंड ले जाई जाएंगी, और हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि परिवहन सुचारू रूप से चलता रहे। और क्रेनें लगाई जानी हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अधिकारी अपने विभाग में उत्पन्न होने वाली किसी भी समस्या के लिए जवाबदेह है। पोन्नम प्रभाकर ने ज़ोर देकर कहा कि ज़िम्मेदाराना रवैया बनाए रखना और अन्य विभागों के साथ प्रभावी ढंग से सहयोग करना ज़रूरी है। मंत्री ने अनुरोध किया कि तीन आयुक्त निचले स्तर के अधिकारियों के साथ मिलकर यातायात संबंधी समस्याओं का समाधान करें और उन्हें कम करें। उन्होंने कहा, बारिश के दौरान सड़कों पर पानी जमा होने से रोकने के लिए नियमित रूप से उपाय किए जाने चाहिए। इसके अलावा, मौसमी बीमारियों को रोकने और जन स्वास्थ्य की रक्षा के लिए भी कदम उठाए जाने चाहिए।

जून 2025 परीक्षा श्रृंखला के परिणाम जारी

पिछले वर्ष की तुलना में 9 प्रतिशत की वृद्धि

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कैम्ब्रिज इंटरनेशनल एजुकेशन ने दुनिया भर में 680,000 से अधिक छात्रों के लिए अपनी जून 2025 परीक्षा श्रृंखला के परिणाम जारी किए हैं (पिछले वर्ष की तुलना में 9 प्रतिशत की वृद्धि) जो वैश्विक तत्परता की ओर शिक्षा की इस तीव्र प्रवृत्ति को दर्शाता है। मंगलवार को देश भर के 252 स्कूलों के 4680 छात्रों ने कैम्ब्रिज आईजीसीएसई और ओ लेवल के नतीजे प्राप्त किए। जून 2025 की श्रृंखला में 21,600 से ज़्यादा परीक्षा प्रविष्टियां थीं, जो जून 2024 की तुलना में 7 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती हैं। सबसे लोकप्रिय विषय प्रथम भाषा अंग्रेजी, भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित और जीव विज्ञान थे।

कैम्ब्रिज इंटरनेशनल एएस और ए लेवल के परिणाम 12 अगस्त को भारत के 230 स्कूलों के 5300 से ज़्यादा छात्रों के लिए जारी किए गए। जून 2025 सीरीज़ में कैम्ब्रिज इंटरनेशनल एएस और ए लेवल परीक्षाओं के लिए 12,900 से ज़्यादा प्रविष्टियां थीं, जो जून 2024 की तुलना में 3 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती हैं। सबसे लोकप्रिय विषय गणित, भौतिकी, रसायन विज्ञान, व्यवसाय और अर्थशास्त्र थे। कैम्ब्रिज इंटरनेशनल एजुकेशन भारत में प्रत्येक वर्ष तीन परीक्षा श्रृंखलाएं आयोजित करता है, जिससे स्कूलों को अपने छात्रों की आवश्यकताओं के अनुरूप सबसे उपयुक्त श्रृंखला चुनने में सहायता मिलती है।

मुलुगु में एनडीआरएफ ने उफनती नदी से 4 लोगों को बचाया

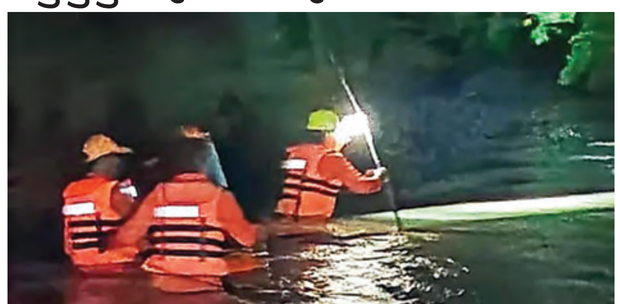

मुलुगु, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। एनडीआरएफ की एक टीम ने रात भर चले अभियान में जिले के एसएस तडवई मंडल के कलवापल्ली गांव में उफनती धारा में फंसे 4 लोगों को बचाया। अधिकारियों के अनुसार, सोमवार को दुबारी रामैया नामक एक चरवाहा, जो मवेशी चराने गया था तथा पी. साईकिरन, राजा बाबू और पी. रामुलु, जो मछली पकड़ने गए थे, देर शाम तक भी घर नहीं लौटे, क्योंकि नदी में बाढ़ का प्रवाह बढ़ गया था।

रमैया के भाई ने स्थानीय तहसीलदार सुरेश बाबू को इसकी सूचना दी, जिन्होंने ज़िला कलेक्टर दिवाकर टीएस को इसकी सूचना दी। कलेक्टर ने रात 11 बजे एनडीआरएफ की टीम को घटना की सूचना दी और फंसे हुए लोगों को बचाने के लिए बचाव अभियान शुरू करने के निर्देश दिए।

इंस्पेक्टर मनमोहन यादव के नेतृत्व में एनडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची, रस्सी की मदद से नाला पार किया और रमैया को सुरक्षित किनारे पर पहुंचाया। फिर टीम एक किलोमीटर आगे जाकर तीन अन्य लोगों, साईकिरण, राजा बाबू और रामुलु को ढूंढ लाई।

मंगलवार तड़के उन्हें बचाकर उनके परिजनों को सौंप दिया गया। एनडीआरएफ टीम के एएसआई सुधीर और सुरेंद्र, हेड कांस्टेबल जगदीश, चंद्रा और रमेश और कांस्टेबल आनंद, रामनमूर्ति और विशाल ने ऑपरेशन में भाग लिया, जिसकी निगरानी तहसीलदार सुरेश बाबू, एमपीओ श्रीधर, डीईई सदाय्या, एसआई श्रीकांत रेड्डी और एई राजा ने की।

झूठे बयान देने पर दर्ज कराई शिकायत

बीआरएस नेताओं ने केंद्रीय कार्मिक राज्यमंत्री से की मुलाकात

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह से मुलाकात की और नागरिक आपूर्ति आयुक्त डीएस चौहान और हैदराबाद जिला कलेक्टर डी हरि चंदना के खिलाफ तेलंगाना में सत्तारूढ़ कांग्रेस के पक्ष में एक सरकारी समारोह में झूठे, भ्रामक और राजनीति से प्रेरित बयान देने के लिए औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। 1 अगस्त को हैदराबाद में राशन कार्ड वितरण के दौरान, दोनों अधिकारियों ने दावा किया कि पिछली बीआरएस सरकार के दौरान राशन कार्ड देने से इनकार कर दिया गया था, लेकिन कांग्रेस के शासन में ये कार्ड दिए जा रहे हैं।

बीआरएस प्रतिनिधिमंडल ने तर्क दिया कि इस तरह की टिप्पणियां विपक्ष को बदनाम करने और नौकरशाही की निष्पक्षता को कमज़ोर करने का एक जानबूझकर किया गया प्रयास था। उन्होंने कहा कि ये टिप्पणियां अखिल भारतीय सेवा आचरण नियम, संविधान के अनुच्छेद 309, अखिल भारतीय सेवा (अनुशासन एवं अपील) नियम, 1969 और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 के प्रावधानों का उल्लंघन करती हैं। मंगलवार को केंद्रीय मंत्री से मुलाकात के बाद मीडिया से बात करते हुए बीआरएस के राज्यसभा नेता के.आर. सुरेश रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना में अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों को भूल रहे हैं और राजनीतिक एजेंटों की तरह व्यवहार कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, हमने केंद्रीय मंत्री के सामने सबूत पेश किए कि कैसे कुछ अधिकारी सरकार के मोहरे की तरह काम कर रहे हैं। मंत्री ने हमें आश्वासन दिया कि मामले की जांच की जाएगी। एमएलसी दासोजू श्रवण ने कहा कि जिन नौकरशाहों से संविधान की रक्षा करने की अपेक्षा की जाती है, वे सत्तारूढ़ कांग्रेस के भक्तों और गुलामों की तरह काम कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ अधिकारी ऐसे काम कर रहे हैं मानो उन्होंने कांग्रेस का दुपट्टा ओढ़ लिया हो। उन्होंने केंद्र से सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने ज़ोर देकर कहा, आईएएस और आईपीएस अधिकारियों से निष्पक्षता की उम्मीद की जाती है। दुर्भाग्य से, कुछ लोग पार्टी प्रवक्ता के रूप में काम कर रहे हैं। यह सब बंद होना चाहिए। प्रतिनिधिमंडल में बीआरएस सांसद वड्डीराजू रविचंद्र, पूर्व विधायक बाल्का सुमन और महासचिव आरएस प्रवीण कुमार भी शामिल थे।

केसीआर की पत्नी शोभा ने वेमुलावाड़ा मंदिर में की पूजा

राजन्ना-सिरसिल्ला, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव की पत्नी शोभा, अपने पोते हिमांशु के साथ मंगलवार को वेमुलावाड़ा में श्री राजराजेश्वर स्वामी मंदिर गईं। उन्होंने मुख्य देवता के दर्शन किए और विशेष पूजा-अर्चना की। मंदिर के पुजारियों और अधिकारियों ने मंदिर में उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। मंदिर के सबसे लोकप्रिय अनुष्ठान, कोडमोक्कु के बाद, उन्होंने भगवान गणपति, श्री राजराजेश्वर स्वामी और देवियों की पूजा-अर्चना की। बाद में, पुजारियों ने अडाला मंडपम में उन्हें शेष वस्त्र भेंट करके आशीर्वाद दिया। बीआरएस वेमुलावाड़ा निर्वाचन क्षेत्र प्रभारी चाल्मेदा लक्ष्मीनरसिम्हा राव, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष रामतिरदापू माधवी और अन्य लोग उनके साथ थे।

प्रधानाध्यापकों ने तेलंगाना सरकार से जटिल बैठकें रद्द करने का किया आग्रह

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राजपत्रित प्रधानाध्यापक संघ ने छुट्टियों के कारण कक्षा कार्य में व्यवधान का हवाला देते हुए स्कूल शिक्षा विभाग से अगस्त महीने के लिए प्रस्तावित जटिल बैठकों को रद्द करने का आग्रह किया है।

स्कूल शिक्षा निदेशक डॉ. ई. नवीन निकोलस को दिए एक ज्ञापन में, एसोसिएशन के अध्यक्ष पी. राजा भानु चंद्र प्रकाश और महासचिव जी. हेमा चंद्रुडू ने कहा कि नियमित और वैकल्पिक छुट्टियों के साथ-साथ भारी बारिश के कारण अतिरिक्त बंदी के कारण स्कूलों का कामकाज बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इसके अलावा, शिक्षण-अधिगम सामग्री मेलों के आयोजन के कारण कई दिनों तक शैक्षणिक निर्देश प्रभावित हुए।

उन्होंने आगे कहा, अब, जटिल बैठकों के नाम पर दो दिन और व्यवधान निर्धारित किया जा रहा है। इन परिस्थितियों में, शिक्षकों के लिए निर्बाध शिक्षण सुनिश्चित करना और 20 सितंबर की निर्धारित समय सीमा तक फॉर्मेटिव असेसमेंट-II पूरा करना बेहद मुश्किल हो गया है। इसलिए, हम विभाग से अगस्त माह के लिए प्रस्तावित जटिल बैठकों को रद्द करने का अनुरोध करते हैं।

पूर्व तट रेलवे

सूचना सं. eT-Central-WAT-33-2025
दिनांक : 11.08.2025

कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल के KK-I लाइन में सहायक मण्डल अभियन्ता / कोरापुट के अधिकार क्षेत्र के अधीन P-WAY कार्यों का निष्पादन : (1) 15.266 कि.मी. लंबाई के लिए TRR (P) (पैचों में), (2) थ्रू टर्नआउट नवीकरण (TFR) - 83 सेट (12 में 1), (3) 60 KG CMS X-INGS का नवीकरण - 50 सेट (12 में 1 - 25 सेट एवं 8½ में 1- 25 सेट)।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 2,27,28,805.84, EMD : ₹ 2,63,700/-, कार्य पूरा होने की अवधि : 12 (बारह) महीने।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक 03.09.2025 को 1500 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा। उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 10 (दस) दिन पहले वेबसाइट का पुनःअवलोकन करें।

मण्डल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर
PR-491/Q/25-26

डीजल बसों को बदलने की दिशा में आगे बढ़ रहा है आरटीसी

2,000 इलेक्ट्रिक बसों को दे दी मंजूरी

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) पुरानी डीजल बसों को इलेक्ट्रिक वाहनों से बदलने की दिशा में प्रयास कर रहा है।

प्रधानमंत्री ई-ड्राइव योजना के तहत, केंद्र सरकार ने पहले ही राज्य के लिए कुल 2,000 इलेक्ट्रिक बसों को मंजूरी दे दी है, जिसके बाद आरटीसी अब शहर की सड़कों पर आने के बाद उनके सुचारू संचालन के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे के निर्माण पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। इस प्रयोजन के लिए, उसने राज्य सरकार से एचटी बिजली कनेक्शन के लिए लगभग 292 करोड़ रुपये और 10 नए बस डिपो के निर्माण के लिए 100 करोड़ रुपये की मांग की है, इस प्रकार कुल अनुमानित राशि 392 करोड़ रुपये है।

इसके अलावा, निगम ने पहले भी 100 एकड़ ज़मीन (प्रत्येक डिपो के लिए लगभग 10 एकड़) का अनुरोध किया है। उपयुक्त स्थानों की पहचान के लिए, राज्य सरकार ने संबंधित विभागों के अधिकारियों की एक समिति गठित की है। वर्तमान में, हैदराबाद में लगभग 2,800 डीजल बसें हैं। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के निर्देश के बाद कि आउटर रिंग रोड (ओआरआर) के भीतर केवल इलेक्ट्रिक बसें ही चलाई जाएं, आरटीसी केंद्र सरकार द्वारा स्वीकृत बसों के अलावा शेष 800 बसें खरीदने के विकल्प तलाश रहा है, जिसमें केंद्र सरकार से एक नया अनुरोध प्रस्तुत करना भी शामिल है।

केंद्र सरकार ने 2,000 बसों के लिए निविदाएं पहले ही जारी कर दी हैं। वित्तीय बोलियां खोलने की तिथि 12 अगस्त निर्धारित थी, जिसे अब सितंबर तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। अंतिम निर्णय होने के बाद, चयनित कंपनी उत्पादन शुरू कर देगी, और अधिकारियों ने बताया कि नई इलेक्ट्रिक बसें 2026 की पहली छमाही तक आने की उम्मीद है। चार्जिंग बुनियादी ढांचे के लिए, आरटीसी ने शहर भर में 19 मौजूदा डिपो और 10 नए डिपो पर एचटी बिजली कनेक्शन सुरक्षित करने की योजना बनाई है। इसके अलावा, बसों को सिर्फ़ चार्जिंग के लिए डिपो पर लौटने से बचाने के लिए, हैदराबाद में 10 समर्पित चार्जिंग स्टेशन भी स्थापित किए गए हैं। प्रत्येक चार्जिंग स्टेशन के लिए 2,000 वर्ग मीटर ज़मीन की आवश्यकता होगी, जिसके लिए आरटीसी ने सरकारी सहायता का अनुरोध किया है।

तेलंगाना में बेरोकटोक जारी है सिजेरियन प्रसव

इस मामले में पूर्ववर्ती करीमनगर शीर्ष पर

जगतियाल, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सामान्य प्रसव को प्रोत्साहित करने के सरकार के प्रयासों के बावजूद, सीजेरियन ऑपरेशन की संख्या को कम करने में बहुत कम प्रगति हुई है, जो तेलंगाना में बेरोकटोक जारी है। सिर्फ निजी नर्सिंग होम ही नहीं, सरकारी अस्पताल भी बड़ी संख्या में सिजेरियन प्रसव करा रहे हैं। चिंताजनक बात यह है कि पूर्ववर्ती करीमनगर के तीन जिले- पेद्दापल्ली, जगतियाल और करीमनगर- राज्य में सबसे अधिक सी-सेक्शन प्रसव वाले शीर्ष पांच जिलों में शामिल हैं।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, जुलाई में जगतियाल में सबसे ज़्यादा 75.1 प्रतिशत प्रसव हुए। निर्मल 74.1 प्रतिशत के साथ दूसरे, पेद्दापल्ली 72.7 प्रतिशत के साथ तीसरे, हनमकोंडा 72.7 प्रतिशत के साथ चौथे और करीमनगर 71.3 प्रतिशत के साथ पांचवें स्थान पर रहा। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मानदंडों के अनुसार, सिजेरियन डिलीवरी का स्वीकार्य प्रतिशत 10 से 15 प्रतिशत के बीच होना चाहिए। लेकिन अकेले जगतियाल में यह आंकड़ा 70 प्रतिशत को पार कर गया। जिले के सरकारी अस्पतालों में औसतन 71.3 प्रतिशत प्रसव सी-सेक्शन के ज़रिए होते हैं।

सिजेरियन डिलीवरी में इस तीव्र वृद्धि के कई कारण बताए गए हैं। चूंकि सामान्य प्रसव में अधिक समय लगता है, इसलिए डॉक्टरों और कर्मचारियों को माँ और बच्चे दोनों पर लगातार नज़र रखनी पड़ती है, जिसके लिए उन्हें ज़्यादा समय तक काम करना पड़ता है। कथित तौर पर, इस पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

गर्भवती महिलाओं और उनके परिवारों में सामान्य प्रसव के प्रति प्रेरणा की कमी एक और कारण है। ग्रामीण इलाकों में कई गर्भवती माताएं एनीमिया और कुपोषण से पीड़ित होती हैं, जिसके कारण अक्सर सिजेरियन प्रसव होता है। प्रसव के लिए 'शुभ मुहूर्त' तय करने की प्रथा ने भी इस वृद्धि में योगदान दिया है, जहां परिवार डॉक्टरों से विशिष्ट समय पर सर्जरी करने का अनुरोध करते हैं। इसके अलावा, कुछ माता-पिता इस डर से सी-सेक्शन पर ज़ोर देते हैं कि उनकी बेटियां प्रसव पीड़ा सहन नहीं कर पाएंगी।

पूर्व तट रेलवे

दंडुगोपालपुरम पैसेंजर हॉल्ट पर टिकटों की बिक्री के लिए पैसेंजर हॉल्ट एजेंट की नियुक्ति

अधिसूचना सं. WCM/2/DGPM PH दिनांक : 13.08.2025

नौपाड़ा रेलवे स्टेशन द्वारा सेवा प्रदायी दंडुगोपालपुरम पैसेंजर हॉल्ट में कमिशन एजेंट की नियुक्ति हेतु इच्छुक स्थानीय अभ्यर्थी (जहाँ पैसेंजर हॉल्ट अवस्थित है, उसी स्थान का स्थायी निवासी होना चाहिए) से आवेदन आमंत्रित किया जाता है। **''प्रारंभिक ठेका अवधि 05 वर्षों के लिए होगी, जिसे दो चरणों में यानि प्रत्येक 2 एवं 1/2 वर्ष के अंतराल में अगले 05 वर्षों तक बढ़ाया जा सकता है, जो कि कमिशन एजेंट के रूप में संतोषजनक कार्य निष्पादन एवं सही समय पर रेलवे देय भुगतान पर निर्भर करता है।'' हॉल्ट ठेकेदारों को प्रदानयोग्य कमिशन नीचे दिए गए अनुसार होगा :**

मासिक टिकट बिक्री की मात्रा एवं प्रदेय कमिशन :
* ₹ 1/- से 15,000/- : 15%,
* ₹ 15,001/- से 50,000/- : 12%,
* ₹ 50,001/- से 1,00,000/- : 9%,
* ₹ 1,00,001/- से 2,00,000/- : 6%,
* ₹ 2,00,001/- और उससे अधिक : 3%.

महीने के अंत में हॉल्ट ठेकेदार को महीने के दौरान प्रत्येक दिन अर्जित कमिशन के आधार पर कमिशन भुगतान किया जायेगा।

पैसेंजर हॉल्ट के लिए आवेदनपत्र में अभ्यर्थी का नाम, पिता का नाम, स्थायी पता, आयु सीमा, शैक्षणिक अर्हता और अनुभव, क्या वे एक सेवानिवृत्त रेल कर्मचारी हैं, तथा अन्य प्रासंगिक विस्तृत विवरण अवश्य उल्लेखित होना चाहिए। हॉल्ट ठेकेदार कम से कम 10 वीं कक्षा परीक्षा में उत्तीर्ण होने के साथ-साथ उसके पास सरल अंग्रेजी का कार्यसाधक ज्ञान होना चाहिए। अभ्यर्थी को संबंधित पुलिस स्टेशन से प्राप्त चरित्र पूर्ववृत्त (Character Antecedents) से संबंधित प्रमाणपत्र, स्कूल / सरकारी अधिकारी से प्राप्त आचरण प्रमाणपत्र (Conduct Certificate) तथा स्थानीय पंचायत द्वारा जारी शोधन क्षमता (Solvency) और अनुभव से संबंधित प्रमाणपत्रों संलग्न करना होगा।

पैसेंजर हॉल्ट के लिए चयनित अभ्यर्थी को रु. 2,000/- (रुपये दो हजार मात्र) की सुरक्षा जमा राशि दाखिल करने के साथ-साथ रेलवे के साथ एक समझौता भी करना होगा। चयनित अभ्यर्थी को किसी सरकारी अस्पताल से चिकित्सा प्रमाणपत्र जमा करना होगा, जिसमें यह उल्लेख होना चाहिए कि संबंधित व्यक्ति सक्रिय रूप से सेवा प्रदान करने के लिए पूरी तरह से सक्रिय है और किसी भी तरह की संक्रामक बीमारी से मुक्त है। **मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व तट रेलवे, दोण्डापार्थि, विशाखापट्नम के कार्यालय में रखे गये बॉक्स में आवेदन स्वीकार करने की अंतिम तिथि दिनांक 08.09.2025 को 1100 बजे तक है।**

यह अधिसूचना वेबसाइट www.eastcoastrail.indianrailways.gov.in ➲ About us ➲ Division ➲ Waltair Division ➲ Tenders, Notifications and Announcements पर उपलब्ध है। किसी भी कारण दर्शाए बिना किसी भी आवेदन को निरस्त करने का अधिकार रेलवे के पास सुरक्षित है।

PR-494/Q/25-26 वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक /वाल्टियर

परंपरागत चरवाहों ने 'चरवाहा सुरक्षा विधेयक' की मांग तेज की

बंगलूरू में जमा हुए सैकड़ों लोग

बंगलूरू, 19 अगस्त (एजेंसियां)। मंगलवार को कर्नाटक की राजधानी बंगलूरू के फ्रीडम पार्क में सौ से अधिक चरवाहे इकट्ठा हुए और राज्य सरकार से तत्काल 'चरवाहा संरक्षण और अत्याचार निवारण विधेयक' पारित करने की मांग की।

सरकार से वादा, अब उम्मीद कार्रवाई की

मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने अपने बजट भाषण में यह वादा किया था कि पारंपरिक चरवाहों के लिए एक सुरक्षात्मक कानून लाया जाएगा। इसी को लेकर चरवाहों ने आज एक स्मरण-पत्र (मेमोरेंडम) सरकार को सौंपने का निर्णय लिया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शांतिपूर्वक प्रदर्शन के लिए सारी व्यवस्था की गई है।

क्या है चरवाहों की पीड़ा?

पारंपरिक चरवाहा कल्याण संरक्षण संघर्ष समिति ने अपने ज्ञापन में आरोप लगाया कि चरवाहा समुदाय का लगातार उत्पीड़न, उनके साथ मारपीट, जान से मारने की धमकियां, हत्या, भेड़ों की चोरी और घूसखोरी जैसी समस्याओं से जूझ रहा है। समिति का कहना है कि सबसे अधिक उत्पीड़न उन्हें जंगल और पहाड़ी क्षेत्रों में झेलना पड़ रहा है, जहां अक्सर वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी उन्हें परेशान करते हैं।

हाल की घटनाओं ने बढ़ाई चिंता

ज्ञापन में हाल ही में बागलकोट, बीदर और धारवाड़ जिलों में हुई घटनाओं का जिक्र किया गया है, जहां कुछ चरवाहों की हत्या कर दी गई या उन पर हमले हुए। समिति ने लिखा 'ऐसे मामले मानवता पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं।'

चरवाहों की मुख्य मांगें क्या है?

चरवाहों ने कहा कि समुदाय के बच्चों के लिए छात्रावास सुविधा, शिक्षा में आरक्षण, सही इलाज, बीमा और स्वास्थ्य सेवा, बाजार की व्यवस्था और मुफ्त कानूनी सहायता सुनिश्चित की जाए। इसके अलावा, समिति ने मांग रखी कि- जो लोग चरवाहों पर हमला या चोरी करते हैं, उन्हें कठोर सजा दी जाए। अपराधियों को आसानी से जमानत न मिले। जो गैर-हकदार लोग चरवाहों के नाम पर लाभ उठा रहे हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई हो। ऐसे मामलों में मिलीभगत करने वाले सरकारी अधिकारियों पर भी कठोर दंड लगे।

केरल हाईकोर्ट में बदबू की वजह से कार्यवाही स्थगित : जंगली जानवर ने पेशाब की थी

तिरुवनंतपुरम, 19 अगस्त (एजेंसियां)। कोच्चि में मंगलवार सुबह केरल हाईकोर्ट में कार्यवाही बदबू की वजह से रोकनी पड़ी। ये बदबू अदालत की फॉल्स सीलिंग में घुसे सिवेट (जंगली जानवर) के पेशाब करने से आ रही थी।

अदालत सूत्रों के मुताबिक, बदबू इतनी तेज थी कि मुख्य न्यायाधीश नितिन जमदार और जस्टिस बसंत बालाजी की डिवीजन बेंच ने सभी मामलों को स्थगित कर दिया। अदालत की कार्यवाही सिर्फ 20 मिनट चली और फिर कमरे को बंद कर दिया गया। केरल हाईकोर्ट की मंगला वन अभयारण्य के पास मौजूदगी लंबे समय से विवाद का विषय रही है। यहां पहले भी बड़े अजगर और दूसरे जंगली जानवर कोर्ट परिसर के आसपास देखे जा चुके हैं।

लोकतांत्रिक मूल्यों के तहत मतदाता सूची में 'एसआईआर' हो : प्रियंका चतुर्वेदी

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) की नेता एवं राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने मंगलवार को चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाए। उन्होंने लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत मतदाता सूची में एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) करवाने की बात कही।

शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने आईएएनएस से कहा, जिस तरह से एसआईआर की शुरुआत बिहार में हुई और मतदाता सूची से लोगों का नाम काटा गया, उसके बाद जिस भाषा में चुनाव आयोग बात कर रहा है, उससे साफ तौर पर दिख रहा है कि एसआईआर सही मायने में साफ रिकॉर्ड देने के लिए नहीं है, सिर्फ एक एजेंडा चलाने के लिए है।

ओडिशा में एसआईआर कराने के सवाल पर उन्होंने कहा, बिहार के बाद ओडिशा में एसआईआर लागू हो या फिर कहीं और हो, उम्मीद ये है कि अ-राजनैतिक, बिना पक्षपात किए, लो क तां त्रि क प्रक्रिया का इस्तेमाल करके इसकी कार्रवाई हो, न कि षड्यंत्र के तहत उन लोगों को हटा दिया जाए जिनकी आवाज नहीं है। उन्होंने कहा, जिस तरीके से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की है, उनका दायित्व है कि विपक्ष कोई सवाल पूछ रहा है तो उसका जवाब दे, न कि खुलकर उनके खिलाफ ऐसी भाषा का इस्तेमाल करें, जो सत्ता पक्ष के कार्यालय द्वारा दिया गया भाषण लगे। आयोग ने वो तर्क रखे, जो उन्हें कभी नहीं देने चाहिए। शिवसना (यूबीटी) नेता ने कहा, आज चुनाव आयोग पर जो सवाल उठ रहे हैं, जनता के बीच आयोग के ऊपर से जो विश्वास उठ रहा है, तो पूछना पड़ेगा कि ऐसा क्यों है कि जनता आप पर भरोसा खो बैठी है। आपकी जिम्मेदारी और दायित्व बनता है कि वह सभी के प्रश्नों का जवाब दे। वहीं, विपक्ष जो सवाल पूछ रहा है, वह जनता का ही सवाल है।

दुष्कर्म-हत्या मामले में मौत की सजा पाए दोषी पर त्रिशूर की जेल में कैदी ने किया हमला, मामला दर्ज

त्रिशूर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। अलुवा में 2023 में एक नाबालिग बच्ची से दुष्कर्म और उसकी हत्या के मामले में फांसी की सजा पाए बिहार निवासी व्यक्ति पर त्रिशूर के विय्यूर केंद्रीय कारागार में एक कैदी ने हमला कर दिया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, इस घटना को लेकर विय्यूर थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच शुरू कर दी गई है। यह मामला अशफाक आलम (30 वर्षीय) की शिकायत पर दर्ज किया गया। एर्नाकुलम की अतिरिक्त सत्र अदालत ने उसे नवंबर 2023 में फांसी की सजा सुनाई थी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि रविवार शाम करीब चार बजे आलम पर कैदी राहीलाल ने चम्मच से हमला किया और उसके साथ मारपीट की। यह घटना जेल के डी-ब्लॉक की चौथी कोठरी के सामने गलियारे में हुई।

प्राथमिकी में कहा गया है कि कोट्टायम निवासी राहीलाल एक अन्य आपराधिक मामले में जेल में बंद है। उसने आलम को रोका और कहा- तू हत्या के मामले में आरोपी है। इसके बाद उसने चम्मच से आलम के सिर और चेहरे पर हमला किया और गालियां दीं। इसके बाद जेल अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे और आलम को प्राथमिक उपचार दिया। भविष्य में किसी भी झड़प को रोकने के लिए राहीलाल को दूसरी कोठरी में भेज दिया गया है। आलम की शिकायत के आधार पर विय्यूर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 118 (1) (घातक हथियार और साधन से चोट पहुंचाना) और 296 (बी) (अश्लील कृत्य) के तहत मामला दर्ज किया। मामले से जुड़े दस्तावेज बताते हैं कि 28 जुलाई 2023 को आलम ने बिहार मूल के दंपती की पांच साल की बेटी को अगवा किया था और उसे अलुवा बाजार के पीछे कूड़े के ढेर वाली जगह पर ले गया। वहां उसने बच्ची से दुष्कर्म किया और दम घोंटकर उसकी हत्या कर दी। बच्ची की गुमशुदगी की शिकायत के बाद पुलिस ने जांच शुरू की और आलम को अलुवा से गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसी की निशानदेही पर बच्ची का शव बरामद किया। जांच में यह भी सामने आया कि दिल्ली में रहने के दौरान आलम ने एक और नाबालिग के साथ यौन शोषण की कोशिश की थी।

सिंघार का आरोप-पिछले चुनाव में 16 लाख वोटर जोड़े इसलिए हम 27 सीटों पर हारे

भोपाल, 19 अगस्त (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने वोटर लिस्ट में गड़बड़ी के मुद्दे पर चुनाव आयोग पर सवाल उठाए।

इसके बाद मध्य प्रदेश के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने 2023 के विधानसभा चुनाव में करीब 16 लाख वोटों का हेरफेर किए जाने का आरोप लगाया है। भोपाल में सिंघार ने कहा- हमने मध्य प्रदेश के बारे में चीजें समझी कि किस तरह से वोट चोरी कर फर्जी जनादेश लेकर भाजपा ने सरकार बनाई। इसमें चुनाव आयोग ने किस तरह से भाजपा की सरकारें बनाने में अपनी अहम भूमिका निभाई। चुनावी साल 2023 में मध्य प्रदेश में 34 लाख से ज्यादा नाम जोड़े गए। अंतिम दो माह में हर रोज 26 हजार वोट जोड़े। टोटल 16 लाख वोट जोड़े गए।

केंद्र बताए ड्रैगन को लेकर रुख में बदलाव क्यों?

पीएम मोदी की चीन यात्रा पर ओवैसी का तीखा सवाल

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 31 अगस्त से एक सितंबर के बीच शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीन जाने वाले हैं। ऐसे में अब इस बात को लेकर भारत में सियासत तेज हो गई है। पीएम मोदी की आगामी चीन यात्रा को लेकर ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुसलमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने पीएम मोदी के इस यात्रा से पहले केंद्र सरकार से चीन को लेकर अपना रुख साफ करने की मांग की है।

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 31 अगस्त से एक सितंबर के बीच शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में भाग लेने चीन के तियानजिन जाने वाले हैं। चीन ने इस यात्रा का स्वागत किया है और इसे सहयोग और विकास का प्रतीक बताया है।

पीएम मोदी की चीन यात्रा पर क्या बोले ओवैसी?

एआईएमआईएम प्रमुख ओवैसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि मोदी सरकार के चीन को लेकर रुख में जो यू-टर्न आया है, उस पर कई सवाल हैं। सरकार को चाहिए कि पीएम की यात्रा से पहले देश को जवाब दे। उन्होंने कहा कि चीन ने पाकिस्तान को हथियार और फाइटर जेट दिए, जिनका इस्तेमाल ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारे जवानों के खिलाफ हुआ। साथ ही चीन ने इंटेलिजेंस और सैटेलाइट डेटा भी पाकिस्तान को दिया। ओवैसी ने सवाल उठाते हुए कहा कि हम चीन को यह साफ क्यों नहीं कह रहे कि यह अस्वीकार्य है?

दलाई लामा के मामले में भी बोल ओवैसी

ओवैसी ने आगे कहा कि जब पीएम मोदी ने दलाई लामा को 90वें जन्मदिन की बधाई दी, तब चीन ने कड़ी आपत्ति जताई, लेकिन भारत सरकार ने इस पर कोई जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा कि चीन ने भारत से कहा कि वह तिब्बत जैसे संवेदनशील मुद्दों पर सतर्क रहे और आंतरिक मामलों में दखल न दे। ओवैसी ने पूछा कि क्या यह हमारे राष्ट्रीय सम्मान का सवाल नहीं है? इसके साथ ही ओवैसी ने यह भी कहा कि भारत और चीन के बीच व्यापार असंतुलन 2020 से और बढ़ा है, जो देश की अर्थव्यवस्था के लिए नुकसानदायक है। लेकिन सरकार इस पर गंभीर नहीं दिख रही।

वांग यी की भारत यात्रा और बातचीत

इसी बीच चीन के विदेश मंत्री वांग यी भारत दौरे पर हैं। वे राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और विदेश मंत्री एस जयशंकर से सीमा विवाद और द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा कर रहे हैं। इस दौरान जयशंकर ने बातचीत में कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई और वैश्विक अर्थव्यवस्था में स्थिरता बनाए रखना आज की प्रमुख प्राथमिकताएं हैं। हम भारत-चीन संबंधों को संतुलित और आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

केरल की किताब में नेताजी को लेकर फर्जी दावा

> खुलासे पर विजयन सरकार ने की कार्रवाई

तिरुवनंतपुरम, 19 अगस्त (एजेंसियां)। केरल के राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) की किताब में नेताजी सुभाष चंद्र बोस को लेकर फर्जी दावा किया गया है। ये गंभीर गलती चौथी कक्षा की एक किताब में की गई थी, हालांकि अब इसे सुधार लिया गया है। बता दें कि किताब में ये लिखा गया था कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंग्रेजों के डर से जर्मनी से भाग गए थे। ये जानकारी पूरी तरह से फर्जी और भ्रामक थी, जिस पर आपत्ति जताए जाने अब बदलाव किया गया है।

केरल सरकार ने जिम्मेदार लोगों पर की कार्रवाई

वहीं इस मामले में केरल के सामान्य शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने सोमवार को कहा कि शिक्षक पुस्तिका के मसौदे में सुभाष चंद्र बोस के बारे में तथ्यात्मक त्रुटि के लिए जिम्मेदार पैनल सदस्यों को भविष्य में शैक्षणिक कार्य करने से रोक दिया जाएगा।

सामान्य शिक्षा मंत्री ने स्वीकारी 'ऐतिहासिक त्रुटि'

एक फेसबुक पोस्ट में, शिवनकुट्टी ने स्वीकार किया कि कक्षा 4 की पर्यावरण अध्ययन शिक्षक पुस्तिका के संशोधित मसौदे में नेताजी के विवरण में एक ऐतिहासिक त्रुटि थी। उन्होंने कहा कि यह त्रुटि केरल राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) पैनल के सदस्यों की तरफ से की गई थी। शिक्षा मंत्री और माकपा नेता वी. शिवनकुट्टी ने आगे कहा कि यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए कि पाठ्यपुस्तक में केवल ऐतिहासिक तथ्य ही छपें। एससीईआरटी को उस विशेष पाठ्यपुस्तक समिति के सदस्यों को प्रतिबंधित करने का निर्देश दिया गया है।

एबीवीपी ने किताब को लेकर किया दावा

वहीं एबीवीपी ने कहा कि पुस्तक में और भी गलतियां हैं। एबीवीपी के राष्ट्रीय सचिव श्रवण बी. राज ने एक बयान में कहा, 'इतिहास का विरूपण माकपा सरकार की तरफ से केरल के छात्रों को विकृत इतिहास पढ़ाने के दुर्भावनापूर्ण प्रयास के तहत किया गया था। इसके अलावा, इसी पाठ्यपुस्तक के दूसरे अध्याय के एक मानचित्र से जानबूझकर असम और झारखंड के नाम हटा दिए गए है।'

इंदौर के कार्टूनिस्ट पीएम और आरएसएस से मांगेंगे माफी

इंदौर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। इंदौर के कार्टूनिस्ट हेमंत मालवीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आरएसएस से माफी मांगेंगे। विवादित कार्टून बनाने के चलते इंदौर के युवक ने हाईकोर्ट फिर सुप्रीम कोर्ट से मालवीय की शिकायत की थी। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में इस मामले में सुनवाई हुई। मालवीय ने कोर्ट में कहा कि वह आरएसएस और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अशोभनीय व्यंग्य चित्र बनाने के लिए फेसबुक, इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर माफीनामा प्रकाशित करेंगे।

जब ये किसी मुद्दे पर फंसते हैं, तो नेहरू का जिक्र करने लगते हैं : प्रमोद तिवारी

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने मंगलवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जब कभी यह सरकार किसी मुद्दे पर फंस जाती है, तो नेहरू का जिक्र करके बचने का प्रयास करती है। लेकिन, अब इस स्थिति को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है। सरकार को अपनी नैतिक जिम्मेदारी तय करनी होगी।

उन्होंने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में नेहरू की उपलब्धियों का बखान किया। उन्होंने कहा कि रावी नदी पर 1929 में 'अंग्रेजों भारत छोड़ो' और 'पूर्ण स्वराज' का नारा दिया था और उस समय में आपका संगठन (आरएसएस) अंग्रेजों को चिट्ठी लिख रहा था। इस संगठन को राष्ट्रहित से कोई लेना देना नहीं था। उन्होंने कहा कि मेहरबानी करके आप लोग पंडित नेहरू पर सवाल उठाना बंद कीजिए। पंडित नेहरू ने देश को बनाने में अहम भूमिका निभाई। नेहरू के दम पर ही पंचवर्षीय योजनाओं के दम पर देश के विकास को नई गति मिली। आज अगर इस देश के विकास की गति तेज हो रही है, तो निश्चित तौर पर इसका श्रेय पंडित नेहरू को ही जाना चाहिए, मगर अफसोस यह लोग लगातार अपनी राजनीतिक स्थिति को दुरुस्त करने के लिए लगातार पंडित नेहरू को निशाना बना रहे हैं। कांग्रेस सांसद ने कहा कि पंडित नेहरू लंबे समय तक सलाखों में रहे।

'महरौली पुरातत्व पार्क में बने स्मारकों की निगरानी करे एएसआई', सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने महारौली पुरातत्व पार्क में बने स्मारकों के पास नए निर्माण से जुड़ी याचिका पर बड़ा फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को पार्क में बने स्मारकों की निगरानी पर विचार करना चाहिए। इनमें कथित तौर पर 700 साल पुरानी आशिक अल्लाह दरगाह और सूफी संत बाबा फरीद की चिल्लागाह भी शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट से महरौली या संजय वन में दरगाह और आसपास के अन्य ऐतिहासिक स्मारकों को ध्वस्त करने या हटाने से रोकने के लिए अधिकारियों को निर्देश देने की मांग की गई थी।

न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा कि शीर्ष अदालत ने 28 फरवरी को आदेश दिया था कि हमारी अनुमति के बिना क्षेत्र में मौजूदा संरचनाओं में कोई निर्माण, परिवर्धन या परिवर्तन नहीं किया जाए। पीठ ने दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के वकील से पूछा कि आप इसे पहले क्यों ध्वस्त करना चाहते हैं? इस पर डीडीए के वकील ने कहा कि प्राधिकरण दरगाह के खिलाफ नहीं है, लेकिन आसपास कई अन्य अनधिकृत संरचनाएं बनी हुई हैं। सवाल यह है कि इसका कितना हिस्सा संरक्षित स्मारक है और कितना हिस्सा अतिक्रमण है। पीठ ने कहा कि आगे कोई निर्माण कार्य नहीं किया जाना चाहिए, लेकिन स्मारक को संरक्षित किया जाना चाहिए। हमारा संबंध केवल स्मारक से है। पीठ ने कहा कि हम यह कहते हुए इन अपीलों का निपटारा करते हैं कि एएसआई को मरम्मत, नवीनीकरण के मामले में संबंधित स्मारकों की देखरेख पर विचार करना चाहिए।

याचिकाकर्ता का दावा-अतिक्रमण नहीं किया गया

मामले से अपीलकर्ता ने तर्क दिया कि जिन स्मारकों को लेकर अपील की जा रही है, वह अतिक्रमण नहीं थे। स्मारक 12वीं शताब्दी से ही इस क्षेत्र में मौजूद हैं। अपीलकर्ता ने तर्क दिया कि संरचनाओं को केंद्रीय संरक्षित स्मारक नहीं माना गया है, फिर भी एएसआई उनकी मरम्मत और रखरखाव की निगरानी कर सकता है। डीडीए के वकील ने दलील दी कि प्राधिकरण का संबंध केवल सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेशों के अनुसार सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमण करने वाले अनधिकृत ढांचों को गिराने से है। अपीलकर्ता ने पार्क के अंदर स्थित धार्मिक संरचनाओं को ध्वस्त होने से बचाने की मांग की।

एएसआई ने दिया था तर्क

इससे पहले एएसआई ने कहा था कि पुरातात्विक पार्क के अंदर स्थित दोनों संरचनाओं का धार्मिक महत्व है, क्योंकि मुस्लिम श्रद्धालु प्रतिदिन इन दरगाहों पर आते हैं। शेख शहीबुद्दीन (आशिक अल्लाह) की कब्र पर एक शिलालेख कहता है कि इसका निर्माण वर्ष 1317 ईस्वी में हुआ था।

मुंबई में आफत की बारिश : सड़क, रेल और हवाई यातायात प्रभावित, स्कूल-कॉलेज समेत सरकारी कार्यालय बंद

मुंबई, 19 अगस्त (एजेंसियां)। मुंबई में मंगलवार को हुई मूसलाधार बारिश की वजह से कई निचले इलाके जलमग्न हो गए। इससे सड़क यातायात, हवाई सेवाएं, लोकल ट्रेन और रेल सेवाएं धीमी हो गईं। बारिश की वजह हुए जलभराव समेत अन्य कारणों की वजह से महानगर और आसपास के इलाकों में सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ। शहर के नगर निकाय ने कहा कि सरकारी और अर्ध-सरकारी कार्यालय मंगलवार को बंद रहेंगे। निजी प्रतिष्ठानों से अपील की गई है कि वे अपने कर्मचारियों को घर से काम करने दें और अनावश्यक यात्रा से बचें।

बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने मंगलवार सुबह एक बयान में शहर और उपनगरों में लगातार हो रही भारी बारिश और आईएमडी की ओर से जारी 'रेड अलर्ट' चेतावनी के मद्देनजर एहतियाती उपाय के तौर पर बंद की घोषणा की। बयान में कहा गया है कि यह निर्णय आवश्यक सेवाओं को छोड़कर सभी बीएमसी कार्यालयों और सरकारी प्रतिष्ठानों पर लागू होता है। लगातार हो रही बारिश और आईएमडी द्वारा जारी 'रेड अलर्ट' की चेतावनी के मद्देनजर स्कूल और कॉलेज भी बंद कर दिए गए हैं। आईएमडी ने मंगलवार को मुंबई और आसपास के जिलों में कुछ जगहों पर अत्यधिक भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। मुंबई पुलिस ने निवासियों से अपील की है कि वे केवल आवश्यक होने पर ही घर से बाहर निकलें। पुलिस ने निजी क्षेत्र से भी घर से काम करने की अनुमति देने का अनुरोध किया है।

इंडिगो समेत कई एयरलाइंस ने एडवाइजरी जारी कर दी है। इंडिगो एयरलाइंस ने ट्वीट में लिखा, 'मुंबई में भारी बारिश के कारण हवाई अड्डे के कई मार्गों पर जलभराव और यातायात धीमा हो गया है। इसके कारण परिचालन संबंधी चुनौतियां पैदा हुई हैं, जिससे प्रस्थान और आगमन दोनों में देरी हो रही है। हमें इससे होने वाली असुविधा के लिए खेद है।'

फिर से बारिश का प्रकोप झेलना पड़ा

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, पिछले 24 घंटों में मुंबई के कई हिस्सों में 200 मिमी से अधिक बारिश हुई है, जिसमें पूर्वी उपनगरों के विक्रोली में सबसे अधिक 255.5 मिमी बारिश दर्ज की गई है। उच्च शिक्षा निदेशालय ने महाराष्ट्र के कोंकण क्षेत्र के सभी कॉलेजों में अवकाश घोषित कर दिया है। यह आदेश पालघर, ठाणे, रायगढ़, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग जिलों के कॉलेजों पर लागू होता है।

मुंबई में भारी बारिश के एक दिन बाद मंगलवार को लोगों को फिर से बारिश का प्रकोप झेलना पड़ा। कई सड़कें जलमग्न हो गईं और सुबह से ही यातायात बाधित रहा। जलभराव की वजह से लोकल ट्रेन सेवाओं में देरी हुई। बृहन्मुंबई विद्युत आपूर्ति एवं परिवहन (बेस्ट) उपक्रम की बस सेवाओं का मार्ग कुछ स्थानों पर परिवर्तित किया गया। बोरीवली, अंधेरी, सायन, दादर और चेंबूर सहित शहर के कई हिस्सों में रात भर भारी बारिश हुई और सुबह भी बारिश जारी रही। इससे गांधी मार्केट सहित निचले इलाकों में जलभराव हो गया।

इस बीच मध्य रेलवे ने भारी बारिश के बाद एक हिस्से में पटरियां जलमग्न होने के कारण छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) और कुर्ला स्टेशनों के बीच हार्बर लाइन पर अपनी लोकल ट्रेन सेवाएं स्थगित कर दीं। कुर्ला और सायन स्टेशनों के बीच मुख्य लाइन पर भी रेल पटरियां जलमग्न हो जाने के कारण सेवाएं स्थगित कर दी गईं।

अमेरिका के लिए खतरे की घंटी

पुरानी कहावत है जब एक रास्ता बंद होता है तो कई रास्ते खुल जाते हैं। यह बात कूटनीति पर भी लागू होती है। शीत युद्ध के दौरान भारत और अमेरिका के रिश्तों में काफी खटास थी। सोवियत संघ बिखरा तो भारत ने रूस से मित्रता बनाए रखी,लेकिन लगभग दो दशकों से अमेरिका के साथ भी अच्छे बनाए। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल में भारत के प्रति नाराजगी दिखानी शुरू कर दी। वहीं,गलवान घाटी की वजह से भारत के चीन के साथ तात्कालिक काफी तल्ख हो गए थे, लेकिन बदले माहौल में रिश्तों में नई शुरुआत दिखने लगी है। फिर भी इतिहास को देखते हुए भारत के लिए चीन पर पूरी तरह से भरोसा नहीं किया जा सकता। मौजूदा परिस्थितियों में गुण-दोष के आधार पर उसके साथ संबंध बेहतर बनाने में कोई बुराई नहीं है। जाहिर है भारत-चीन के रिश्तों की गरमाहट अमेरिका के लिए खतरे की घंटी भी साबित हो सकती है। गौरतलब है कि भारत और चीन के बीच विवाद की सबसे बड़ी वजह सीमा पर उसकी चालबाजियों के चलते छाया रहने वाला संदेह है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को अपने चीनी समकक्ष वांग यी के साथ द्विपक्षीय बातचीत में कहा कि रिश्तों में प्रगति के लिए सीमा पर शांति जरूरी है। उन्होंने सहयोगी रवैया अपनाने का संदेश दिया, ताकि दोनों देशों को मुश्किल दौर से निकाला जा सके। विदेश मंत्री ने साफ किया कि 'इसके लिए हमें तीन परस्पर सिद्धांतों का पालन करना होगा-परस्पर सम्मान, परस्पर संवेदनशीलता और परस्पर हित। चीन के विदेश मंत्री ने भी जवाब में कहा कि दोनों देशों ने सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और सौहार्द बनाए रखा है। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों मुल्कों ने बाहरी दखल से निपटने, आपसी सहयोग का विस्तार करने और द्विपक्षीय रिश्तों में चल रहे सुधार को और मजबूत करेंगे। वांग यी बोले शीजांग ऑटोनोमस रीजन में माउंट गंग रेनपोछे और मपाम युन त्सो की भारतीय तीर्थयात्रा फिर से शुरू की। हमने हस्तक्षेप से निपटने, सहयोग को बढ़ाने और चीन-भारत संबंधों के सुधार और विकास की गति को और मजबूत करने का भरोसा जाहिर किया, ताकि अपनी-अपनी प्रगति के साथ-साथ हम एक-दूसरे की कामयाबी में योगदान दे सकें। वांग यी दो दिवसीय यात्रा पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन के लिए चीन जाने से पहले भारत पहुंचे हैं। इस संगठन में भारत,रूस और चीन के अलावा मध्य एशिया के कई और देश हैं। भारत और चीन के आपसी रिश्तों में यह प्रगति उस दौर में हो रही है, जब रूस से कच्चा तेल खरीदने के नाम पर अमेरिका भारत पर 50% टैरिफ थोप चुका है और चीन के साथ भी सौदेबाजी में लगा हुआ है। भारत और चीन दुनिया के दो सबसे ज्यादा आबादी वाले देश हैं। चीन, अमेरिका के बाद दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और भारत इसमें चौथे नंबर पर रहते हुए दुनिया में सबसे तेजी से विकसित हो रही है, बड़ी अर्थव्यवस्था है। टैरिफ के मसले पर चीन ने पहले दिन से भारत के रुख का समर्थन किया है। अब अगर दोनों देश सीमा से जुड़े एकमात्र विवादित मुद्दे को छोड़कर रणनीतिक तौर पर जिस तरह से आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं, वह अमेरिका जैसे सुपरपावर के लिए बहुत बड़े खतरे की घंटी है।

ट्रंप की हरकतें अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मारने जैसी

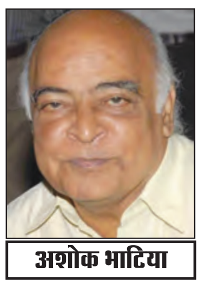

अशोक भाटिया

अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में इस साल 20 जनवरी को डोनाल्ड ट्रंप ने कार्यभाल संभाला था। राष्ट्रपति बनते ही ट्रंप ने अमेरिका फर्स्ट का नारा दिया और कई चौंकाने वाले फैसले लिए। उनके प्रमुख फैसलों में दुनियाभर के देशों पर टैरिफ लगाना, अमेरिका के अंदर कंपनियों का प्रोडक्शन शुरू करना, प्रवासियों को निकालना आदि शामिल रहे। उनके इन फैसलों से पूरी दुनिया में उथल-पुथल देखने को मिली। अमेरिका भी अछूता नहीं रहा। हालांकि, ट्रंप ने कहा कि यह शुरुआती पेन है। इसका दूरगामी असर होगा और अमेरिका में खुशहाली लौटेगी। लेकिन अब तस्वीर ठीक उलट दिखाई देने लगी है। ट्रंप के फैसलों से अमेरिका में मंदी की आशंका जताई जाने लगी है। अमेरिकी अर्थव्यवस्था की रफ्तार सुस्त होनी शुरू हो गई है। इससे अमेरिका में बेरोजगारी बढ़ने का खतरा होता जा रहा है।

हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर रूस से तेल आयात करने के लिए 50 फीसदी टैरिफ लगाने का ऐलान किया था। लेकिन पूरी दुनिया जानती है कि यह अमेरिकी राष्ट्रपति का दोहरापन है। संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय देश खुद रूस से बड़ी मात्रा में तेल, गैस और उर्वरक खरीदते हैं। सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर की एक खास रिपोर्ट में ट्रंप के इस दावे का खुलासा हुआ है। भारत ने यह भी उजागर कर दिया है कि अमेरिका रूस से क्या खरीदता है। भारत ने ट्रम्प के दोहरेपन के आगे झुके बिना 'जैसा है' जवाब देने का फैसला किया है। मूल रूप से, ट्रम्प ब्रिक्स देशों से नाखुश हैं। ब्रिक्स देशों ने अमेरिकी मुद्रा को चुनौती दी है। ट्रंप को डर है कि अगर वह अपनी मुद्रा का इस्तेमाल करते हैं और डॉलर में व्यापार बंद कर देते हैं तो अमेरिकी मुद्रा कमजोर हो सकती है, यही कारण है कि उन्होंने ब्रिक्स देशों को अपनी यूरो जैसी मुद्रा का इस्तेमाल नहीं करने की धमकी दी है। वह ब्राजील, रूस, चीन और भारत को एक साथ नहीं लाने की कोशिश कर रहे हैं।लेकिन ट्रंप के टैरिफ वॉर ने अब इन देशों के साथ आने की संभावना बढ़ा दी है। चीन और भारत ने ट्रंप के खिलाफ स्टैंड ले लिया है। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्द ही चीन का दौरा करने वाले हैं। इसलिए अब ट्रंप सतर्क हैं। उन्होंने अब चीन पर लगाए गए आयात शुल्क को 90 दिनों के लिए निलंबित करने के अपने फैसले की घोषणा की है। कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है। भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका व्यापार पर कई मुद्दों पर भिन्न हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका अपने कृषि उत्पादों को भारत भेजना चाहता है। भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है क्योंकि अमेरिका की गायों को मांस खिलाया जाता है। इन गायों के दूध उत्पादों और डेयरी उत्पादों को खाने का मुद्दा भारत के लिए एक भावनात्मक मुद्दा है। टैरिफ वॉर के दौरान भारत ने बड़ी कार्रवाई की है। भारत ने नौसेना के लिए अमेरिका स्थित बोइंग से छह पी-81 पोसाइडन विमान खरीदने का सौदा किया था। ये विमान समुद्र में निगरानी के लिए महत्वपूर्ण हैं। भारत के विशाल समुद्री क्षेत्र के कारण, नौसेना को ऐसे कई विमानों की आवश्यकता है। ये बहुत ही आधुनिक और उन्नत विमान हैं और अरब सागर से हिंद महासागर तक चीन के बढ़ते प्रभाव पर नजर रखने के लिए इनकी बहुत जरूरत है। रक्षा वेबसाइट आईडीआरडब्ल्यू की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने 3 अगस्त को सौदे को निलंबित करने का फैसला किया। नौसेना के पास ऐसे बारह विमान हैं। भारत ने इसे 2009 में बोइंग से खरीदा था। इसके बाद भारत अमेरिका से इन विमानों को खरीदने वाला पहला अंतरराष्ट्रीय खरीदार बन गया था। आठ विमानों के लिए पहला अनुबंध 2008 में हस्ताक्षरित किया गया था। उस समय इसकी कीमत 2.2 अरब डॉलर यानी करीब 19,000 करोड़ रुपये थी। 2016 में भारत ने ऐसे चार और विमान खरीदे। इस पर करीब 8,500 करोड़ रुपये खर्च किए गए। मई 2021 में अमेरिका ने भारत को ऐसे छह विमानों की बिक्री को मंजूरी दी, जिनकी कीमत लगभग 2.42 बिलियन डॉलर (लगभग 21,000 करोड़ रुपये) है। हालांकि, बाद में बढ़ती लागत के कारण सौदा रोक दिया गया था। जुलाई 2025 तक, इस सौदे का मूल्य 3.6 बिलियन डॉलर या लगभग 31,500 करोड़ रुपये था। फिर भी, भारत सरकार को इस साल समझौते की फिर से पुष्टि करनी थी, जो हिंद महासागर में चीन की नौसैनिक गतिविधियों की बारीकी से निगरानी के लिए एक बहुत प्रभावी हथियार हो सकता है। लेकिन भारत ने अमेरिकी राष्ट्रपति के टैरिफ युद्ध के कारण इस सौदे को रोक दिया है, और सौदे का पूरी तरह से रद्द होना बोइंग के लिए एक बड़ा झटका होगा। बोइंग के भारत में करीब 5,000 कर्मचारी हैं। यह 1.7 अरब डॉलर या करीब 15,000 करोड़ रुपये का कारोबार करता है। सौदे के निलंबन से भारतीय नौसेना की ताकत प्रभावित हो सकती है।

इन विमानों का उपयोग भारत के क्षेत्रीय जल में सैकड़ों नौसैनिक जहाजों और 20,000 व्यापारी जहाजों की निगरानी के लिए किया जाता है। हालांकि, भारत अपने स्वयं के निगरानी विमान का निर्माण कर रहा है। टैरिफ पर भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच संबंध बिगड़ रहे हैं। कई दौर की वार्ता के बावजूद, ट्रम्प ने एकतरफा रूप से भारत पर 50% टैरिफ लगाने का फैसला किया। कुछ समय के लिए भारत और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा करने वाले राष्ट्रपति ट्रम्प इतने कठोर कैसे हो गए? उन्होंने 50 प्रतिशत टैरिफ क्यों लगाया, और वास्तव में अमेरिका क्या चाहता है, और सीधा जवाब यह है कि अमेरिका भारत को अपना मांडलिक बनाना चाहता है; लेकिन भारत ऐसा नहीं होने दे रहा है। भारत अपने निर्णय लेने के रवैये पर कायम है। यही बात अमेरिका को पसंद नहीं है। इसीलिए अमेरिका अब भारत पर दबाव बनाने के लिए टैरिफ हाइक को अपना सबसे बड़ा हथियार बना रहा है। भारत बिना कुछ कहे अमेरिका को जवाब दे रहा है। यूक्रेन युद्ध के दौरान रूस और रूस और यूक्रेन के मुद्दे पर भारत जिस तरह से तटस्थ रहता है, उसे अमेरिका पसंद नहीं करता है। संयुक्त राज्य अमेरिका चाहता है कि भारत जैसा कहता है वैसा ही करे। संयुक्त राज्य अमेरिका का मानना है कि भारत द्वारा तेल की खरीद ने रूस को युद्ध के लिए पैसा दिया। इसलिए रूस यूक्रेन के साथ युद्ध समाप्त करने के लिए तैयार नहीं है। चीन भी रूस से तेल खरीद रहा है। भारत रूस से सस्ता तेल खरीद रहा है। फरवरी 2022 में यूक्रेन के साथ युद्ध शुरू होने से पहले भारत प्रतिदिन लगभग 68,000 बैरल कच्चा तेल खरीद रहा था। मई 2023 में, यह बढ़कर 2.15 मिलियन पिप्स हो गया। आज भारत अपनी तेल जरूरतों का लगभग 40 प्रतिशत रूस से खरीद रहा है। ट्रंप भारत के इस कदम को युद्धग्रस्त रूस के लिए आर्थिक मदद के तौर पर देखते हैं.

चीन से बढ़ते खतरे के मद्देनजर, भारत को अमेरिका के साथ संबंधों को मजबूत करने और पश्चिमी सैन्य गठबंधन के करीब जाने के बढ़ते दबाव का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिका चाहता है कि भारत पारंपरिक सहयोगियों रूस और ब्रिक्स देशों को छोड़कर पश्चिमी समूह में शामिल हो जाए। अमेरिका लंबे समय से भारत को अपने पक्ष में करने की कोशिश कर रहा है।चीन और रूस जैसे प्रमुख देश शामिल हैं, और संयुक्त राज्य अमेरिका दुनिया में पश्चिमी प्रभाव को कम करना चाहता है। भारत यूक्रेन की तरह 'इस्तेमाल' होना चाहता है। वहीं, अमेरिका चीन के खिलाफ भारत का इस्तेमाल करना चाहता है। अमेरिका भारत का उसी तरह इस्तेमाल करना चाहता है जैसे उसने रूस के खिलाफ यूक्रेन का किया था। अमेरिका भारत की सामरिक स्वायत्तता से नाखुश है और यही ट्रंप की वास्तविक समस्या है। भारत ने अमेरिका के कदम को 'अन्यायपूर्ण और अतार्किक' करार दिया है। अमेरिका अपनी शर्तों पर भारत के साथ व्यापार समझौता करना चाहता है। वहीं भारत अपने छोटे किसानों के फायदे को ध्यान में रखते हुए अमेरिका से मनमाने व्यापारिक सौदे मानने को तैयार नहीं है। भारत नहीं चाहता है कि इस तरह का कोई ट्रेड डील भारत के छोटे किसानों और कारोबारियों को नुकसान पहुंचाए।

आर्थिक तथा सामरिक महाशक्ति बनने को ओर अग्रसर भारत

संजीव ठाकुर

पिछले 11 वर्षों में भारत की चौतरफा विकास की गति को पूरा विश्व अपनी आंखों से देख रहा है। अब भारत एशिया का बड़ी शक्ति केंद्र बनकर उभर रहा है। चीन के बाद भारत बहुत बड़ी सामरिक शक्ति भी बन चुका है। भारत ने अन्न तथा दवाइयां, मेडिकल इक्विपमेंट लोहे से बनी सामग्रियां एवं सामरिक महत्व के हवाई जहाज पानी के जहाज एवं अन्य आवश्यक अस्त्र-शस्त्र निर्माण करने में अग्रणी भूमिका का संचालन शुरू कर दिया है। अब भारत शस्त्रों का निर्यातक भी बन गया है। रूस यूक्रेन युद्ध के दौरान रुस से भारत ने कच्चा तेल आयात कर उसे भी परिष्कृत करने के बाद दूसरे देशों में बेचना शुरू कर दिया और यह बात अमेरिका के डोनाल्ड ट्रंप को नागवार गुजरी जिसके फलस्वरुप उसने 25 से लेकर 50% तक आयात शुल्क लगाकर एक नया विवाद शुरू कर दिया है। जिससे भारत तथा अमेरिका के रिश्तो में अस्थाई रूप से खटास आ गई है।स्वतंत्रता की प्राप्ति के बाद अथक प्रयास करने के पश्चात आधुनिक भारत के स्वप्न दृष्टा प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने अपनी कार्यप्रणाली इसी सोच के साथ आगे बढ़ाई थी कि भारत अब एक समृद्ध, शक्तिशाली एवं आर्थिक रूप से संपन्न राष्ट्र के रूप में वैश्विक स्तर पर उभर कर आया है। इसी तारतम्य में 1952 से प्रारंभ की गई पंचवर्षीय योजनाओं के तहत कृषि, उद्योग, विज्ञान और स्वास्थ्य में वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा सोच को मूर्त रूप दिया गया था। समय समय मैं सरकारें बदलती रहे और भारत विकास की ओर धीरे-धीरे बढता रहा। आज वर्तमान में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत में आर्थिक स्थिति में जबरदस्त विकास किया है, भारत विश्व में पांचवी आर्थिक स्थिति बन चुका है दूसरी तरफ विज्ञान तथा टेक्नोलॉजी में भी अहम स्थान रखता है। सामरिक तौर पर भी भारत की सेना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना विशेष स्थान रखती है ।अब पाकिस्तान या चीन की इतनी हिम्मत नहीं है कि वह सीधा भारत पर आक्रमण कर सकें। भारत ने विकास कर यह साबित कर दिया है भारत अब पुराना भारत नहीं रहा है और अब किसी भी विषम परिस्थिति मैं भारत सीना तान कर खड़ा हुआ है।

मैं किसी पार्टी विशेष का पक्षधर नहीं हूं जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी ,अटल बिहारी वाजपेई, डॉ मनमोहन सिंह और अब नरेंद्र मोदी जी ने भारत को वैश्विक पटल पर एक सम्मानजनक इस स्थिति में ला खड़ा किया है। अटल बिहारी जी के नेतृत्व में हम परमाणु शक्ति संपन्न देश बने थे और इंदिरा गांधी जी के नेतृत्व में हमने 1971 में पाकिस्तान को बुरी तरह हराकर कर उसका विभाजन कर बांग्लादेश नामक नए देश का जन्म करवाया था।

पर मैं यहां बात विकास के वास्तविक धरातल और देश में गरीबी तथा बेरोजगारी उन्मूलन की करना चाह रहा हूं. हमारा देश अभी भी गरीबी ,बेरोजगारी ,भुखमरी, असमानता, अंधविश्वास, आडंबर और धार्मिक कट्टरपंथ का सामना करते हुए उस गति से विकास नहीं कर पा रहा है जिसके लिए वह अत्यंत समर्थ है। आज भारत की धमक अमेरिका से लेकर जापान तथा अफ्रीकी देशों में भी है। भारत के प्रधानमंत्री मोदी जी का स्वागत अमेरिका फ्रांस ऑस्ट्रेलिया इंग्लैंड ब्राजील इजरायल और सऊदी अरेबिया देश के अनेक राज्यों के राष्ट्रीय प्रमुख हुक्मरानों ने दिल खोलकर किया है, नरेंद्र मोदी की वैश्विक हैसियत इसी बात से पता चलती है कि बाहुबली अमेरिका के राष्ट्रपति ने उनका ऑटोग्राफ लेने की गुजारिश की है और पापुआ न्यू गिनी के राष्ट्र प्रमुख ने उनके चरण छूकर उनका अभिवादन किया ,यह संभवत चमत्कारिक प्रभाव भारत के शक्तिशाली होने एवं वैश्विक शांति के प्रति देश की प्रतिबद्धता के कारण ही हुआ है। पर दूसरी तरफ भारत की अंदरूनी स्थिति में भारत 141 करोड़ की जनसंख्या वाला देश हो गया है।

देश के सतत विकास की धुरी है अक्षय ऊर्जा

योगेश कुमार गोयल

पृथ्वी पर ऊर्जा के परम्परागत साधन बहुत सीमित मात्रा में उपलब्ध हैं, ऐसे में खतरा मंडरा रहा है कि यदि ऊर्जा के इन पारम्परिक स्रोतों का इसी प्रकार दोहन किया जाता रहा तो इन परम्परागत स्रोतों के समाप्त होने पर गंभीर समस्या उत्पन्न हो जाएगी। यही कारण है कि पूरी दुनिया में गैर परम्परागत ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देने की जरूरत महसूस की जाने लगी और इसी कारण अक्षय ऊर्जा स्रोतों से ऊर्जा जरूरतों की पूर्ति करने के प्रयास शुरू हुए।

अक्षय का अर्थ है, जिसका कभी क्षय न हो अर्थात अक्षय ऊर्जा वास्तव में ऊर्जा का असीम और अनंत विकल्प है और आज के समय में यह किसी भी राष्ट्र के अक्षय विकास का प्रमुख स्तंभ भी है। पिछले कुछ वर्षों से पर्यावरणीय चिंताओं को देखते हुए ऐसी ऊर्जा तथा तकनीकें विकसित करने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिनसे ग्लोबल वार्मिंग की विकराल होती समस्या से दुनिया को कुछ राहत मिल सके। किसी भी राष्ट्र को विकसित बनाने के लिए आज प्रदूषणरहित अक्षय ऊर्जा स्रोतों का समुचित उपयोग किए जाने की आवश्यकता भी है। देश में अक्षय ऊर्जा के विकास और उपयोग को लेकर जागरूकता पैदा करने के लिए ही वर्ष 2004 से हर साल 20 अगस्त को 'अक्षय ऊर्जा दिवस' भी मनाया जाता है।

आज न केवल भारत में बल्कि समूची दुनिया के समक्ष बिजली जैसी ऊर्जा की महत्वपूर्ण जरूरतों को पूरा करने के लिए सीमित प्राकृतिक संसाधन हैं, साथ ही पर्यावरण असंतुलन और विस्थापन जैसी गंभीर चुनौतियां भी हैं। चर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के अनुसार इन गंभीर समस्याओं और चुनौतियों से निपटने के लिए अक्षय ऊर्जा ही एक ऐसा बेहतरीन विकल्प है, जो पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने के साथ-साथ ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने में भी कारगर साबित होगी लेकिन अक्षय ऊर्जा की राह में भी कई चुनौतियां मुंह बाये सामने खड़ी हैं। अक्षय ऊर्जा उत्पादन की देशभर में कई छोटी-छोटी इकाईयां हैं, जिन्हें एक ग्रिड में लाना बेहद चुनौतीपूर्ण कार्य है। इससे बिजली की गुणवत्ता प्रभावित होती है। भारत में अक्षय ऊर्जा के विविध स्रोतों का अपार भंडार मौजूद है लेकिन इनसे ऊर्जा उत्पादन करने वाले अधिकांश उपकरण विदेशों से आयात किए जाते हैं। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) के अनुसार, कुछ साल पहले सौर ऊर्जा के लिए करीब 90 प्रतिशत उपकरण विदेशों से आयात किए गए थे, जिससे बिजली उत्पादन की लागत काफी बढ़ गई। 2023-24 के आंकड़ों के अनुसार, अब भी भारत की सौर सेल और मॉड्यूल की जरूरत का अधिकांश हिस्सा, कभी-कभी 90 प्रतिशत तक, आयात से ही पूरा होता रहा है। हालांकि हाल के वर्षों में एएलएमएम नियम और पीएलआई स्कीम के कारण यह निर्भरता घट रही है। 2023-24 में चीन से सौर सेल्स का 53 प्रतिशत और मॉड्यूल्स का 63 प्रतिशत भारत में आया।

देश में ऊर्जा की मांग और आपूर्ति के बीच अंतर भी तेजी से बढ़ रहा है। केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) के आंकड़ों के अनुसार देश में कुल स्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता 450 गीगावॉट से अधिक हो चुकी है, जिसमें अब 230 गीगावॉट से अधिक अक्षय ऊर्जा से प्राप्त हो रहा है, जिसमें सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, बायो-पावर और छोटे हाइड्रो प्रोजेक्ट्स शामिल हैं। इसके अतिरिक्त अधिक बड़ी जल विद्युत परियोजनाओं से तथा परमाणु ऊर्जा से भी अक्षय ऊर्जा का उत्पादन किया जा रहा है। कुल बिजली उत्पादन में अब अक्षय ऊर्जा का हिस्सा अब लगातार बढ़ रहा है, जो भारत को दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल करता है।

भारत में ऊर्जा खपत भी तेजी से बढ़ रही है। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) का अनुमान है कि वर्ष 2040 तक भारत में ऊर्जा की कुल मांग वर्तमान की तुलना में लगभग दोगुनी हो जाएगी। विशेषकर बिजली तथा ईंधन के रूप में उपभोग की जा रही ऊर्जा की मांग घरेलू एवं कृषि क्षेत्र के अलावा औद्योगिक क्षेत्रों में भी लगातार बढ़ रही है। औद्योगिक क्षेत्रों में ही बिजली तथा पैट्रोलियम जैसे ऊर्जा के महत्वपूर्ण स्रोतों का लगभग 55 प्रतिशत उपभोग किया जाता है। हम जिस बिजली से अपने घरों, दुकानों या दफ्तरों को रोशन करते हैं, जिस बिजली या पैट्रोलियम इत्यादि ऊर्जा के अन्य स्रोतों का इस्तेमाल कर खेती-बाड़ी या उद्योग-धंधों के जरिये देश को विकास के पथ पर अग्रसर किया जाता है, क्या हमने कभी सोचा है कि वह बिजली या ऊर्जा के अन्य स्रोत हमें कितनी बड़ी कीमत पर हासिल होते हैं? यह कीमत न केवल आर्थिक रूप से बल्कि पर्यावरणीय दृष्टि से भी धरती पर विद्यमान हर प्राणी पर बहुत भारी पड़ती है। भारत में थर्मल पावर स्टेशनों में बिजली पैदा करने के लिए प्रतिदिन लगभग 18 लाख टन कोयले की खपत होती है। आज भी देश की लगभग 55 प्रतिशत से अधिक बिजली कोयले से ही पैदा होती है, शेष बिजली अक्षय ऊर्जा स्रोतों, जल, गैस व परमाणु ऊर्जा स्रोतों से प्राप्त होती है।

दुनियाभर में ऊर्जा क्षेत्र में लगभग 75 प्रतिशत कार्बन उत्सर्जन बिजली उत्पादन से ही होता है। यही कारण है कि अब सौर ऊर्जा तथा पवन ऊर्जा जैसे अक्षय ऊर्जा स्रोतों को विशेष महत्व दिया जाने लगा है। अंतर्राष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार, यदि अक्षय ऊर्जा और ऊर्जा दक्षता पर विशेष ध्यान दिया जाए तो वर्ष 2050 तक वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को 70 प्रतिशत तक घटाया जा सकता है। भारत ने भी 2030 तक 500 गीगावॉट गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा क्षमता हासिल करने और नेट जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य वर्ष 2070 तक प्राप्त करने का संकल्प लिया है। अक्षय ऊर्जा स्रोतों के उपयोग को बढ़ावा देने से हमारी ऊर्जा की मांग और आपूर्ति के बीच का अंतर कम होता जाएगा और इससे प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से सामाजिक जीवन स्तर में भी सुधार होगा।

भारत में अब ग्रीन हाइड्रोजन मिशन, स्मार्ट ग्रिड, बैटरी स्टोरेज और इलैक्ट्रिक मोबिलिटी जैसे कदम भी तेजी से आगे बढ़ाए जा रहे हैं, जो अक्षय ऊर्जा को व्यावहारिक और टिकाऊ बनाएंगे। ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के तहत वर्ष 2030 तक 5 मिलियन मीट्रिक टन उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है, जिससे भारत न केवल अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करेगा बल्कि निर्यातक देश भी बन सकेगा। सही मायने में अक्षय ऊर्जा ही आज भारत में विभिन्न रूपों में ऊर्जा की जरूरतों का प्रमुख विकल्प है, जो पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ-साथ टिकाऊ भी है।

भारत धीरे-धीरे ही सही, अब इस दिशा में आगे बढ़ रहा है और आज समय है कि हम आर्थिक बदहाली और भारी पर्यावरणीय विनाश की कीमत पर ताप, जल एवं परमाणु ऊर्जा जैसे पारम्परिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भर रहने के बजाय अपेक्षाकृत बेहद सस्ते और कार्बन रहित पर्यावरण हितैषी ऊर्जा स्रोतों के व्यापक स्तर पर विकास के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ें। साथ ही हमें ऊर्जा की बचत की आदतें भी अपनानी होंगी क्योंकि ऊर्जा का विवेकपूर्ण उपयोग ही हमें सुरक्षित, समृद्ध और स्वच्छ भविष्य की ओर ले जाएगा।

महाज्ञानी- ज्ञानी-अर्धज्ञानी और अज्ञानी

डॉ टी महादेव राव

आजकल ज्ञान का इतना विस्तार हो चुका है कि लगता है वातावरण में हवा की जगह ज्ञान ही ज्ञान बह रहा है। कभी-कभी ओलों की तरह ज्ञान का बरसना भी इस बात का द्योतक है कि हम एक ज्ञानमयी संसार में जी रहे हैं और ज्ञान का अमृत पी रहे हैं। जिसे भी छू लो बस ज्ञान का प्रवाह इस तरह बहाता है जैसे पहाड़ से झरने के पानी का गिरना। टीवी खोलो कोई चैनल तो किसी स्वामी जी का सत्संग, प्रवचन या ज्ञान रूपी प्रसाद का वितरण कार्यक्रम चलता रहता है और ज्ञान भी ऐसा की कभी कोई सोच भी नहीं सकता कि संत महात्मा स्वामी बने ये ज्ञानी इतना ज्ञान, इतनी जानकारी कहां से और कितने दिनों से छुपा रखे हैं। ब्रह्मचारी होते हुए भी वे सांसारिक मोह माया से छूटे नहीं। वे मोक्ष, मुक्ति, भक्ति की बातें छोड़कर लोगों के चरित्र पर ज्ञान आख्यान इस तरह प्रस्तुत करते हैं कि लगता है हम किसी ज्ञानी से नहीं बल्कि किसी शरारती युवक से बात कर रहे हैं। उधर व्हाट्सएप खोल तो पता चला कि सुबह सुबह सभी समूहों में सभी पटलों पर ज्ञान बहा जा रहा है जैसे आपको सुबह उठना चाहिए, सफेद कपड़े पहनना चाहिए, दूसरों की बुराई नहीं करनी चाहिए सबका भला सोचना चाहिए, गरीबों की मदद करनी चाहिए, अमीरों से घृणा करनी चाहिए। ये सारी बातें कहने वाला अमृत सुबह दस बजे से पहले नहीं उठता। कोई अगर उसे नहीं भाता तो उसकी बुराई भी वही व्हाट्सएप पर पूरी तरह करता है। वह भले ही मदद करें न करें लेकिन अमीर बने रहने में ही अपना सब कुछ मान बैठता है। इसके इसका मतलब यही है कि पर उपदेश है कुशल बहुतेरे जे अचरहिं वे नर न घनेरे। दूसरों को ज्ञान बांटने के लिए खुद को संत साबित करने के उद्देश्य से यह ज्ञान वितरण कार्यक्रम व्हाट्सएप में करते हैं कई लोग। यही नहीं अपने आसपास के देखे तो आपको ज्ञानियों का ही संसार नजर आएगा। इसमें कोई अज्ञानी या अर्द्ध ज्ञानी आपको मिलेगा ही नहीं। सामान्य व्यक्ति से लेकर नेता या सहायक से लेकर अधिकारी या आई पी एस या आई ए इस सभी में यह ज्ञान आख्यान प्रस्तुत करने का जैसे कीड़ा लगा हुआ है। अर्थ यह है कि पिछले एक दशक से ज्ञान के बढ़ने के पीछे कारण क्या हो सकता है। सहज है क्योंकि जिस तरह खरबूजा खरबूजे को देखकर रंग पकड़ता है, ठीक उसी तरह चंदन के सुहास जैसा ज्ञान लिए लोग इतने ज्यादा हो गए हैं कि बदलाव और ज्ञान का महासागर जैसे उमड़ पड़ा है। इसका परिणाम यह हुआ कि जो अज्ञानी था वह अर्ध ज्ञानी हो गया और जो अर्द्ध ज्ञानी था वह ज्ञानी हो गया और जो ज्ञानी था पूर्ण ज्ञान पाकर महाज्ञानी हो गया। इस तरह सारे वातावरण में ही क्यों, सारे देश में ज्ञान का महासागर जो हिलोरें मार रहा है।

आवारा नहीं हमारा है : कुत्तों पर बंट गया हिन्दुस्तान

मनोज कुमार अग्रवाल

गाजियाबाद के एक थाने में तैनात बाइक सवार 25 वर्षीय महिला उपनिरीक्षक रिचा शर्मा की बीते दिन बाइक के सामने कुत्ता आ गया हादसे में सिर डिवाइडर से टकराने से उनकी मौत हो गई। यूं तो कमोबेश पूरे देश में आवारा कुत्तों के उत्पात मचाने इंसानों को काटने की शिकायतों की भरमार हो गई है। अदालत के आदेश के बाद देश में समाज दो भाग में बंटा है एक ओर डॉग लवर्स हैं जो रोजाना प्रदर्शन कर रहे हैं दूसरे ओर आवारा कुत्तों से परेशान आमजन हैं।

आपको पता रहे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों पर लगातार हो रहे आवारा कुत्तों के हमलों के बीच सुप्रीम कोर्ट ने बीते सोमवार 11 अगस्त को बेहद सख़्त निर्देश जारी किए। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने कहा कि हमें सड़कों को पूरी तरह से आवारा कुत्तों से मुक्त बनाना होगा, यह पहला और सबसे महत्वपूर्ण प्रयास होना चाहिए। अदालत ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के नगर निकायों को तुरंत सभी इलाकों से कुत्तों को उठाने और उन्हें शेल्टर होम में भेजने का आदेश दिया ।बीते बुधवार को कुत्तों के संबंध में अदालत के आदेश को लेकर पशु प्रेमियों की नाराजगी को देखते हुए स्वयं चीफ जस्टिस बी आर गवई ने इस मामले को स्वयं देखने की बात कही है। बीते गुरुवार को जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एन। वी। अंजारिया की तीन सदस्यीय बैंच न सुनवाई की कपिल सिब्बल और एसजी तुषार मेहता की दलील सुनने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया। मामले की सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ से कहा कि दिल्ली एनसीआर में आवारा कुत्तों के कारण बच्चों की मौत हो रही है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को सुलझाने की जरूरत है, न कि इस पर विवाद करने की। कोई भी जानवरों से नफरत नहीं करता है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने एक बड़ी टिप्पणी की। उन्होंने भरी अदालत में कहा कि चिकन-मटन खाने वाले आज एनिमल लवर बन गए हैं.नसबंदी और टीकाकरण से न तो रेबीज रुकता है और न ही बच्चों पर हमले। बच्चों की मौतें और विकृति अब भी जारी हैं। दिल्ली-एनसीआर की सड़कों से आवारा कुत्तों को हटाने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश का विरोध पूरे देश में फैल गया है, और लखनऊ, पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी और मुंबई जैसे शहरों में भी इसी तरह के प्रदर्शन हुए हैं।रामलीला मैदान के बाहर रविवार को पशुप्रेमियों ने विरोध-प्रदर्शन किया। इस बीच वे आवारा नहीं हमारा है जैसे नारे लगाते रहे। वे सुप्रीम कोर्ट के आवारा कुत्तों को एकत्र कर आश्रयस्थलों में रखने वाले आदेश का पुरजोर विरोध करने के लिए यहां एकजुट हुए थे। इस बीच वे बड़े ही आक्रोशित दिखे। उन्होंने कोर्ट के इस निर्णय को पारिस्थितिकी तंत्र पर हमला कहा।

अब मीलार्ड के आदेश पर पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी और पशु हित रक्षक संगठन कड़ा ऐतराज जता रहे हैं।

आपको बता दें कि अदालत के सामने आए आंकड़ों में बताया गया है कि दिल्ली में 10 लाख कुत्ते हैं, और पिछले बरस 68 हजार लोगों को कुत्तों ने काटा था।देश भर में कुत्तों की तादाद तेजी से बढ़ रही है और करीब पांच करोड़ तक पहुंच है। कमोबेश देश भर में आवारा कुत्तों के हमले में छोटे बच्चे रोजाना जान गंवा रहे हैं देश भर में कुत्ते रोजाना 25000 लोगों को काट रहे हैं यानी हर मिनट 415 लोग कुत्तों के शिकार बन जाते हैं जबकि दिल्ली में ही रोजाना 2000 से अधिक लोगों को कुत्ते काट लेते हैं। दुनिया में रैबीज से होने वाली मौतों में से 36प्रतिशत भारत में होती हैं। हाल ही में कुत्ते के काटने के बाद कबड्डी खिलाडी ब्रजेश सोलंकी की रैबीज से बेहद दर्दनाक मौत हो गई। यह मामला जानवरों और इंसानों के सहअस्तित्व का है। दसियों हजार बरस पहले इंसानों ने शायद एक जंगली नस्ल को पालकर उसे घरेलू और पालतू बनाया, और वह इंसान के सबसे वफादार प्राणी बन गए। लेकिन यह बात इंसानों के पाले हुए कुत्तों तक तो सीमित थी, जब सडक़ों पर बिना किसी घरवाले कुत्ते बढ़ने लगे, तो जाहिर है कि न तो उनका टीकाकरण हो सका, और न ही बधियाकरण। नतीजा यह निकला कि कुत्तों में पैदाइश के हर मौसम में आबादी बढ़ जाती है, और म्युनिसिपल किसी भी तरह उन पर काबू नहीं पा सकता। ऐसा इसलिए है क्योंकि पर्याप्त संख्या में कुत्तों के आश्रय स्थल बनाना असंभव है और कुत्तों को विस्थापित करने से कुत्तों के बीच क्षेत्र को लेकर झगड़े और भुखमरी जैसी समस्याएं पैदा होती हैं।

अंततः, कुत्ते फिर से उन्हीं क्षेत्रों में लौट आते हैं, खासकर जब पिल्ले पैदा होते रहते हैं। इसीलिए, सरकार ने 2001 से कम्युनिटी कुत्तों की नसबंदी अनिवार्य कर दी है। एक ऐसी प्रक्रिया, जो उन्हें शांत करती है और इस दौरान उन्हें रेबीज़ का टीका भी लगाया जाता है.पेटा इंडिया ने कहा कि अगर दिल्ली सरकार ने कुत्तों की नसबंदी के लिए एक प्रभावी कार्यक्रम लागू किया होता, तो आज सड़कों पर शायद ही कोई कुत्ता होता। आपको बता दें कि शीर्ष अदालत ने चेतावनी दी कि अगर कोई व्यक्ति या संगठन कुत्तों को पकड़ने या इकट्ठा करने में बाधा डालेगा, तो उस पर अवमानना की कार्रवाई होगी।

बुध प्रदोष व्रत पर बन रहा है दुर्लभ सिद्धि योग

इन 4 राशियों की चमक सकती है किस्मत!

हिंदू धर्म में प्रदोष व्रत का विशेष महत्व बताया गया है। शास्त्रों के अनुसार, त्रयोदशी तिथि को भगवान शिव की आराधना करने से मनुष्य को समस्त पापों से मुक्ति मिलती है और सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। पंचांग के अनुसार, इस साल 20 अगस्त 2025, बुधवार को भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि पर बुध प्रदोष व्रत रखा जाएगा। इस दिन का महत्व इसलिए और बढ़ गया है क्योंकि इस बार व्रत के दिन दुर्लभ सिद्धि योग और पुनर्वसु नक्षत्र का संयोग बन रहा है।

वृषभ, कुंभ, तुला, कन्या राशि वालों को होगा जबरदस्त फायदा

वृषभ राशि: इस राशि के जातकों को धन लाभ होने के प्रबल योग बन रहे हैं। आपको कोई रुका हुआ पैसा वापस मिल सकता है या व्यापार में बड़ा मुनाफा हो सकता है। नौकरीपेशा लोगों को तरक्की मिलने के योग हैं। परिवार में सुख-समृद्धि का माहौल रहेगा।

कुंभ राशि: कुंभ राशि वालों के लिए यह दिन खुशियां लेकर आएगा। आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा और आय के नए स्रोत खुलेंगे। स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से छुटकारा मिलेगा। इस दौरान आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी।

तुला राशि: तुला राशि वालों के लिए यह योग किसी वरदान से कम नहीं है। आपके जीवन में चल रही परेशानियां खत्म होंगी। करियर में सफलता के नए रास्ते खुलेंगे। आप कोई नया काम शुरू कर सकते हैं, जिसमें आपको बड़ी सफलता मिलेगी।

कन्या राशि: कन्या राशि के जातकों की किस्मत इस दिन चमक सकती है। आपको हर क्षेत्र में सफलता मिलेगी। खासकर व्यापार और नौकरी में बड़ी तरक्की के योग बन रहे हैं। लंबे समय से अटके हुए कार्य पूरे होंगे।

बुध प्रदोष व्रत की पूजा विधि

बुध प्रदोष व्रत के दिन भगवान शिव के साथ माता पार्वती की पूजा करने का विधान है। प्रदोष व्रत में शाम के समय पूजा करना शुभ माना जाता है। इस दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और साफ कपड़े पहनें। हाथ में जल लेकर व्रत का संकल्प लें।

प्रदोष काल यानी शाम के समय, भगवान शिव की मूर्ति या शिवलिंग को गंगाजल से स्नान कराएं। भगवान शिव को बेलपत्र, धतूरा, अक्षत, फूल, भांग, शहद, शक्कर आदि अर्पित करें। शिव चालीसा और प्रदोष व्रत कथा का पाठ करें। आखिर में आरती कर भगवान से अपनी मनोकामनाएं पूरी करने की प्रार्थना करें।

बुध प्रदोष व्रत का महत्व

बुधवार के दिन पड़ने वाला प्रदोष व्रत बुध प्रदोष कहलाता है। मान्यता है कि इस दिन व्रत और भगवान शिव की पूजा करने से जीवन में आने वाली बाधाओं का नाश होता है और स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों से छुटकारा मिलता है। शिवजी की कृपा से व्यापार और करियर में सफलता भी प्राप्त होती है।

महाभारत युद्ध से पहले श्रीकृष्ण की पांडवों को सीख

जब तक सब साथ मिलकर नहीं चलेंगे, तब तक कोई भी लक्ष्य हासिल नहीं हो सकता

महाभारत में जब पांडव जुए में हार गए, तो उन्हें बारह वर्ष का वनवास और एक वर्ष का अज्ञातवास भुगतना पड़ा। कौरव और पांडवों ने ये नियम तय किया था कि जब पांडव वनवास और अज्ञातवास पूरा करके लौट आएंगे, तब उन्हें उनका राज्य लौटा दिया जाएगा। जब पांडव वनवास और अज्ञातवास पूरा करके दुर्योधन के पास पहुंचे तो दुर्योधन ने पांडवों को राज्य देने से मना कर दिया। बहुत समझाने के बाद भी दुर्योधन पांडवों को पांच गांव देने के लिए भी तैयार नहीं हुआ। ऐसे में पांडवों के पास एक ही रास्ता बचा था युद्ध करके अपना राज्य फिर प्राप्त करना।

पांडवों ने जब युद्ध की बात सोची तो सबसे पहले उन्होंने अपने संसाधनों और स्थिति का आकलन किया। कौरवों के पास भीष्म, द्रोणाचार्य, कर्ण जैसे महारथी थे। उनकी सेना बहुत विशाल थी। कौरव की विशाल सेना और बड़े योद्धाओं के सामने पांडव सिर्फ पांच ही थे।

जब पांडवों ने दोनों पक्षों का आकलन किया तो अर्जुन तक ने हार मानने की बात कही, लेकिन उस समय भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें मार्गदर्शन दिया।

श्रीकृष्ण ने पांडवों को समझाया कि सही बात के लिए अगर हमें युद्ध लड़ना पड़े तो पीछे नहीं हटना चाहिए। ऐसा युद्ध हिंसा नहीं है, ये सत्य की रक्षा के लिए होगा। संख्या में कौरव भले ही ज्यादा हैं, लेकिन उनके बीच मतभेद हैं। कर्ण भीष्म को पसंद नहीं करते, द्रोण दुर्योधन को पसंद नहीं करते, दुर्योधन हमेशा भीष्म और द्रोण को अपमानित करता रहता है। तुम भले ही संख्या में पांच हों, लेकिन तुम्हारे बीच मतभेद नहीं है। तुम्हारे बीच एकता है, जो कौरवों में नहीं है। एक बात हमेशा ध्यान रखनी चाहिए, जिन लोगों के बीच एकता होती है, मतभेद नहीं होते हैं, जीत उन्हीं की होती है। चाहे परिवार हो, कार्यस्थल हो या कोई संगठन, एकता सबसे बड़ी पूंजी होती है।

श्रीकृष्ण की सीख:

एकता सबसे बड़ी ताकत है: चाहे परिवार हो या ऑफिस की टीम, जब तक सब मिलकर नहीं चलेंगे, तब तक कोई भी लक्ष्य हासिल नहीं हो सकता।

सही के लिए खड़े होना जरूरी है: यदि आपके साथ अन्याय हो रहा है, तो चुप रहना समाधान नहीं है। पहले शांतिपूर्वक तरीके से समझाएं, लेकिन जरूरत पड़े तो न्याय के लिए संघर्ष करना पड़े तो पीछे न हटें।

अपनी कमजोरियों के लिए सावधान रहें: कौरवों की हार का कारण बाहरी दुश्मन नहीं, बल्कि उनके आंतरिक मतभेद थे। जीवन में भी अक्सर हम बाहर के कारण नहीं, अपने विचारों की नकारात्मकता से हारते हैं। इसलिए अपनी कमजोरियों के लिए सतर्क रहना चाहिए।

टीम वर्क सबसे जरूरी है: सिर्फ टैलेंट या संसाधन काफी नहीं होते। अगर टीम में तालमेल और विश्वास है, तो असंभव को भी संभव किया जा सकता है।

आखिर किस दिन पड़ रही है भाद्रपद माह की अमावस्या

हिंदू धर्म में अमावस्या की तिथि को बहुत विशेष माना जाता है। साल 2025 में अगस्त माह की अमावस्या को भाद्रपद माह की अमावस्या के नाम से जाना जाता है।

अमावस्या तिथि पितरों का तर्पण करने और श्राद्ध के लिए सबसे उत्तम तिथि मानी जाती है। इस दिन स्नान, दान का विशेष महत्व होता है। अमावस्या तिथि के दिन पितृ दोष से मुक्ति पाने के लिए इस दिन पवित्र नदी में स्नान करना चाहिए।

भाद्रपद माह की अमावस्या तिथि को लेकर लोगों में संशय बना हुआ है। 22 या 23 अगस्त किस दिन पड़ रही है भाद्रपद माह की अमावस्या।

भाद्रपद अमावस्या की तिथि की शुरुआत 22 अगस्त को सुबह 11 बजकर 55 मिनट पर होगी। अमावस्या तिथि का समापन 23 अगस्त को सुबह 11 बजकर 35 मिनट पर होगा। इसीलिए भाद्रपद माह की अमावस्या 23 अगस्त, शनिवार के दिन पड़ रही है। शनिवार के दिन अमावस्या तिथि पड़ती है तो इस तिथि को शनि अमावस्या कहेंगे।

अमावस्या तिथि को कालसर्प दोष निवारण की पूजा करने के लिए उपयुक्त माना जाता है। साथ ही इस दिन पितरों की आत्मा की शांति के लिए श्राद्ध और तर्पण भी करना उपयुक्त माना जाता है।

इस दिन बनने वाले शुभ योग

अमावस्या तिथि के दिन परिघ योग का निर्माण हो रहा है। इस दिन मघा नक्षत्र रहेगा। इस दिन शनिवार के दिन और शनि अमावस्या होने के कारण इस दिन महत्व और अधिक बढ़ जाएगा। इस दिन आप शनि देव का भी आशीर्वाद ले सकते हैं।

इस मुहूर्त में करें स्नान-दान

अमावस्या तिथि के दिन स्नान और दान करने के लिए सबसे अच्छा मुहूर्त सुबह सूर्योदय से पहले का होता है यानि ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान और दान करें । इस दिन ब्रह्म मुहूर्त का समय रहेगा ब्रह्म मुहूर्त सुबह 4 बजकर 34 मिनट से लेकर सुबह 5 बजकर 22 मिनट तक।

अगर दिख जाएं ये शुभ चीजें, तो समझ लीजिए अमीर बनने वाले हैं आप, मां लक्ष्मी दे रही हैं संकेत!

हिंदू धर्म में मां लक्ष्मी को धन, वैभव और समृद्धि की देवी माना गया है। मान्यता है कि जब मां लक्ष्मी किसी व्यक्ति पर कृपा करती हैं तो उसके जीवन में अचानक सुख-समृद्धि और धन का आगमन होता है। शास्त्रों और पुराणों में ऐसे कई संकेत बताए गए हैं, जिन्हें देखकर समझा जा सकता है कि मां लक्ष्मी आपके जीवन में प्रवेश कर रही हैं। ये शुभ संकेत यदि आपके आस-पास दिखाई दें तो समझ लीजिए कि आने वाला समय आपको अमीर बना सकता है।

सुबह-सुबह शंख या मंदिर की घंटी की आवाज सुनाई देना सुबह का समय बेहद शुभ माना जाता है। अगर आप सुबह उठते ही शंख या मंदिर में बजने वाली घंटी की आवाज सुनते हैं, तो यह बहुत ही अच्छा संकेत है। यह इस बात का संकेत है कि आपके जीवन में सकारात्मकता और समृद्धि आने वाली है। यह सीधे तौर पर मां लक्ष्मी के आगमन का प्रतीक माना जाता है।

धार्मिक स्थानों पर बार-बार बुलावा मिलना

यदि बार-बार आपके मन में मंदिर जाने की इच्छा होने लगे या अचानक किसी धार्मिक यात्रा का योग बन जाए, तो यह भी इस बात का संकेत है कि मां लक्ष्मी आप पर प्रसन्न हैं और जल्द ही आपको धन-संपत्ति की प्राप्ति होगी।

सोने-चांदी के सपने देखना

स्वप्न शास्त्र में बताया गया है कि अगर कोई व्यक्ति सपने में सोना-चांदी, गहने या रुपए देखे, तो यह मां लक्ष्मी की कृपा का विशेष संकेत है। ऐसा सपना बताता है कि शीघ्र ही आपके घर में धन का आगमन होगा।

घर के मुख्य द्वार पर काली चींटियों का समूह दिखना यह सुनकर थोड़ा अजीब लग सकता है, लेकिन ज्योतिष और वास्तु शास्त्र में काली चींटियों का घर में दिखना, विशेषकर मुख्य द्वार पर, बहुत शुभ माना जाता है। अगर आपको चावल के दानों को ले जाती हुई काली चींटियों का झुंड दिख जाए, तो यह धन लाभ का स्पष्ट संकेत है। यह बताता है कि आपकी मेहनत रंग लाएगी और जल्द ही आपके घर में पैसा आने वाला है।

सपने में झाड़ू, उल्लू या कमल का फूल देखना

कुछ सपने ऐसे होते हैं जिनका गहरा अर्थ होता है। अगर आपको सपने में झाड़ू दिखती है, तो यह सफाई और समृद्धि का प्रतीक है। वहीं, उल्लू को मां लक्ष्मी का वाहन माना जाता है।

सपने में उल्लू देखना धन आगमन का बहुत बड़ा संकेत है। इसके अलावा, कमल का फूल भी मां लक्ष्मी का प्रिय आसन है। अगर आपको ये चीजें सपने में दिखाई दें, तो समझिए कि मां लक्ष्मी आपसे प्रसन्न हैं और आपको मालामाल करने वाली हैं।

अचानक मोर या उल्लू का दिखना

अगर घर से बाहर निकलते समय या अचानक कहीं आपको मोर या उल्लू दिख जाए, तो यह बेहद शुभ माना जाता है।

मोर को भी धन और सौभाग्य का प्रतीक माना गया है। वहीं, उल्लू का अचानक दिखना इस बात का संकेत देता है कि मां लक्ष्मी आपके घर पधारने वाली हैं और आपके जीवन में खुशहाली आने वाली है।

हाथों में खुजली होना

ज्योतिष में यह एक बहुत ही प्रचलित मान्यता है कि अगर आपके सीधे हाथ (दाहिने हाथ) की हथेली में खुजली हो, तो इसका मतलब है कि आपको धन लाभ होने वाला है।

इसके विपरीत, अगर बाएं हाथ की हथेली में खुजली हो तो इसका मतलब है कि धन का खर्च होने वाला है। हालांकि, यह एक पुरानी मान्यता है, पर इसे अक्सर लोग आज भी मानते हैं।

50 साल बाद शनि अमावस्या पर शुक्र का नक्षत्र परिवर्तन

5 राशियों की बढ़ेंगी सुख सुविधाएं और होगा भाग्योदय

23 अगस्त को भाद्रपद अमावस्या की तिथि का पर्व मनाया जाएगा और इस अमावस्या को पिथौरा अमावस्या भी कहा जाता है। ग्रह का नक्षत्र परिवर्तन होने वाला है और ऐसा 50 साल बाद हो रहा है। इस दिन शुक्र कर्क राशि में रहते हुए पुष्य नक्षत्र में प्रवेश करेंगे और इस नक्षत्र के स्वामी स्वयं शनिदेव हैं। शुक्र ग्रह धन, विलासिता, समृद्धि और आर्थिक लाभ के कारक ग्रह हैं। साथ ही शुक्र ग्रह राशि चक्र के साथ-साथ एक निश्चित समय के बाद नक्षत्र परिवर्तन भी करते हैं। शनिदेव के ही नक्षत्र में शुक्र का नक्षत्र परिवर्तन 5 राशियों के लिए कल्याणकारी रहने वाला है।

शनि अमावस्या 2025 के दिन शुक्र का नक्षत्र गोचर वृषभ राशि वालों के लिए शुभ फलदायी रहने वाला है। यह समय उन लोगों के लिए अनुकूल होगा, जो नई नौकरी की तलाश में हैं या भूमिका में बदलाव की योजना बना रहे हैं। बिजनस में नए साझेदारी में प्रवेश करने की संभावना है और आप नए सौदों से अच्छा कमा सकते हैं। इस अवधि में आप अच्छे स्वास्थ्य का आनंद ले सकते हैं और उचित चिकित्सा सलाह से पिछले परेशानियों को दूर कर सकते हैं। शेयर बाजार और विभिन्न प्रकार के निवेश से कमाई की संभावना है और ससुराल पक्ष के साथ अच्छे संबंध रहेंगे।

शनि अमावस्या 2025 के दिन शुक्र का नक्षत्र गोचर कर्क राशि वालों के लिए अनुकूल रहने वाला है। इस अवधि में कर्क राशि वालों को कुछ अच्छी खबरें मिलेंगी और आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अच्छी बचत के अवसर होंगे और वे अपनी संपत्ति को काफी बढ़ा सकते हैं। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी और विभिन्न सौदों से सम्मान प्राप्त कर सकते हैं। अविवाहित लोगों के लिए उपयुक्त विवाह प्रस्ताव आएंगे। इस राशि के जातक जो काफी समय से नई नौकरी की खोज कर रहे हैं, उनको करियर की शुरुआत करने का मौका मिलेगा।

शनि अमावस्या के दिन शुक्र का नक्षत्र परिवर्तन कन्या राशि वालों के लिए कल्याणकारी साबित होगा। कन्या राशि वालों के करियर में अच्छी वृद्धि होगी और अधिकारियों व सहकर्मियों के साथ अच्छे संबंध रहेंगे। शुक्र नक्षत्र गोचर से पारिवारिक जीवन में खुशी रहेगी और कन्या राशि वाले अपने पार्टनर के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिता सकते हैं। अविवाहित लोगों के लिए नए प्रस्तावों की संभावना है। आपके व्यक्तिगत जीवन की सभी योजनाएं सही क्रियान्वयन के साथ सफल साबित होंगी। मकान व वाहन खरीदने की आपकी इच्छा पूरी होगी।

शनि अमावस्या 2025 के दिन शुक्र का नक्षत्र गोचर तुला राशि वालों के लिए विभिन्न अधूरे कार्यों को पूरा करने का शुभ समय साबित होगा क्योंकि तुला राशि के स्वामी शुक्र ग्रह ही हैं।

इस राशि के नौकरीपेशा लोगों को अधिकारियों का पूरा साथ मिलेगा और सैलरी स्तर में काफी वृद्धि होगी। नक्षत्र गोचर के कारण व्यापारियों को कई अवसर मिलेंगे, जिससे वे नए सौदे या साझेदारी कर सकते हैं। वित्तीय स्थिति अत्यंत स्थिर रहेगी और अच्छा धन संचित किया जा सकता है।

शनि अमावस्या 2025 के दिन शुक्र का नक्षत्र गोचर वृश्चिक राशि वालों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होने वाला है। इस अवधि में वृश्चिक राशि वालों की आय का स्तर कई गुणा बढ़ जाएगी और घर के लिए सुख सुविधाओं से संबंधित चीजों की खरीदारी भी करेंगे। पहले किए गए निवेश से आय प्राप्त होने की संभावना है, और लोग नए सौदों से भी लाभ कमा सकते हैं।

व्यापार, बुद्धि और वाणी में सुधार चाहिए तो बुध ग्रह को मजबूत करने के लिए करें यह उपाय

बुध ग्रह का असर

बुध ग्रह सिर्फ पढ़ाई-लिखाई या ज्ञान का ही कारक नहीं है, बल्कि यह आपके व्यक्तित्व, सुंदरता और बोलने की शैली को भी प्रभावित करता है। मजबूत बुध आपको उम्र से कम दिखा सकता है, आपकी वाक्-शक्ति को निखार सकता है और व्यापार में तरक्की दिला सकता है। अच्छी बुध स्थिति से आप कठिन हालात में भी समझदारी से फैसले ले पाते हैं।अगर बुध कमजोर हो, तो सोचने में उलझन, गलत लोगों पर भरोसा करना, और बार-बार असफलता जैसी परेशानियां सामने आती हैं। ऐसे में इसे मजबूत करने के लिए सही उपाय करना जरूरी है।

आसान उपाय – मंदिर में गंगाजल और तुलसी का सेवन

अगर आप चाहते हैं कि बुध ग्रह आपकी कुंडली में मजबूत हो जाए और जीवन में सकारात्मक बदलाव लाए, तो यह उपाय करें:

किसी भी विष्णु-लक्ष्मी मंदिर में जाएं – बुधवार का दिन इस उपाय के लिए सबसे अच्छा माना जाता है।

विष्णु जी के पास रखा गंगाजल और तुलसी लें – मंदिर के पंडित जी से विनम्रता से गंगाजल और तुलसी पाने के लिए कहें।

गंगाजल और तुलसी का सेवन करें – इसे श्रद्धा और विश्वास के साथ ग्रहण करें।

लगातार पांच बुधवार तक करें – पांच हफ्तों तक यह उपाय करने से बुध की स्थिति में सकारात्मक बदलाव आ सकता है।

क्यों असर करता है यह उपाय?

गंगाजल को पवित्र और ऊर्जावान माना जाता है। तुलसी में औषधीय और आध्यात्मिक दोनों तरह की शक्ति होती है। जब ये दोनों तत्व श्रद्धा और विश्वास के साथ ग्रहण किए जाते हैं, तो यह न केवल बुध ग्रह को मजबूत करते हैं, बल्कि आपके मानसिक संतुलन और सोचने की क्षमता को भी बढ़ाते हैं।

बुध मजबूत होने के फायदे

व्यापार और नौकरी में बेहतर फैसले लेने की क्षमता

आत्मविश्वास और आकर्षक व्यक्तित्व

रिश्तों में मिठास और संवाद कौशल में सुधार

पढ़ाई और करियर में तरक्की

सेहत और मानसिक शांति में सुधार

ध्यान देने वाली बातें

इस उपाय को करते समय मन में कोई संदेह न रखें।

बुधवार को हरा रंग पहनना और हरी मूंग दान करना भी बुध के लिए लाभकारी माना जाता है।

नकारात्मक सोच, गुस्सा और बेवजह की बहस से बचें, क्योंकि ये बुध की ऊर्जा को कम कर सकते हैं।

भगवान की तरह पूजे जाते हैं टॉलीवुड प्रिंस, फैंस ने बनवाया मंदिर; बॉलीवुड में नहीं करना चाहते काम

जब भारतीय सिनेमा के सुपरस्टार्स की बात होती है तो उसमें एक नाम तेलुगु सिनेमा के सुपरस्टार महेश बाबू का जरूर शामिल होता है। महेश बाबू एक एक्टर के अलावा प्रोड्यूसर भी हैं और उन्होंने कई फिल्मों को प्रोड्यूस किया है। महेश बाबू की कई फिल्मों को नॉर्थ में भी पसंद किया जाता है। बतौर चाइल्ट आर्टिस्ट अपना करियर शुरू करने वाले महेश बाबू साल 1999 में बतौर लीड एक्टर पहली बार नजर आए।

अपने करियर में लगभग 28 फिल्में बतौर लीड एक्टर कर चुके महेश बाबू अपने करियर में कई अवॉर्ड हासिल कर चुके हैं। इनमें 9 नंदी अवॉर्ड, पांच फिल्मफेयर अवॉर्ड (साउथ), चार एसआईआईएमए अवॉर्ड और 2 गद्दार तेलंगाना फिल्म अवॉर्ड शामिल हैं। टॉलीवुड के प्रिंस कहे जाने वाले महेश बाबू का जन्म 9 अगस्त 1975 को हुआ था। महेश बाबू आज अपना 50वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस मौके पर जानते हैं उनकी कुछ प्रमुख फिल्मों के बारे में। साथ ही महेश बाबू से जुड़े कुछ प्रमुख किस्से।

बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट की करियर की शुरुआत

महेश बाबू एक फिल्मी घराने से आते हैं। उनके पिता कृष्णा भी एक मशहूर अभिनेता थे। उनके भाई रमेश बाबू भी साउथ के जाने-माने एक्टर-प्रोड्यूसर थे। महेश बाबू ने अपने करियर की शुरुआत बतौर चाइल्ट आर्टिस्ट साल 1979 में आई फिल्म 'नीदा' से की थी। इस वक्त वो सिर्फ चार साल के थे। इसके बाद महेश बाबू ने साल 1990 तक कई फिल्मों में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट काम किया।

प्रीति जिंटा के साथ किया बतौर लीड एक्टर डेब्यू

बतौर लीड एक्टर महेश बाबू पहली बार साल 1999 में आई फिल्म 'प्रिंस नंबर 1' में नजर आए थे। इसमें उनके साथ प्रीति जिंटा प्रमुख भूमिका में नजर आई थीं। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही और महेश बाबू को इसके लिए बेस्ट मेल डेब्यू का नंदी अवॉर्ड भी मिला।

'राउडी चीता' और 'द वन' से मिली पहचान

इसके बाद महेश बाबू को पहचान मिली 2001 में आई फिल्म 'राउडी चीता' और 2003 में आई 'द वन' से। 'राउडी चीता' में उनके साथ सोनाली बेंद्रे प्रमुख भूमिका में हैं। जबकि 'द वन' में उनके साथ भूमिका चावला नजर आई हैं। 'द वन' के लिए महेश बाबू को उनका पहला तेलुगु फिल्मफेयर अवॉर्ड भी मिला।

इन सुपरहिट फिल्मों ने महेश बाबू को बनाया सुपरस्टार

इसके बाद महेश बाबू ने अपने करियर में एक के बाद एक सुपरहिट फिल्में दीं। इनमें 'चीता द पॉवर ऑफ वन' (2005), 'टपोरी वॉन्टेड' (2006), 'द रियल टाइगर' (2011), 'नंबर वन बिजनेसमैन' (2012), 'सबसे बढ़कर हम दो' (2013), 'द रियल तेवर' (2015), 'डैशिंग सीएम भरत' (2018), 'महर्षि' (2019), 'सरिलेरु नीकेवरु' (202), 'सरकारु वारी पाता' (2022) और उनकी हालिया रिलीज 'गुंटूर करम' (2024) शामिल हैं। ये महेश बाबू की सुपरहिट फिल्में हैं, जिन्होंने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की है।

राजामौली की 'एसएसएमबी 29' को लेकर चर्चाओं में हैं महेश बाबू

महेश बाबू इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'एसएसएमबी 29' को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। इस फिल्म को एसएस राजामौली बना रहे हैं। फिल्म में उनके साथ इंटरनेशनल स्टार प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म की अभी शूटिंग चल रही है। इस फिल्म के 2026 में रिलीज होने की संभावना है। इसे एक बड़े स्तर पर बनाया जा रहा है।

शादी से पहले महेश बाबू ने नम्रता शिरोडकर के सामने रखी थी ये शर्त

साउथ सुपरस्टार महेश बाबू ने बॉलीवुड अभिनेत्री नम्रता शिरोडकर से शादी की है। दोनों की लव स्टोरी साल 2000 में आई फिल्म 'वामसी' के सेट पर शुरू हुई थी। इसके बाद लगभग पांच साल तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद, साल 2005 में महेश बाबू ने नम्रता शिरोडकर से शादी कर ली। शादी से पहले महेश बाबू ने नम्रता के सामने शर्त रखी थी कि शादी के बाद वो फिल्मों में काम करना छोड़ देंगी। नम्रता ने ये शर्त मान ली। नम्रता ने शादी के बाद फिल्मों में काम करना छोड़ दिया और अपने परिवार पर ध्यान दिया। कपल के दो बच्चे बेटा गौतम और बेटी सितारा।

महेश बाबू से जुड़े किस्से

महेश बाबू उस वक्त काफी चर्चा में आ गए थे जब बॉलीवुड में काम करने के सवाल पर उन्होंने कहा था कि उन्हें बॉलीवुड में काम करने में कोई दिलचस्पी नहीं है। बॉलीवुड उन्हें अफॉर्ड भी नहीं कर सकता है। उनके इस बयान के बाद वो नॉर्थ इंडिया में लोगों के निशाने पर भी आ गए थे।

महेश बाबू तेलुगू सिनेमा के हाइएस्ट पेड स्टार हैं। उनकी फिल्में जब थिएटर्स में रिलीज होती हैं, तो फैन्स उनके पोस्टर को दूध से नहलाते हैं और खूब ढोल-नगाड़े बजाते हैं।

तेलुगु सिनेमा के सबसे बड़े सुपरस्टार माने जाने वाले महेश बाबू ने जब फिल्मों में शुरुआत की थी, तब उन्हें तेलुगु भाषा बिल्कुल नहीं आती थी। जबकि वो तेलुगु परिवार से ही आते थे। अपने शुरुआती वक्त में महेश बाबू को तेलुगु भाषा नहीं आती थी। वो फिल्मों के डायलॉग्स को रट्टा मारकर याद करते थे।

महेश बाबू की लोकप्रियता का आलम ये है कि फैन्स अपने चहेते स्टार को पूजते हैं। यही नहीं आंध्र प्रदेश में फैंस ने उनका मंदिर भी बनवाया है। उनका यह मंदिर आंध्रप्रदेश के कोंडापुरम में बनाया गया था, जिसमें एक्टर की बड़ी सी मूर्ति स्थापित की गई है।

फैन्स महेश बाबू के लिए किस कदर क्रेजी हो जाते हैं, इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है। जब 2017 में महेश बाबू की फिल्म 'स्पाइडर' रिलीज हुई थी तब फैन्स ने एक हेलिकॉप्टर से थिएटर्स पर फूलों की बारिश की थी। वहीं जब विशाखापट्टनम के एक थिएटर में महेश बाबू की फिल्म के टिकट नहीं मिले तो थिएटर के शीशे फोड़ डाले थे।

महेश बाबू का नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भी दर्ज है। वह पहले ऐसे एक्टर हैं, जिन्होंने सबसे ज्यादा पब्लिक सर्विस अनाउंस की हैं। एक्टर कई एनजीओ चलाते हैं और हजारों बच्चों की हार्ट सर्जरी करवा चुके हैं।

हाल ही में महेश बाबू पर 100 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप लगे हैं, जिसके संबंध में उन्हें ईडी का समन भी मिला है।

हुमा कुरैशी ने आखिर क्यों लिया निर्माता बनने का फैसला

हुमा कुरैशी और उनके भाई साकिब सलीम जल्द ही अपनी पहली प्रोडक्शन फिल्म 'बेबी डू डाई डू' रिलीज करने वाली हैं। अभिनय के अलावा, दोनों ने अब निर्माता बनने का फैसला किया है ताकि वे अच्छी कहानियों को खुद चुन सकें और उन्हें दर्शकों तक पहुंचा सकें।

हुमा क्यों बनीं निर्माता?

हिंदुस्तान टाइम्स की एक खबर के मुताबिक, हुमा का कहना है कि अभिनेत्री के तौर पर उन्हें हमेशा दूसरों के चुने हुए रोल पर निर्भर रहना पड़ता था। इससे उनमें निराशा थी, क्योंकि वे और भी बहुत कुछ कर सकती थीं। इसीलिए उन्होंने और साकिब ने खुद कहानियां बनाने का फैसला किया। उनकी पहली प्रोडक्शन फिल्म जल्द रिलीज होगी और इसके बाद हुमा एक इन्वेस्टिगेटिव फिल्म 'बयान' में नजर आएंगी।

हुमा क्या नया करना चाहती हैं?

39 साल की हुमा ने अपने शानदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीता है। इस लिस्ट में 'गैंग्स ऑफ वासेपुर', 'डेढ़ इश्किया' और 'जॉली एलएलबी 2' जैसी फिल्में शामिल हैं। अब वह नई और अच्छी कहानियां लाना चाहती हैं। वे कहती हैं कि उन्होंने और साकिब ने दूसरों के मौके का इंतजार करने के बजाय खुद मौके बनाने का फैसला किया। वे अपने प्रोडक्शन हाउस को ऐसा बनाना चाहती हैं, जहां नए चेहरों को मौका मिले और काम का माहौल बेहतर हो। हुमा का कहना है कि वे दूसरों की गलतियों को नहीं दोहराएंगी। भविष्य में वे बड़ी फिल्में बनाना चाहेंगी, लेकिन नए टैलेंट को मौका देने की कीमत पर नहीं।

हुमा का वर्कफ्रंट

हुमा और साकिब अपनी प्रोडक्शन कंपनी के जरिए नई कहानियां ला रहे हैं। उनकी पहली फिल्म 'बेबी डू डाई डू' जल्द रिलीज होगी। इसके अलावा हुमा फिल्म 'बयान' में भी नजर आएंगी।

मनिका विश्वकर्मा बनीं मिस यूनिवर्स इंडिया 2025

विश्व मंच पर करेंगी भारत का प्रतिनिधित्व

मनिका विश्वकर्मा का सपना सच हो गया। वह मिस यूनिवर्स इंडिया 2025 बन चुकी हैं। इस साल के आखिर में वह थाईलैंड में होने वाले 74वें मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। इस ब्यूटी पेजेंट ने मनिका विश्वकर्मा का जीवन बदल दिया, उन्हें अधिक आत्मविश्वासी बना दिया है।

जीत के बाद क्या बोलीं मनिका विश्वकर्मा

मिस यूनिवर्स इंडिया 2025 का ताज सिर पर सजने के बाद मनिका विश्वकर्मा कहती हैं, 'मेरा सफर शहर गंगानगर से शुरू हुआ। मैं दिल्ली आई और इस ब्यूटी कॉम्पिटिशन की तैयारी की। मैं उन सभी का शुक्रिया अदा करती हूं जिन्होंने मेरी मदद की और मुझे इस मुकाम तक पहुंचाया। यह ब्यूटी कॉम्पिटिशन एक खास दुनिया है, यहां हमारे अलग ही पर्सनालिटी, कैरेक्टर डेवलप होता है। यह जिम्मेदारी एक साल भर की नहीं, जिंदगी भर के लिए मेरे साथ रहेगी।'

ज्यूरी मेंबर उर्वशी रौतेला ने जाहिर की खुशी

मिस यूनिवर्स इंडिया 2025 की ज्यूरी मेंबर के तौर पर एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला भी इवेंट में मौजूद थीं। वह मनिका विश्वकर्मा की जीत पर खुश हैं। उर्वशी कहती हैं, 'कॉम्पिटिशन बहुत मुश्किल था, लेकिन विनर हमारे साथ है। हमें बहुत खुशी है कि मनिका विनर बनीं। अब वह मिस यूनिवर्स में हमें जरूर गर्व करने का मौका देंगी।'

एक्टर अच्युत पोतदार का निधन 90 की उम्र में ली अंतिम सांस

90 साल की उम्र में अभिनेता अच्युत पोतदार ने अंतिम सांस ली है। वह हिंदी फिल्मों में सहायक भूमिकाओं के लिए जाने जाते हैं। आमिर खान की फिल्म '3 इडियट्स' में अच्युत पोतदार ने एक प्रोफेसर का रोल किया था। उनका फिल्म में एक चर्चित डायलॉग था, 'अरे कहना क्या चाहते हो?' यह डायलॉग फिल्म के बाद काफी पॉपुलर हुआ, मीम्स की दुनिया में भी यह डायलॉग खूब इस्तेमाल किया जाता है।

अचुत्य पोतदार की बेटी अनुराधा पारस्कर ने अपने पिता के निधन की जानकारी दी। वह कहती हैं, 'अगले तीन दिनों में यानी 22 अगस्त को वह 91 साल के हो जाते। उनकी उम्र बढ़ती जा रही थी, लेकिन कल दोपहर (सोमवार) में वह बेहोश हो गए, और हमने उन्हें जुपिटर अस्पताल में भर्ती कराया और फिर कुछ ही घंटों के भीतर लगभग 9 बजे उनके हार्ट ने काम करना बंद कर दिया। इसके बाद शरीर के कई अंगों ने काम करना बंद कर दिया। उनका अंत बहुत जल्दी और शांतिपूर्ण तरीके से हुआ।' बेटी ने ही पुष्टि की है कि अचुत्स पोतदार का अंतिम संस्कार मंगलवार शाम ठाणे में होगा।

सेना में दी अपनी सेवाएं, 44 साल में शुरू किया अभिनय

मध्य प्रदेश के रीवा में प्रोफेसर के तौर पर अच्युत पोतदार ने काम किया। फिर वह सेना में शामिल हुए। 1967 में कैप्टन के पद से रिटायर हुए। आगे चलकर उन्होंने इंडियन ऑयल कंपनी में काम किया। यही काम करते हुए वह थिएटर से जुड़ गए, स्टेज पर प्ले में एक्टिंग करने लगे। फिर 44 साल की उम्र में फिल्मों की दुनिया में कदम रखा। वह फिल्म '3 इडियट्स' में एक प्रोफेसर का रोल निभाकर ही मशहूर हुए थे।

इन फिल्मों में भी आए नजर

सिर्फ आमिर खान की '3 इडियट्स' में ही अच्युत पोतदार ने अभिनय नहीं किया। वह कई बड़ी फिल्मों का हिस्सा बने। वह 'दबंग 2', 'फेरारी की सवारी' और अमिताभ बच्चन की 'भूतनाथ' में भी नजर आए थे। टीवी सीरियल 'अमिता का अमित' में भी उन्होंने अभिनय किया।

भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा के ब्लैक ड्रेस में कातिल अदाओं पर दिल हारे फैंस

मोनालिसा ने भोजपुरी फ़िल्मों से लेकर छोटे पर्दे पर खूब नाम कमाया है. एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और अपनी तस्वीरों से आग लगाए रहती हैं. मोनालिसा भोजपुरी इंडस्ट्री की जानी मानी एक्ट्रेस है, जो अपने स्टाइल, डांसिंग स्किल्स और अपने पावरफुल टीवी रोल के लिए जानी जाती है. फिलहाल एक्ट्रेस की लेटेस्ट तस्वीरें इंटरनेट पर आग लगा रही हैं. भोजपुरी स्टार मोनालिसा की सोशल मीडिया पर काफ़ी बड़ी फॉलोइंग लिस्ट है,

जहाँ वह अपने फैशन, लाइफ़स्टाइल और प्रोफैशनल अपडेट देती रहती हैं. हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एख ब्लैक ड्रेस लुक से फ़ैन्स का दिल जीत लिया. मोनालिसा ने इस लुक में ब्लैक और गोल्डन कलर का सीक्वेंस ड्रेस पहना है.

टॉप पतले स्ट्रैप्स वाला कैमिसोल-स्टाइल टॉप है जिसकी नेकलाइन के बीच में शीर मेश कपड़ा लगाया हुआ है, जो इस लुक को एक क्लासी टच दे रहा है. इस आउटफ़िट में क्रिस-क्रॉस बैक डिज़ाइन है जो इस लुक को काफ़ी बोल्ड अवतार दे रही है. इस पूरे आउटफ़िट को बाँधने के लिए एक गोल्डन कलर का मैटेलिक बेल्ट दिया गया है. इस लुक को भारी स्टेटमेंट गोल्डन झुमके, राइट हाथ पर गोल्डेन चूड़ियाँ और एक साइड के बालों को साईड हेयर क्लिप से पेन करने से एक्सेसराइज किया गया है. इस आउटफ़िट को और ग्लैमरस बनाने के लिए मोनालिसा ने एक ब्लैक कलर का एंकल बूट्स पहना है. मोनालिसा ने अपने बालों को एक पोनीटेल में बाँधा हुआ है और मेकअप के लिए रेड लिपस्टिक और आँखों को गोल्डन रखा है. मोनालिसा का ये लुक काफ़ी ग्लैमरस और स्टेज-रेडी लग रहा है. इस ब्लैक आउटफ़िट में गोल्डन काम एक शानदार टच दे रहा है और बूट्स और पोनीटेल इसे काफ़ी स्टाइलिश बना रहा है.

डिप्रेशन में चले गए थे रणदीप हुड्डा अब नेटवर्थ इतनी की सुन लगेगा झटका

एक्टर रणदीप हुड्डा इंडस्ट्री के जाने-माने एक्टर हैं. रणदीप को जाट, राधे, Extraction, लव आज कल, सरबजीत, लाल रंग, सुल्तान,किक, जिस्म 2 जैसी फिल्मों में देखा जा चुका है. एक्टर ने इंडस्ट्री में अपने कदम जमाने के लिए बहुत मेहनत की है. आइए जानते हैं एक्टर के बारे में.

जब रणदीप को बेचना पड़ा सबकुछ

रणदीप हुड्डा ने अपने स्ट्रगल फेज के बारे में बात की. उन्होंने कहा, 'मेरी इस जर्नी में कई बार ऐसा वक्त आया जब में साल में एक बार भी सेट पर नहीं गया. मैं 23 सालों की करियर जर्नी में से 11 साल सेट पर नहीं गया. कई बार मेरे पास बिल्कुल भी पैसे नहीं थे. आगे क्या करना है इसे लेकर मुझे कुछ नहीं पता था. एक समय ऐसा आया जब मैंने सबकुछ बेच दिया. मेरे पास कुछ नहीं बचा था. एक बार तो मैंने अपना घोड़ा रणजी भी बेच दिया था, लेकिन मुझसे बर्दाश्त नहीं हुआ और मैं घोड़ा लेकर आया वापस. फिल्म द बैटल ऑफ सारागढ़ी के लिए मैंने 3 साल तक दाढ़ी बढ़ाई. लेकिन फिल्म पूरी नहीं हुई.'

डिप्रेशन में चले गए थे रणदीप हुड्डा

आगे रणदीप ने बताया, 'ये मेरा मुश्किल भरा समय था. मैं डिप्रेशन में भी गया. मुझे लगा कि जिंदगी आधी हो गई है. फिर मैं गुरुद्वारा गया और माफी मांगी. एक समय ऐसा आया जब मेरे पास 3 साल तक काम नहीं था. मेरा वजन भी बढ़ने लगा था. मेरे पेरेंट्स भी टेंशन में थे. लेकिन मैंने फिर खुद को खड़ा किया और हिम्मत जुटाई.'

रणदीप हुड्डा की नेटवर्थ

लेकिन अब रणदीप करोड़ों के मालिक हैं. उनकी नेटवर्थ की बात करें तो रिपोर्ट् के मुताबिक, उनकी नेटवर्थ 70 से 80 करोड़ रुपये है. वो एक फिल्म के लिए 5-10 करोड़ रुपये चार्ज करते हैं. रणदीप को घोड़ों का शौक है. उनके पास 6 घोड़े हैं. उनके पास घोड़ों का अस्तबल है. रणदीप अपना प्रोडक्शन हाउस भी चलाते हैं. इस प्रोडक्शन हाउस के तले वो स्वतंत्र वीर सावरकर जैसी फिल्म ला चुके हैं. उनके पास मुंबई में 20 करोड़ की लागत वाला घर है.

ब्राउन कलर की बॉडीकॉन ड्रेस में जैकलीन फर्नांडीस ने लगा दी आग

जैकलीन फर्नांडीज एक बार फिर अपनी ग्लैमरस फोटोज से सोशल मीडिया पर छा गई हैं. अपने बेबाक अंदाज के लिए फेमस इस अभिनेत्री ने हाल ही में कई खूबसूरत नई तस्वीरें शेयर की हैं, जिन्होंने फैंस के दिलों को लूट लिया है. उनकी ये लेटेस्ट तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं.

जैकलीन ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर कई तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें वह अपनी फ्रेंड्स के साथ पार्टी करती नजर आ रही हैं. एक्ट्रेस एक ब्राउन कलर की लॉन्ग टाइगर प्रिंट की बॉडीकॉन ड्रेस में काफी स्टाइलिश लग रही हैं. जैकलीन तस्वीरों में मिनिमल मेकअप में भी बला की हसीन दिख रही हैं. इस फोटोज में उनकी आंखें दिलों को घायल कर रही हैं.

इस फोटो में जैकलीन अपनी कातिल अदाओं से फैंस को दीवाना बना रही हैं. जैकलीन इस फोटो में अपनी टोन्ड फिगर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं. वहीं जैकलीन की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं और फैंस उनकी तस्वीरों को देखकर आहें भर रहे हैं. इस तस्वीर में एक्ट्रेस की ग्लैम आंखें उनके हुस्न में चार चाद लगा रही हैं.

कई फैंस एक्ट्रेस की ब्यूटी की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं. कुछ ने उन्हें कमेंट सेक्शन में गॉर्जियस लिखा तो कुछ ने कहा बहुत खूबसूरत हैं इस बीच जैकलीन फर्नांडीस के वर्क फ्रंट की बात करें तो एक्ट्रेस की आखिरी रिलीज फिल्म हाउसफुल 5 थीं. वहीं कहा जा रहा है कि वे तेलुगु सिनेमा में एक एक्साइटिंग नए प्रोजेक्ट के लिए तैयार हैं. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अभिनेत्री की एक फेमस तेलुगु फिल्म मेकर के साथ एक वुमन सेंट्रिक फिल्म के लिए बातचीत कर रही हैं. हालाँकि, इस प्रोजेक्ट के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं दी गई है.

घर में बनाना चाहते हैं किचन गार्डन बरसात में आसानी से उगाएं ये पौधे

बरसात के मौसम में गार्डनिंग का एक अलग ही मजा होता है. इस मौसम में पौधे बड़ी आसानी से लग जाते हैं और थोड़ी सी मेहनत में ही बगीचा लहलहा उठता है. ऐसे में अगर आप घर पर अपना एक किचन गार्डन बनाने की सोच रहे हैं तो यह मौसम इसके लिए बिलकुल सही है. आप किचन गार्डन में बड़ी आसानी से ऐसे हर्ब उगा सकते हैं जिनकी खुशबू से खाने का जायका बढ़ सकता है. यही नहीं, इन महंगे हर्ब को खरीदने के लिए आपको सालों भर बाजार के चक्कर भी नहीं काटने पड़ेंगे. तो आइए जानते हैं कि आप किचन गार्डन में किन पौधों को उगा सकते हैं.

किचन गार्डन में लगाएं ये पौधे

करी पत्ता

करी पत्ता बड़ी आसानी से बरसात के मौसम में आप उगा सकते हैं और तड़के के लिए करी पत्ते का इस्तेमाल कर सकते हैं. बरसात के मौसम में आप इसका कलम भी लगा सकते हैं और इसका बीज डालकर भी आसानी से इसे गमले में लगा सकते हैं.

मिंट

मिंट यानी पुदीना, इसका इस्तेमाल आप ना केवल खाने के स्वाद को बढ़ाने के लिए करते हैं

बल्कि इससे तरह तरह के ड्रिंक और चटनियां भी बना सकते हैं. यह हमारी सेहत के लिए भी काफी अच्छा हर्ब होता है. अगर आप बरसात के मौसम में किसी गमले या पानी में मिंट की डाल को रख दें या मिट्टी में दबा दें तो यह बड़ी आसानी से पौधा बन जाता है और सालोंभर हरा भरा रहता है.

बेसिल

मानसून में आप इटैलियन हर्ब बेसिल को बड़ी आसानी से लगा सकते हैं और इसकी देखभाल कर सकते हैं. अगर ये एक बार मिट्टी में लग गई तो यह सालोंभर हरी-भरी रहती है और इसके पत्तों को इस्तेमाल आप पास्ता, मैकरोनी, पास्ता आदि बनाने में कर सकते हैं.

इसे भी पढ़ें : होम डेकोरेशन के लिए घर लाएं 5 बड़े प्लांट, हवा रहेगी शुद्ध, आशियाना भी दिखेगा हरा-भरा

लेमनग्रास

लेमनग्रास भी किचन गार्डन में आप आसानी से उगा सकते हैं. इसकी ताजा पत्तियों को आप चाय के साथ उबाल कर पियें तो यह स्वास्थ्य लाभ तो देगी ही, आपकी सुबह को भी ताजगी से भर देगी.

धनिया पत्ता

धनिया के पत्ते भी किचन में खूब इस्तेमाल आता है. आप अगर इसे गार्डन में लगाना चाहते हैं तो किचन में मौजूद सूखी धनिया को अच्छी तरह मसल लें. अब जब ये आधी टूट जाए तो आप इसे गमले की मिट्टी में कम से कम आधी इंच अंदर दबा दें . कुछ ही दिनों में पत्तियां लहलहा उठेंगी.

हरी मिर्च

हरी मिर्च भी बड़ी आसानी से घर में लग जाते हैं. इसके लिए आप सूखी मिर्च के बीच को गमलों में मिट्टी के अंदर दबा दें. और रोज उनमें पानी देते रहें. कुछ ही दिनों में क्यारियों में पौधे आ जाएंगे.

हाथ-पैर की त्वचा हो गई है बेजान, स्किन की ब्राइटनेस बढ़ाने के लिए नींबू का करें इस्तेमाल

धूप और गर्मी से स्किन झुलस जाती है. खासतौर पर हाथ और पैरों की स्किन पर टैनिंग बड़ी आसानी से हो जाती है. दरअसल हाथ पैर की स्किन हर वक्त धूल, हवा और धूप के संपर्क में आते हैं जिसकी वजह से ये डल, ड्राई और बेजान दिखने लगती हैं. अगर आप बिना पार्लर गए इस समस्या को दूर करना चाहते हैं तो हम यहां एक बहुत ही असरदार होम रेमेडी बता रहे हैं. अगर आप इसे एक बार इस्तेमाल कर लें तो अगली बार आपको महंगे मेनिक्योर पेडिक्योर करने की जरूरत नहीं पड़ेगी. तो आइए जानते हैं कि आप घर पर मिनटों में बिना किसी अतिरिक्त खर्च के अपनी स्किन को ब्राइट और बेबी सॉफ्ट किस तरह बना सकते हैं.

हाथ पैर की त्वचा को इस तरह बनाएं ब्राइट

सामग्री – एक नींबू, आधा चम्मच हल्दी पाउडर, आधा चम्मच कॉफी पाउडर, आधा चम्मच शैंपू

बनाने और इस्तेमाल का तरीका

एक नींबू लें और उसे आधा काट लें. अब नींबू के ऊपर आधा चम्मच हल्दी पाउडर डाल लें. अब इस पर शैंपू डालें. शैंपू के साथ आधा चम्मच कॉफी पाउडर भी डाल लें. अब आप इस नींबू को हाथ पैर या शरीर को उस हिस्से पर हल्के हाथ से रगड़ना शुरू करें जहां की स्किन डार्क हो गई है. कुछ देर रगड़ते हुए आप इसे पूरे स्किन पर फैलाएं.

स्किन पर तेजी से बढ़ रहा है पिगमेंटेशन? हफ्ते में 2 दिन लगाएं ये फेस पैक

चेहरे से पिंपल्स या एक्ने के दाग तो कुछ दिनों में हील हो जाते हैं, लेकिन अगर एक बार चेहरे पर पिगमेंटेशन की समस्या शुरू हो जाती है तो इसे रोकना मुश्किल हो जाता है. ये आपके पूरे चेहरे पर दाग छोड़ सकता है और स्किन की खूबसूरती को छीन सकता है. ऐसे में अगर आप सही समय पर इसे रोकने का उपाय करें तो परेशानियों से बच सकते हैं और दाग धब्बों को दूर रख सकते हैं. यहां हम बता रहे हैं कि आप किन होममेड फेस पैक की मदद से चेहरे पर हुए पिगमेंटेशन के दाग को दूर कर सकते हैं.

पिगमेंटेशन दूर करने वाले होममेड फेस पैक

हल्दी फेस पैक

स्किन की रोनक को बढ़ाने के लिए आप हल्दी का इस्तेमाल कर सकते हैं. यह चेहरे को पिंपल्स आदि से तो बचाता ही है, स्किन से दाग धब्बों

को दूर करने का भी काम करता है. इसकी मदद से आप पिगमेंटेशन की समस्या को भी दूर कर सकते हैं. इसका फेस पैक बनाने के लिए आप एक कटोरी में आधा चम्मच हल्दी पाउडर लें और इसमें आधा चम्मच शहद मिला लें. अब इसे मिलाएं और पेस्ट बना लें. अब इसे पूरे चेहरे पर लगाएं. 15 मिनट के बाद चेहरे को अच्छी तरह धो लें. हफ्ते में 2 बार अगर आप इसका इस्तेमाल करें तो काफी फायदा मिल सकता है.

टमाटर बेसन फेस पैक

टमाटर में ब्लीचिंग एजेंट होता है जो चेहरे पर टैनिंग, दाग धब्बों को कम करने में काफी उपयोगी हो सकता है. इसका फेस पैक बनाने के लिए आप एक कटोरी में पीसा हुआ टमाटर का पेस्ट ले लें और इसमें 2 चम्मच बेसन मिला लें. अब आप इसमें एलोवेरा जेल आधा चम्मच मिलाएं. अब इसे चेहरे गर्दन या अन्य जगह पर लगाएं और करीब 15 मिनट के लिए सूखने छोड़ दें. अब इसे आप पानी से अच्छी तरह धो लें. इसे भी आप सप्ताह में 2 दिन इस्तेमाल में लाएं.

पैसे बचाने की आदत कैसे सीखें इन तरीकों से डालें पैसे बचाने की आदत

क्या आपको कभी ऐसा लगा कि पैसे बचाना बहुत मुश्किल काम है? हर महीने खर्चे बढ़ते जाते हैं और जेब में कुछ बचता ही नहीं।

लेकिन सच तो ये है कि बचत करना कोई बड़ी बात नहीं है, ये एक छोटी सी आदत है जो आपकी जिंदगी को आसान और सुरक्षित बना सकती है। चाहे आपको अचानक पैसों की जरूरत पड़े या अपने सपनों को पूरा करना हो, थोड़ी सी बचत आपके लिए बहुत कुछ कर सकती है।

बचत की शुरुआत छोटे-छोटे कदमों से करनी चाहिए। शुरू में आपको लग सकता है कि आपकी मौजूदा कमाई में से कुछ नहीं बचेगा, लेकिन जब मैंने अपने खर्चों पर नजर रखी और थोड़ा प्लान किया तो सब आसान हो गया। आज मैं आपको बताने जा रहा हूं कि आप भी बचत की आदत कैसे बना सकते हैं और इसे अपनी जिंदगी का हिस्सा कैसे बना सकते हैं।

आज 'गुड हैबिट्स' कॉलम में पैसों की बचत की आदत के बारे में बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि-

बचत क्यों जरूरी है?

बचत करने के क्या फायदे हैं?

बचत न करने से क्या नुकसान हो सकता है?

बचत क्यों जरूरी है?

आज की दुनिया में हर चीज महंगी होती जा रही है। किराया, बिजली का बिल, बच्चों की फीस - सब कुछ बढ़ रहा है। ऐसे में अगर आपके पास थोड़े बचत के पैसे नहीं हैं, तो मुश्किल हो सकती है। बचत आपको न सिर्फ मुसीबत के समय काम आती है, बल्कि आपके सपनों को पूरा करने का रास्ता भी बनाती है।

मिसाल के तौर पर, अगर अचानक डॉक्टर का खर्चा आ जाए या गाड़ी खराब हो जाए, तो बचत ही आपका सहारा बनती है। और अगर आप छुट्टियों पर जाना चाहते हैं या भविष्य के लिए कुछ बड़ा प्लान कर रहे हैं, तो इसके लिए भी बचत जरूरी है। ये आपको मानसिक सुकून देती है और जिंदगी को हल्का बनाती है।

बचत की आदत के 5 बड़े फायदे

बचत करना सिर्फ पैसे जोड़ना नहीं, बल्कि अपनी जिंदगी को बेहतर बनाना है।

मुसीबत में आपको कर्ज नहीं लेना पड़ेगा।

आपको आर्थिक जरूरतों की चिंता कम होगी।

आप अपने सपने पूरे कर पाएंगे, खुशी होगी।

अचानक आए खर्चों के लिए तैयार रहेंगे।

निवेश करने के लिए पैसे बढ़ेंगे।

बचत की आदत कैसे बनाएं?

अब सवाल ये है कि बचत शुरू कैसे करें? ये कोई जादू नहीं, बस थोड़ा स्मार्ट तरीका चाहिए।

अपने लक्ष्य तय करें

सबसे पहले सोचें कि आप बचत क्यों करना चाहते हैं। क्या आपको गाड़ी चाहिए? या बच्चों की पढ़ाई के लिए पैसे चाहिए? लक्ष्य छोटा हो या बड़ा, उसे साफ लिख लें। मेरा पहला लक्ष्य था 6 महीने का इमरजेंसी फंड बनाना और ये सोचकर मुझे हिम्मत मिली।

अपने खर्चों को जानें

पिछले महीने का हिसाब देखें। चाय, स्नैक्स, बिल- सब नोट करें। आप हैरान होंगे कि कितना पैसा छोटी-छोटी चीजों पर चला जाता है। एक बार आपको पता चल जाए कि पैसा कहां जा रहा है, तो उसे रोकना आसान हो जाएगा।

बजट बनाएं

बजट मतलब आपकी कमाई और खर्च का हिसाब। अपनी सैलरी देखें, फिर जरूरी खर्चे जैसे किराया, राशन अलग करें। इसके बाद बचत के लिए एक हिस्सा रखें। इसे ऐसा बनाएं कि आपको लगे कि "हां, ये मैं कर सकता हूं।"

पहले खुद को दें

जैसे ही सैलरी आए, सबसे पहले थोड़ा पैसा अपने बचत खाते में डालें। इसे अपने लिए एक तोहफा समझें। मैं हर महीने 10% पहले बचाता हूं, फिर बाकी खर्च करता हूं।

बचत को ऑटोमैटिक करें

बैंक में ऑटो ट्रांसफर सेट करें। हर महीने एक तारीख चुनें, जब आपकी सैलरी का कुछ हिस्सा सीधे बचत खाते में चला जाए। इससे आपको सोचना भी नहीं पड़ेगा।

छोटी शुरुआत करें

अगर एकदम से 5000 बचाना मुश्किल लगे, तो 500 से शुरू करें। धीरे-धीरे इसे बढ़ाएं। जब आप अपने खाते में पैसे बढ़ते देखेंगे, तो मजा आएगा।

इमरजेंसी फंड बनाएं

कम से कम 3-6 महीने के खर्च के बराबर पैसा अलग रखें। ये आपके लिए ढाल की तरह काम करेगा। मैंने इसे धीरे-धीरे बनाया और आज मुझे चैन की नींद आती है।

बिना सोचे खर्च से बचें

कभी कुछ अच्छा दिखे तो रुकें। सोचें- क्या ये सच में चाहिए? मैं अब कोई बड़ी चीज खरीदने से पहले 2 दिन इंतजार करता हूं। अक्सर बाद में लगता है कि वो जरूरी नहीं था।

फालतू खर्च कम करें

बाहर खाना, सब्सक्रिप्शन, महंगे शौक - इन पर नजर डालें। जो जरूरी न हो, उसे हटाएं। उस पैसे को बचत में डालें। छोटी-छोटी बचत बाद में बड़ी बन जाती है।

खुद को रिवॉर्ड दें

अपने लक्ष्य किसी दोस्त को बताएं। जब आप कोई मकसद पूरा करें, तो खुद को शाबाशी दें। मिसाल के लिए, 5000 बचाने के बाद मैंने अपनी पसंद की मिठाई खाई।

बचत न करने का नुकसान

अगर आप बचत नहीं करते, तो मुश्किल वक्त में आपको दूसरों पर निर्भर होना पड़ सकता है। कर्ज लेना पड़ सकता है, जो और तनाव बढ़ाता है। आपके सपने अधूरे रह सकते हैं। इसलिए आज से ही शुरू करें, ताकि कल को पछतावा न हो।

छोटी बहन है बहुत शरारती? अनुशासन सिखाने के लिए अपनाएं ये टिप्स

भाई-बहनों का रिश्ता बहुत अटूट होता है। वह एक दूसरे के दोस्त होते हैं, साथ ही बड़े भाई या बहन अपने से छोटे के गार्जियन भी होते हैं। जब परिवार में छोटी बहन आती है, जो बड़े भाई या बहन को उसकी देखरेख की जिम्मेदारी मिल जाती है। छोटी बहन को संभालना, घर से बाहर जाने पर उसकी निगरानी करना, उसे पढ़ाना, उनके साथ खेलना आदि बड़े भाई या बहन का रोज का कार्य बन जाता है। बहनें सहेलियां बन जाती हैं तो वहीं भाई के लिए जिम्मेदारी बन जाती हैं। लेकिन कई बार छोटे होने के कारण अधिक लाड प्यार में बेटी ज्यादा शरारती हो जाती है। जिद्दी और अपनी मनमर्जी की करने लगते हैं। ऐसे में माता पिता से ज्यादा बड़े भाई या बड़ी बहन की जिम्मेदारी है कि वह अपनी

शरारती और नटखट छोटी बहन को बिगड़ने से बचाएं और उनके व्यवहार में सुधार करें। छोटी बहन को लाड़ देने के साथ ही उन्हें अनुशासन सिखाने का काम भी बड़े भाई या बहन का ही होता है। अगर आपकी भी छोटी बहन जरूरत से ज्यादा शरारती है तो उसे अनुशासन सिखाने के लिए भाई-बहन करें ये काम।

छोटी बहन को समझाएं

बच्चे कुछ गलत करें या जरूरत से अधिक शरारत करें तो उन्हें समझाना चाहिए कि उनका यह बर्ताव गलत है। शरारतों पर डांटने मात्र से बच्चे को उसकी गलती पता नहीं चलती। गलत और सही के बारे में छोटी बहन को सिखाएं। उन्हें बताएं कि हर बात के लिए जिद्द करना, गुस्सा करना गलत बात होती है। प्यार से समझाने पर वह अनुशासन सीखेंगे।

संगत पर दें ध्यान

बड़े भाई या बड़ी बहन की जिम्मेदारी है कि वह अपने से छोटे बच्चे की संगत पर ध्यान दें। छोटी बहन के दोस्त कैसे हैं, वह किन बच्चों के साथ खेलती है और उनसे क्या सीखती है, इस पर निगरानी करें, ताकि बहन को अनुशासन सिखा सकें और गलत राह पर जाने से रोक सकें।

सख्ती और सहानुभूति जरूरी

आप भले ही छोटी बहन को कितना भी प्यार करते हैं, पर जरूरत से ज्यादा लाड़ प्यार उनके लिए नुकसानदायक हो सकता है। ऐसे में थोड़ी सख्ती बहन को एक अच्छा इंसान बनने में मदद करेगी। उन पर कुछ सख्ती रखें, वहीं सहानुभूति भी दिखाएं ताकि उन्हें महसूस हो कि आप उन्हें समझते हैं।

विकल्प दें

बहन जिद्दी और गुस्सैल हो गई है या बहुत शरारत करती है तो उसे डांट नहीं बल्कि विकल्प दें। छोटी बहन से पूछें कि वह आपके समझाने पर बात मानेगी या सीधे माता पिता का हस्तक्षेप हो? बड़ा भाई या बहन अपने से छोटे को यह समझाने का प्रयास कर सकते हैं कि आप उनका साथ देंगे लेकिन उन्हें भी आपका साथ देना चाहिए।

क्या आप भी रिश्ते में गलतफहमियों से परेशान हैं? अपनाएं बातचीत के ये सात ट्रिक्स

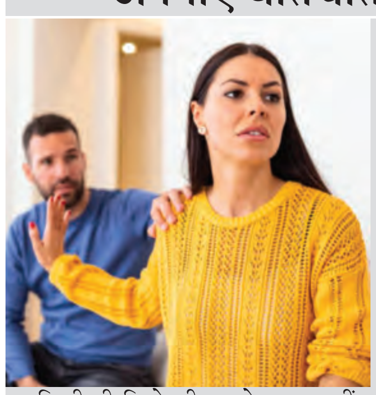

किसी भी रिश्ते की सबसे मजबूत नींव कम्युनिकेशन यानी संवाद है। अगर कपल्स के बीच सही और ईमानदार तरीके से बातचीत होती है तो रिश्ता लंबे समय तक खुशहाल बना रहता है। वहीं संवाद की कमी से छोटी-छोटी बातें भी बड़ी गलतफहमी में बदल सकती हैं। अगर आप भी अपने रिश्ते को मजबूत और प्यार से भरा बनाना चाहते हैं तो पार्टनर के साथ संवाद बेहतर बनाएं। हालांकि कई बार बातचीत के दौरान कुछ गलतियां रिश्ते को और खराब कर सकती हैं। इस लेख में सात आसान तरीके बताए जा रहे हैं, जिसे अपनाकर आप अपने पार्टनर के साथ बेहतर बातचीत कर सकते हैं। रिश्ते को लंबा और खुशहाल बनाने के लिए बातचीत सबसे बड़ा टूल है। ईमानदारी, प्यार और समझदारी से किया गया संवाद हर रिश्ते को मजबूत बनाता है।

ध्यान से सुनना

कपल के बीच संवाद में जरूरी सिर्फ बोलना नहीं है, बल्कि पार्टनर की बात ध्यान से सुनना भी जरूरी है। जब आप पूरी तन्मयता से सुनते हैं तो सामने वाले को लगता है कि उसकी बात की अहमियत है।

ईमानदार और साफ बातचीत करें

किसी भी रिश्ते में सच्चाई बहुत मायने रखती है। अगर आपको कोई बात परेशान कर रही है, तो उसे छुपाने की बजाय शांति से और स्पष्ट शब्दों में कहें।

"मैं" वाले वाक्य का इस्तेमाल करें

अक्सर लोग किसी विवाद की स्थिति में पार्टनर पर आरोप लगाते हैं और आसानी से "तुम हमेशा ऐसा करते हो" जैसे वाक्य बोलते हैं। आरोप लगाने की बजाय "मुझे ऐसा लगता है" जैसे वाक्यों का इस्तेमाल करें। इससे बातचीत सकारात्मक रहेगी और झगड़े की संभावना कम होगी।

गुस्से में बातचीत से बचें

अगर आप गुस्से में हैं तो बातचीत को टाल दें। सही वक्त और सही माहौल में बात करना रिश्ते के लिए ज्यादा बेहतर होता है।

टेक्नोलॉजी का सही इस्तेमाल करें

आज के समय में चैट और वीडियो कॉल के जरिए भी प्यार और इमोशन शेयर किया जा सकता है। खासकर लॉन्ग डिस्टेंस रिलेशनशिप में यह बहुत मददगार साबित होता है।

पार्टनर की भावनाओं की कद्र करें

कभी-कभी सिर्फ एक छोटे तरीके या वाक्य से रिश्तों में मिठास भर सकते हैं। सिर्फ एक धन्यवाद या मैं तुम्हें समझता या समझती हूं, कहना भी रिश्ते में प्यार और भरोसा बढ़ाता है।

बातचीत को रोजमर्रा की आदत बनाएं

सिर्फ किसी बड़े मुद्दे पर ही नहीं, बल्कि छोटी-छोटी बातें जैसे दिनभर का अनुभव, प्लान या फीलिंग्स भी एक-दूसरे से शेयर करें। कितने भी व्यस्त क्यों न, रोजाना 15 मिनट का वक्त अपने साथी से बातचीत के लिए निकालें।

शिव-पार्वती के रिश्ते से हर विवाहित जोड़े को सीखनी चाहिए ये बातें

हिंदू धर्म में हरतालिका तीज का काफी महत्व है, जिसे भाद्रपद महीने के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। इस व्रत को सबसे कठिन व्रतों में से एक माना जाता है, क्योंकि इसमें व्रती महिलाओं को पूरे 24 घंटे निर्जल रहकर उपवास करना होता है।

हरतालिका तीज न केवल एक धार्मिक पर्व है, बल्कि ये शिव और पार्वती के अटूट प्रेम, समर्पण और संयम की प्रतीक भी है। इस दिन सुहागिन स्त्रियां अपने पति की लंबी उम्र और सुखद वैवाहिक जीवन के लिए व्रत रखती हैं। शिव-पार्वती के पवित्र संबंध से विवाहित जोड़ों को कई गहरी और जीवन को सुंदर बनाने वाली सीखें मिलती हैं। यहां हम आपको इसी बारे में जानकारी देने जा रहे हैं।

समर्पण और धैर्य की परीक्षा

किसी भी रिश्ते में समर्पण और धैर्य सबसे अहम होता है। ये चीज हर कपल को माता पार्वती और भोलेनाथ से सीखनी चाहिए। जैसे कि पार्वती जी ने भगवान शिव को पाने के लिए वर्षों तक कठोर तप किया। इसीलिए ध्यान रखें कि सच्चे प्रेम में समय, धैर्य और समर्पण की अहम भूमिका होती है। कोई भी रिश्ता जल्दी में नहीं, बल्कि समझ और इंतजार से मजबूत बनता है।

एक-दूसरे के सच को अपनाना

किसी भी कपल को अपने पार्टनर की जिंदगी के सच को झुठलाना नहीं चाहिए। ठीक वैसे ही जैसे माता पार्वती ने भोलेनाथ को स्वीकार किया। भगवान शिव तपस्वी, औघड़, और भौतिक सुखों से दूर रहने वाले देवता थे। फिर भी पार्वती जी उनके रूप, जीवनशैली और आदतों के साथ उन्हें स्वीकारा। जीवनसाथी को जैसे वो हैं, वैसे ही अपनाना चाहिए।

समानता और सम्मान का रिश्ता

हर कपल को सीखना चाहिए कि रिश्ता समानता और सम्मान का होता है। ठीक वैसे ही, जैसे कि शिव-पार्वती का रिश्ता बराबरी का है। वे एक-दूसरे की सलाह लेते हैं, संवाद करते हैं और हर निर्णय में भागीदारी निभाते हैं। पति-पत्नी का रिश्ता मालिक-नौकर जैसा नहीं, बल्कि दो बराबर आत्माओं का मेल होता है।

मतभेदों में भी प्रेम बनाए रखना

कपल को ध्यान रखना चाहिए कि किसी भी रिश्ते मे मतभेद होना गलत नहीं है, लेकिन मनभेद का होना बेहद गलत है। ठीक वैसे जैसे कि भगवान शिव और माता पार्वती के बीच भी कभी-कभी मतभेद हुए लेकिन उन्होंने कभी रिश्ते को खत्म नहीं किया, बल्कि संवाद और प्रेम से सुलझाया। हर रिश्ते में मतभेद होंगे, लेकिन इन्हें कभी अहमियत नहीं देनी चाहिए। हमेशा समझदारी और प्रेम बड़ा होना चाहिए।

चीन पर नहीं पड़ा ट्रंप की धमकी का असर

रूस से दोगुना किया तेल खरीदना, भारत ने कर दी कटौती

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। चीन पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकी का कोई असर नहीं पड़ा है। ट्रंप ने रूस से कच्चा तेल खरीदने वाले देशों पर भारी टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। इसका असर भारत पर भी पड़ा था। ट्रंप ने भारत पर 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ सिर्फ इसलिए लगाया था कि भारत रूस से काफी मात्रा में तेल खरीद रहा था। चीन और भारत रूसी तेल के सबसे बड़े खरीदार हैं। ट्रंप ने कहा कि अगर रूस से कोई देश तेल खरीदना जारी रखता है तो उस पर और टैरिफ लगाया जाएगा। इसके बाद भारत ने तेल में कटौती तो कर दी लेकिन चीन ने खरीद बढ़ा दी है। चीन के तेल रिफाइनर रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीद रहे हैं। भारत अब रूस से कम तेल ले रहा है, इसलिए चीन को मौका मिल गया है। आमतौर पर, चीन रूस के पूर्वी हिस्से से तेल खरीदता है। लेकिन अगस्त में उसने पश्चिमी रूस से भी तेल खरीदा है। केप्लर के अनुसार अगस्त में लगभग 75,000 बैरल प्रतिदिन यूराल तेल का शिपमेंट हुआ है। यह इस साल के औसत 40,000 बैरल से लगभग दोगुना है। वहीं, भारत का आयात घटकर 400,000 बैरल प्रतिदिन हो गया है, जबकि पहले यह 1.18 मिलियन बैरल था।

ट्रंप ने लगाया टैरिफ

ट्रंप यूक्रेन में युद्ध को समाप्त करने की कोशिश कर रहे हैं। इसलिए, पूरी दुनिया की नजर तेल के व्यापार पर है। अमेरिका ने भारत पर रूसी तेल खरीदने के लिए शुल्क बढ़ा दिया है। हालांकि, चीन के साथ व्यापार को लेकर अभी कोई ऐसा कदम नहीं उठाया गया है। चीन और भारत, दोनों ही रूस से सबसे ज्यादा तेल खरीदते हैं।

चीन के प्रति अमेरिका का अलग रवैया

अमेरिका के अलग-अलग रवैये से चीन को फायदा हो रहा है। पिछले शुक्रवार को ट्रंप ने कहा कि वह चीन पर रूसी तेल खरीदने के लिए शुल्क नहीं बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ युद्ध को समाप्त करने में प्रगति हुई है।

बीमा-दवाओं समेत खाद्य पदार्थ पर 0 जीएसटी

टीवी-फ्रिज होंगे सस्ते; जानें किन चीजों के घटेंगे दाम

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। आम आदमी को बड़ी राहत मिलेगी। जीएसटी के दो स्लैब होने से जीवन व स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम, दवाएं, टूथब्रश और बालों के तेल पर शून्य टैक्स हो सकता है। छोटी कारों, एसी, टीवी व फ्रिज पर टैक्स दरें कम हो सकती हैं। हालांकि तंबाकू व सिगरेट महंगे हो जाएंगे। प्रस्तावित जीएसटी 2.0 ढांचा के तहत सरकार वस्तु एवं सेवा कर यानी जीएसटी के दो स्लैब 5 और 18 फीसदी लाएगी। बीमा प्रीमियम पर जीएसटी 18% के बजाय शून्य या 5% के दायरे में आ सकता है। इससे आम सहित वरिष्ठ नागरिकों व बीमा कंपनियों को फायदा होगा। खाद्य पदार्थ, दवाइयां, चिकित्सा उपकरण, स्टेशनरी, शैक्षिक उत्पाद और टूथब्रश व बालों के तेल सहित जरूरी वस्तुएं या तो कर मुक्त रहेंगी या 5 फीसदी दायरे में आ जाएंगी। टीवी, एसी व रेफ्रिजरेटर जैसी वस्तुएं 28 के बजाय 18 फीसदी की श्रेणी में आ सकती हैं। सरकार ने विशेष ध्यान देने वाले क्षेत्रों के रूप में ऑटोमोबाइल, हस्तशिल्प, कृषि उत्पाद, कपड़ा व उर्वरक की भी पहचान की है।

छोटी कारों पर 10 फीसदी घटेगा टैक्स

छोटी पेट्रोल और डीजल कारों पर कर मौजूदा 28 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी किया जा सकता है। इससे हाइब्रिड कारों व दोपहिया वाहनों को भी फायदा होगा। उस पर भी टैक्स घटाने की योजना है। इससे कारों की बिक्री 15 से 20% बढ़ सकती है।

उच्च इंजन क्षमता वाली कारों पर 40 फीसदी कर

उच्च इंजन क्षमता वाली कारों पर अभी 28 फीसदी जीएसटी और 22 फीसदी तक अतिरिक्त शुल्क के साथ कुल 50 फीसदी कर लगता है। यह 40 फीसदी पर आ सकता है। इस बात पर विचार किया जा रहा है कि क्या बड़ी कारों पर कुल कर 43%-50% के समान ही रखने के लिए 40% के ऊपर कोई अतिरिक्त शुल्क लगाया जाना चाहिए। जीएसटी सुधारों का उद्देश्य खुदरा कीमतों को कम करना है। सीमेंट सस्ता हो सकता है। खुदरा सामान और चप्पल-जूतों के भी सस्ता होने की उम्मीद है।

ट्रैक्टर पर 12 की जगह 5 फीसदी टैक्स

ब्रोकरेज फर्म जेफरीज का मानना है कि ट्रैक्टर पर वर्तमान में 12% का कर 5% स्लैब में आ सकता है। एसी 18% कर स्लैब में आ सकता है। खाद्य पदार्थों पर 12 की जगह 5% टैक्स हो सकता है।

मांग में 2.4 लाख करोड़ की बढ़त

जीएसटी सुधार की घोषणा से 2.4 लाख करोड़ रुपये की मांग में वृद्धि का अनुमान है। दरों में कटौती से निम्न आय वाले परिवारों पर बोझ कम होगा। मॉर्गन स्टेनली ने कहा, खुदरा महंगाई में 0.40 फीसदी की गिरावट का अनुमान है।दो स्लैब के लागू होने पर 12 प्रतिशत स्लैब में शामिल 99 प्रतिशत वस्तुएं 5 प्रतिशत और शेष 18 प्रतिशत के स्लैब में आ जाएंगी। 28 प्रतिशत के स्लैब में शामिल 90 प्रतिशत वस्तुएं और सेवाएं 18 प्रतिशत स्लैब में आ जाएंगी।

हरे निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार

सेंसेक्स 370 अंक चढ़ा, निफ्टी 24900 के पार

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन यानी मंगलवार को शेयर बाजार हरे निशान पर बंद हुआ। मुख्य रूप से रिलायंस इंडस्ट्रीज और टाटा मोटर्स के शेयरों में तेजी रही। विशेषज्ञों ने कहा कि दिवाली तक जीएसटी में बड़े सुधारों की योजना और भू-राजनीतिक चिंताओं में कमी से बाजार में आशावाद बना हुआ है। लगातार चौथे कारोबारी दिन बढ़त के साथ, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 370.64 अंक या 0.46 प्रतिशत उछलकर 81,644.39 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, यह 482.13 अंक या 0.59 प्रतिशत बढ़कर 81,755.88 पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 103.70 अंक या 0.42 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,980.65 पर आ गया।सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा मोटर्स में सबसे ज़्यादा 3.5 प्रतिशत की बढ़त रही, जबकि अदानी पोर्ट्स में 3.16 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। रिलायंस इंडस्ट्रीज में 2.82 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। इटरनल, टेक महिंद्रा, कोटक महिंद्रा बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर और मारुति भी लाभ में रहीं। वहीं बजाज फिनसर्व, पावर ग्रिड, महिंद्रा एंड महिंद्रा और एचसीएल टेक पिछड़ गए।

जीएसटी सुधार और क्रेडिट रेटिंग का पड़ा असर

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, कि जीएसटी को तर्कसंगत बनाए जाने और भारत की क्रेडिट रेटिंग में हाल में हुए सुधार की उम्मीदों से उत्साहित घरेलू बाजार में नई तेजी जारी रही। रूस और यूक्रेन के बीच भू-राजनीतिक तनाव कम होने के संकेतों से भी बाजार में अतिरिक्त आशावाद आया।

एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोप के बाजार बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाज़ार सोमवार को बिना किसी बदलाव के बंद हुए।

ब्रेंट क्रूड का भाव घटकर 65.98 डॉलर प्रति बैरल पहुंचा

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.93 प्रतिशत घटकर 65.98 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 550.85 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे। सोमवार को सेंसेक्स 676.09 अंक या 0.84 प्रतिशत बढ़कर 81,273.75 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 245.65 अंक या 1 प्रतिशत चढ़कर 24,876.95 पर बंद हुआ।

सरकारी कंपनी से अनिल अंबानी को मिली खुशखबरी, रॉकेट बन गए शेयर

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में सोमवार की तूफानी तेजी के बाद आज मंगलवार को भी बाजार में रैली देखने को मिल रही है. मार्केट का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स खबर लिखे जाने तक 445.16 अंकों की तेजी के साथ 81,718.91 पर ट्रेड कर रहा है. इसी बीच अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस इंफ्रा के शेयरों में भी तेजी देखी जा रही है. कंपनी के शेयरों में 4 फीसदी से ज्यादा की तेजी देखी गई. आइए समझते हैं कि आखिर रिलायंस इंफ्रा के शेयर इतना बढ़ रहे हैं. अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (रिलायंस इंफ्रा) के शेयर मंगलवार को 4% बढ़ गए. ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि कंपनी को सरकारी कंपनी एनएचपीसी से 390 मेगावाट की सोलर पावर प्रोजेक्ट के लिए लेटर ऑफ अवार्ड (एलओए) मिला है. यह प्रोजेक्ट एक बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएस) और इंटर-स्टेट ट्रांसमिशन सिस्टम के साथ है.

कंपनी के शेयरों में आया उछाल

जब यह प्रोजेक्ट शुरू होगा, तो रिलायंस ग्रुप के पोर्टफोलियो में 700 मेगावाट सोलर डीसी क्षमता और 780 मेगावाट-घंटा बीईएसएस क्षमता जुड़ जाएगी. इससे कंपनी का न्यू एनर्जी सॉल्यूशंस में दबदबा और बढ़ेगा. रिलायंस इंफ्रा ने बताया कि इस प्रोजेक्ट का टैरिफ 3.13 रुपये प्रति किलोवाट-घंटा है, जो इसे भारत के क्लीन एनर्जी ट्रांसफॉर्मेशन में सबसे सस्ते और प्रतिस्पर्धी प्रोजेक्ट्स में से एक बनाता है. इस खबर के बाद रिलायंस इंफ्रा का शेयर 3.60% चढ़कर 271.85 रुपये तक पहुंच गया. यह लगातार तीसरा दिन है जब शेयर में तेजी देखी गई. यह प्रोजेक्ट एनएचपीसी की एक टेंडर का हिस्सा है, जिसमें 15 कंपनियों ने बोली लगाई थी. इनमें से 14 कंपनियां ई-रिवर्स ऑक्शन के लिए क्वालिफाई हुईं. टेंडर को करीब चार गुना ज्यादा सब्सक्रिप्शन मिला, जो दिखाता है कि रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट्स में इंडस्ट्री की कितनी दिलचस्पी है. रिलायंस ग्रुप की दूसरी कंपनी, रिलायंस पावर, पहले से ही करीब 2.5 गीगावाट सोलर पावर और 2.5 गीगावाट-घंटा बीईएसएस क्षमता का पोर्टफोलियो चला रही है. इस नए प्रोजेक्ट के साथ, ग्रुप की क्लीन एनर्जी क्षमता 3 गीगावाट से ज्यादा सोलर डीसी और 3.5 गीगावाट-घंटा बीईएसएस तक पहुंच गई है. इससे रिलायंस ग्रुप सोलर-प्लस-बीईएसएस सेक्टर में देश की सबसे बड़ी कंपनी बन गई है.

सोना-चांदी धड़ाम: एक लाख से नीचे आया गोल्ड

चांदी के दाम में भी गिरावट, खरीदने का अच्छा मौका

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। सोने और चांदी की कीमत में गिरावट आई है। सोमवार को सोने की कीमत एक लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के नीचे आ गई। वहीं चांदी का दाम 800 रुपए प्रति किलो से अधिक कम हो गया। इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक सोमवार को 24 कैरेट सोने का दाम 400 रुपये कम होकर 99,623 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। यह पहले 1,00,023 रुपये प्रति 10 ग्राम पर था। वहीं 22 कैरेट सोने की कीमत घटकर 91,255 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई। इसके अलावा 18 कैरेट सोने का दाम कम होकर 74,717 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है। यह लगातार तीसरा कारोबारी सत्र है जब सोने की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है। वहीं चांदी का दाम 883 रुपये कम होकर 1,14,050 रुपये प्रति किलो हो गया है। एमसीएक्स पर भी सोने और चांदी की कीमत में गिरावट आई। मंगलवार दोपहर 2:30 बजे गोल्ड के 3 अक्टूबर 2025 के कॉन्ट्रैक्ट का दाम 124 रुपये कम होकर 99,277 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। वहीं चांदी के 5 सितंबर 2025 के कॉन्ट्रैक्ट में कीमत 342 रुपये कम होकर 1,13,250 रुपये थी। एक दिन पहले यानी सोमवार को भी सोने और चांदी की कीमत में कमी आई थी।इंटरनेशनल मार्केट में कॉमैक्स पर सोमवार को सोने और चांदी की कीमतों में मिलाजुला कारोबार हुआ। सोने की कीमत 0.09 प्रतिशत घटकर 3,379 डॉलर प्रति औंस और चांदी की कीमत 0.22 प्रतिशत बढ़कर 38.05 डॉलर प्रति औंस रही। एलकेपी सिक्योरिटीज के जतिन त्रिवेदी ने कहा कि रूस-अमेरिका की बैठक का कोई रिजल्ट न निकलने के कारण सोने में सपाट कारोबार हुआ। अगर आगे बातचीत से समाधान की तरफ कोई भी कदम बढ़ता है तो सोने पर दबाव देखने को मिल सकता है। सोने की कीमतें 99,000 से 1,01,500 रुपये प्रति 10 ग्राम की रेंज में रह सकती हैं। ऑग्मोंट की शोध प्रमुख रेनिशा चैनानी ने कहा कि निवेशक अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक के विवरण जारी होने का इंतजार कर रहे हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति

सूर्य	सिंह
चन्द्र	मिथुन
मंगल	कन्या
बुध	कर्क
गुरु	मिथुन
शुक्र	मिथुन
शनि	मीन
राहु	कुंभ
केतु	सिंह

लग्नारंभ समय

सिंह---	05-50 बजे
कन्या--	07-57 बजे
तुला----	10-02 बजे
वृश्चिक...	12-12 बजे
धनु......	14-25 बजे
मकर...	16-32 बजे
कुंभ....	18-22 बजे
मीन....	20-00 बजे
मेष.....	21-37 बजे
वृष.....	23-25 बजे
मिथुन..	01-25 बजे
कर्क....	03-38 बजे

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426874
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126

सूर्योदय 06-02, सूर्यास्त 18-38

दिशाशूल- उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- द्वादशी 13-58 तक उपरान्त त्रयोदशी
मास- भाद्रपद कृष्ण , बुधवार 20 August
नक्षत्र- पुनर्वसु 00-26 तक उपरान्त पुष्य
योग - सिद्धि 18-13 तक व्यतिपात
करण- तैतिल 13-58 तक उप गर
विशेष:- प्रदोष व्रत गोवत्स पूजा
व्रत -त्योहार बछबारस कर्के शुक्र रात से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 12-19 से 13-54 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया		
लाभ	06-02 - 07-36	शुभ
अमृत	07-36 - 09-10	शुभ
काल	09-10 - 10-45	अशुभ
शुभ	10-45 - 12-19	शुभ
रोग	12-19 - 13-54	अशुभ
उत्पात	13-54 - 15-28	अशुभ
चंचल	15-28 - 17-03	शुभ
लाभ	17-03 - 18-38	शुभ

रात का चौघड़िया		
उत्पात	18-38 - 20-03	अशुभ
शुभ	20-03 - 21-28	शुभ
अमृत	21-28 - 22-54	शुभ
चंचल	22-54 - 00-19	शुभ
रोग	00-19 - 01-45	अशुभ
काल	01-45 - 03-10	अशुभ
लाभ	03-10 - 04-36	शुभ
उत्पात	04-36 - 06-02	अशुभ

पिता आईएएस, मां संस्कृत की प्रोफेसर: माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला अब अकूत संपत्ति के मालिक

हैदराबाद, 19 अगस्त (एजेंसियां)। दुनिया की दूसरी सबसे वैल्यूएबल टेक कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला का आज जन्मदिन है। सत्या नडेला भारतीय मूल के हैं जो अमेरिका की इस दिग्गज कंपनी की कमान संभाल रहे हैं। सत्या नडेला के नेतृत्व में माइक्रोसॉफ्ट पिछले एक दशक से नई ऊंचाइयों को छू रही है। सत्या नडेला का जन्म 19 अगस्त 1967 को हैदराबाद में हुआ था। उनके पिता आईएएस अधिकारी अधिकारी और मां संस्कृत की प्रोफेसर थीं। हैदराबाद पब्लिक स्कूल से पढ़ाई करने के बाद उन्होंने साल 1988 में मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की। इसके बाद वे अमेरिका गए और कंप्यूटर साइंस में एमएस किया। बाद में उन्होंने शिकागो बूथ स्कूल ऑफ बिजनेस से एमबीए पूरा किया।

नडेला ने अपने करियर की शुरुआत सन माइक्रोसिस्टम्स से की। लेकिन साल 1992 में वे माइक्रोसॉफ्ट से जुड़ गए। शुरुआती दिनों में उन्होंने सर्वर ग्रुप से काम शुरू किया और बाद में सॉफ्टवेयर, ऑनलाइन सर्विसेज, रिसर्च एंड डेवलपमेंट समेत कई अहम प्रोजेक्ट्स का हिस्सा रहे। माइक्रोसॉफ्ट में नडेला को 'क्लाउड गुरु' कहा जाता है। उनके नेतृत्व में माइक्रोसॉफ्ट ने क्लाउड कंप्यूटिंग के क्षेत्र में ऐतिहासिक छलांग लगाई और अज्यूर को दुनिया के सबसे बड़े क्लाउड प्लेटफॉर्म्स में शामिल कराया।

11 साल पहले संभाली सीईओ की कमान

नडेला साल 2014 में माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ बने। उस समय कंपनी कई चुनौतियों से जूझ रही थी। नडेला ने क्लाउड, मोबाइल और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर जोर देकर कंपनी को फिर से टेक इंडस्ट्री का दिग्गज बना दिया। साल 2021 में उन्हें कंपनी का चेयरमैन भी नियुक्त किया गया।नडेला ने साल 1992 में अनुपमा से विवाह किया। वे वर्तमान में अपने परिवार के साथ अमेरिका के वॉशिंगटन में रहते हैं। क्रिकेट और फिटनेस के शौकीन नडेला को पेस्ट्री और मीठा खाना बहुत पसंद है। वे खुद को आजीवन सीखने वाला मानते हैं और खाली समय में ऑनलाइन कोर्स करने और कविता पढ़ने का आनंद लेते हैं।फोर्ब्स के मुताबिक सत्या नडेला की नेटवर्थ करीब 1.1 अरब डॉलर है। सत्य नडेला की संपत्ति का मुख्य कारण है उन्हें मिलने वाली अच्छी सैलरी, माइक्रोसॉफ्ट के शेयरों की बढ़ती कीमत और कंपनी के शेयरधारकों के साथ उनका तालमेल। कंपनी के वित्तीय वर्ष 2024 के अनुसार, नडेला के पास माइक्रोसॉफ्ट के 867,989 शेयर हैं। एक शेयर की कीमत करीब 517.10 डॉलर है। इस हिसाब से उनके शेयरों की कुल कीमत करीब 449 मिलियन डॉलर है। माइक्रोसॉफ्ट के साल 2024 के आंकड़ों से पता चलता है कि नडेला का वेतन पिछले साल के मुकाबले 63% बढ़कर 79,106,183 डॉलर हो गया। उन्हें यह वेतन कई चीजों को मिलाकर मिला है। इसके अलावा इनके पास सिएटल साउंडर्स एफसी में भी हिस्सेदारी भी है।

उद्यमिता का नया कीर्तिमान स्थापित किया पतंजलि ने

- विश्वसनीयता, प्रमाणिकता, गुणवत्ता व प्रतिस्पर्धा में पतंजलि हर दिन नया इतिहास बना रहा है,- पतंजलि को मिला अंतरराष्ट्रीय स्तर का एईओ टीयर-2 प्रमाणपत्र

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। आज़ादी के अमृत महोत्सव में घर-घर में विश्वास का प्रतीक बनी पतंजलि फूड्स लिमिटेड ने स्वदेशी इतिहास में एक और स्वर्णिम अध्याय जोड़ दिया है। वर्ल्ड कस्टम्स ऑर्गेनाइजेशन और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय – भारतीय सीमा शुल्क ने पतंजलि को एईओ टीयर -2 प्रमाणपत्र प्रदान किया है। यह प्रमाणपत्र विश्वस्तरीय व्यापार में ईमानदारी, पारदर्शिता और सप्लाई चेन सुरक्षा के उच्चतम मानकों का प्रतीक है। भारत की सर्वोच्च कंपनियों में केवल गिनी-चुनी कंपनियों के पास ही यह दर्जा है, और एफएमसीजी सेक्टर में तो यह प्रमाणपत्र केवल कुछ ही कंपनियों को प्राप्त है। अब इस सूची में पतंजलि का नाम भी जुड़ गया है। उल्लेखनीय है कि पतंजलि फूड्स को इस प्रमाणपत्र से कम्पनी को ड्यूटी डिफर्ड पेमेंट,बैंक गारंटी से छूट डायरेक्ट पोर्ट डिलीवरी, 24x7 क्लियरेंस सुविधा इत्यादि के साथ और कुल 28 प्रकार से अधिक अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक लाभ प्राप्त होंगे।

पतंजलि ने अपने गुणवत्ता की प्रामाणिकता ,कर्मयोग, कर्तव्यनिष्ठा और स्वदेशी भावना के बल पर यह विशेष मानक प्राप्त किया है। यह केवल एक प्रमाणपत्र नहीं, बल्कि भारत की आर्थिक आज़ादी को और मज़बूत करने वाला सम्मान है। स्वामी रामदेव जी का संदेश: पतंजलि विश्वसनीयता,प्रमाणिकता, प्रतिस्पर्धा व गुणवत्ता के क्षेत्र में प्रतिदिन नई गति से आगे बढ़ रहा है तथा व्यावसायिक क्षेत्र में उद्यमिता के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है ,जो भारत को आर्थिक रूप से विश्वगुरु बनते देखना चाहता है। यह प्रमाणपत्र हमारे राष्ट्रनिर्माण के संकल्प को और मज़बूत करता है। हम वचन देते हैं कि 'स्वदेशी से स्वाभिमान' के इस पथ पर हम और तेज़ गति से आगे बढ़ेंगे और 'मेक इन इंडिया' को वैश्विक शिखर तक पहुंचाएंगे।

आचार्य बालकृष्ण जी ने कहा यह उपलब्धि पतंजलि के संपूर्ण परिवार, कर्मचारियों और उपभोक्ताओं की सामूहिक साधना का फल है। प्रमाणपत्र हमारे कार्य की पारदर्शिता, गुणवत्ता और अंतरराष्ट्रीय मानकों पर खरे उतरने का प्रमाण है,इससे निर्यात की गतिविधियों में वृद्धि होगी और देश की अर्थव्यवस्था सुदृढ होगी यह सम्मान हमें न केवल देश की सीमाओं के भीतर बल्कि विश्व के हर कोने में भारतीय संस्कृति, आयुर्वेद और स्वदेशी उत्पादों के संबर्धन में सहयोगी साबित होगी। हम संकल्प लेते हैं कि पतंजलि को विश्व के शीर्ष ब्रांड्स में स्थापित करेंगे और भारत के निर्यात को नई ऊँचाइयों तक ले जाएंगे।

आरबीआई ने 36000 करोड़ की सरकारी प्रतिभूतियों के लिए री-इश्यू जारी करने का किया एलान,22 अगस्त को नीलामी

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। सरकार ने 22 अगस्त, 2025 को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से आयोजित नीलामी के जरिए 36,000 करोड़ रुपये की कुल अधिसूचित राशि के साथ दो सरकारी प्रतिभूतियों (जी-सेक) को फिर से जारी करने का एलान किया है। आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार पुनर्निर्गम (री-इश्यू) में 5.91 प्रतिशत सरकारी प्रतिभूति (जीएस) 2028 के 6,000 करोड़ रुपये और 6.33 प्रतिशत जीएस 2035 के 30,000 करोड़ रुपये शामिल होंगे। इसके अलावा, सरकार के पास दोनों प्रतिभूतियों में से प्रत्येक के खिलाफ 2,000 करोड़ रुपये तक की अतिरिक्त सदस्यता बनाए रखने का विकल्प होगा। नीलामी आरबीआई के मुंबई कार्यालय में होगी। आरबीआई कोर बैंकिंग सॉल्यूशन (ई-कुबेर) प्रणाली के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक रूप से बोलियां प्रस्तुत की जाएंगी। गैर-प्रतिस्पर्धी बोलियां सुबह 10:30 से 11:00 बजे के बीच स्वीकार की जाएंगी, जबकि प्रतिस्पर्धी बोलियां उसी दिन सुबह 10:30 से 11:30 बजे तक स्वीकार की जाएंगी।

आपका राशिफल

मेष — चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आपका कार्य जीवन उत्साह ला सकता है, नई शुरुआत की चिंगारी जगा सकता है। अपनी प्रवृत्ति पर भरोसा करें और अपनी परियोजनाओं को पोषित करें। विवरण पर ध्यान देकर, आपकी उत्पादकता बढ़ाई जा सकती है। विलक्षण कार्यों की अपेक्षा करें, और अपने अध्ययन या कैरियर में बदलावों को अपनाएँ। रचनात्मक ऊर्जाएँ पनपेंगी, जिससे यह दिन गतिशील संभावनाओं और आशाजनक अंत का दिन बनेगा।

वृष — ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज, कर्क राशि में सूर्य चिंतनशील, पर्दे के पीछे के कामों का पक्षधर है। मिथुन राशि में चंद्रमा संचार और अनुकूलनशीलता को बढ़ाता है, जिससे आपको कार्यों को शालीनता से संभालने में मदद मिलती है। बृहस्पति वर्ग शनि सपनों और वास्तविकता के बीच संतुलन का आग्रह करता है। योजना बनाने पर ध्यान केंद्रित करें।

मिथुन — का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
जैसे-जैसे आत्मविश्वास आपके कार्यों को गति देता है, आपकी सामाजिक उपस्थिति और भी मज़बूत होती जाती है। स्वतंत्र निर्णय आपके मार्ग को आकार देते हैं, जिससे आप अपनी मौलिकता के साथ अलग नज़र आते हैं। तार्किक सोच आपकी योजना बनाने और अपने काम या पढ़ाई में निरंतरता बनाए रखने की क्षमता को बढ़ावा देती है। प्रगति निरंतर होती है।

कर्क — ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आप ऊर्जावान महसूस करते हैं और साहसिक कदम उठाने के लिए तैयार हैं, अपने करियर में रचनात्मक प्रेरणा का संचार करते हैं। नवाचार सहजता से प्रवाहित होता है, जिससे आपको नई अंतर्दृष्टि के साथ समस्याओं का समाधान करने में मदद मिलती है। आपको निर्णायक रूप से कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

सिंह — मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
एक मालिक के रूप में, अपने अधीनस्तों के लिए आपमें एक दिल है । उन्हें ज्यादा उत्साह के साथ प्रदर्शन करने के लिए आपकी प्रशंसा की जरूरत है। उनसे बात करें और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए आप किसी पार्टी का आयोजन भी कर सकते है । वे इसके लिए आप का आदर करेंगे।

कन्य — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आज आपका करियर अंतर्ज्ञान और स्पष्ट सोच के सहज संतुलन द्वारा समर्थित है। मेष राशि में चंद्रमा आपकी प्रेरणा और उत्साह को बढ़ाता है, जबकि कर्क राशि में सूर्य आपको सहानुभूति के माध्यम से दूसरों से जुड़ने में मदद करता है। आप विचारों को अच्छी तरह से व्यक्त करते हैं, विकास और स्पष्टता दिखाते हैं।

तुला — रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आपकी भावनात्मक अंतर्ज्ञान में वृद्धि हुई है, जो आपके करियर के निर्णयों का मार्गदर्शन करती है। सामंजस्य की भावना काम पर आपके रचनात्मक प्रयासों को बढ़ावा देती है, जो आपकी परियोजनाओं के माध्यम से चमकती है। हालाँकि तीव्र भावनात्मक जीवन और भावनात्मक संघर्ष पढ़ाई में संतुलन बनाए रखने की आपकी क्षमता को चुनौती दे सकते हैं।

वृश्चिक — तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आप सुरक्षात्मक और भावनात्मक रूप से संवेदनशील महसूस कर सकते हैं, परिचित, व्यक्तिगत स्थानों में आराम की तलाश कर सकते हैं। अप्रत्याशित ऊर्जा आपको अनुकूलनीय बनाती है, लेकिन चिंता करने की प्रवृत्ति रखती है। दूसरों के साथ बातचीत तनाव या शिकायतों का कारण बन सकती है। संघर्ष उत्पन्न हो सकते हैं, जिससे आप अपने रिश्तों में सामंजस्य और सहज, सरल संबंध की चाहत रख सकते हैं।

धनु — ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
अपने काम या अध्ययन के पैटर्न में बदलाव की अपेक्षा करें। लचीले बने रहें और बदलावों को धैर्य के साथ अपनाएँ। मानसिक कोहरा स्पष्टता को धीमा कर सकता है, लेकिन अतिरिक्त ऊर्जा को उत्पादक गतिविधि में लगाएँ। आत्मविश्वास आपकी प्रगति का समर्थन करता है, जबकि विवरणों पर सावधानीपूर्वक ध्यान आपको ट्रैक पर बने रहने में मदद करता है।

मकर — भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
काम पर संबंधों को बेहतर बनाने में मदद मिलती है, जबकि तेज विश्लेषणात्मक कौशल आपको विस्तार से ध्यान केंद्रित करने में मदद करते हैं। तार्किक सोच और सावधानीपूर्वक योजना बनाना प्रगति लाता है, लेकिन नियंत्रण करने की इच्छा से बचें। इसके बजाय, अपनी तीव्रता को विचारशील संचार में लगाएं।

कुंभ — गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आप अपने पेशेवर जीवन में आत्मविश्वास से भरपूर हैं और अपनी साहसिक और रचनात्मक अभिव्यक्ति से ध्यान आकर्षित करते हैं। अंतर्ज्ञान आपके निर्णय लेने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिससे नए समाधान स्वाभाविक रूप से सामने आते हैं। आपकी तीक्ष्ण बुद्धि जहाँ तीव्र सोच को बढ़ावा देती है।

मीन — दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज काफी सारी बाते आपके ध्यान देने योग्य होगी जिससे आप का सब पर ध्यान लगाना मुश्किल होगा । ज्यादा तनाव न पाले । बैठ कर शांति से निर्णय के बारे में सोचे और उसके अनुसार कार्य करे । आज आप एक पुराने दोस्त से मिल सकते है। कोई जानकर आपके सामने एक दिलचस्प प्रस्ताव रख सकता है जिसको जानकर आप लालायित हो सकते है परन्तु सोच समझकर निर्णय ले ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

आईपीएस कुलदीप द्विवेदी बने सीबीआई के संयुक्त निदेशक

रांची में संभाल चुके हैं एसएसपी का पद, नियुक्ति को मिली एसीसी की मंजूरी

रांची, 19 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड कैडर के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी कुलदीप द्विवेदी को देश की प्रमुख जांच एजेंसी केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो में संयुक्त निदेशक के पद पर नियुक्त किया गया है। उनके साथ ही असम-मेघालय कैडर के आईपीएस अधिकारी सी. वेंकट सुब्बा रेड्डी को भी इसी पद पर जिम्मेदारी सौंपी गई है।

कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) की ओर से जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि इन दोनों अधिकारियों की नियुक्ति को कैबिनेट की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने भी अपनी मंजूरी प्रदान कर दी है।

झारखंड कैडर के अधिकारी हैं कुलदीप द्विवेदी

कुलदीप द्विवेदी 2005 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं और फिलहाल वे सीबीआई में उप महानिरीक्षक (डीआईजी) के पद पर कार्यरत थे। अपनी ईमानदारी, सूझबूझ और पेशेवराना अंदाज के लिए पहचान बनाने वाले द्विवेदी ने सीबीआई में रहते हुए कई अहम मामलों की जांच की है।

उनकी नियुक्ति संयुक्त निदेशक के रूप में पांच वर्षों की अवधि के लिए की गई है। आधिकारिक आदेश के अनुसार वे 17 जनवरी 2029 तक इस पद पर कार्यरत रहेंगे। झारखंड कैडर से सीबीआई में इतने महत्वपूर्ण पद पर जिम्मेदारी मिलना राज्य के लिए भी गौरव की बात है।

वहीं असम-मेघालय कैडर के 2007 बैच के आईपीएस अधिकारी सी. वेंकट सुब्बा रेड्डी भी अब सीबीआई में ज्वाइंट डायरेक्टर की जिम्मेदारी निभाएंगे। रेड्डी इससे पहले भी सीबीआई में डीआईजी के पद पर काम कर रहे थे और उन्होंने कई जटिल जांचों को अंजाम तक पहुंचाया है। उनकी नियुक्ति की अवधि पांच साल तय की गई है, जो 29 अक्टूबर 2029 तक प्रभावी रहेगी।

सरायढेला में अतिक्रमण पर कार्रवाई

धनबाद नगर निगम ने सड़क किनारे की दुकानों का अवैध निर्माण हटाया, लोगों को मिली राहत

धनबाद, 19 अगस्त (एजेंसियां)। धनबाद नगर निगम ने मंगलवार को सरायढेला में अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की। टीम ने मुख्य सड़क के दोनों किनारों से दुकानदारों के अवैध निर्माण हटाए। इनमें शेड, चूल्हे और पक्के ढांचे शामिल थे। कार्रवाई के दौरान कई दुकानदार खुद ही अपना सामान हटाते दिखे। सड़क से अतिक्रमण हटने से आम लोगों को आवाजाही में राहत मिली है। नगर निगम के फूड इंस्पेक्टर अनिल कुमार ने बताया कि स्थानीय लोगों की शिकायत पर यह कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा कि निगम समय-समय पर ऐसे अभियान चलाता है। अनिल कुमार ने दुकानदारों को चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि सड़क पर अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ आगे भी कार्रवाई होगी।

शराब घोटाले में आईएएस विनय चौबे को मिली बेल

समय पर चार्जशीट फाइल नहीं होने का मिला फायदा, 20 मई को हुए थे अरेस्ट

रांची, 19 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड के बहुचर्चित शराब घोटाला मामले में जेल में बंद वरीय आईएएस अधिकारी विनय कुमार चौबे को एसीबी कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने बीएनएसएस की धारा 187(2) के तहत उन्हें डिफॉल्ट बेल दी है।

कोर्ट ने निर्देश दिया है कि बेल पर रहने के दौरान चौबे राज्य से बाहर जाने से पहले कोर्ट को सूचना देंगे। साथ ही ट्रायल की अवधि में वे अपना मोबाइल नंबर भी नहीं बदल सकते।

जमानत की शर्त के तौर पर कोर्ट ने 25-25 हजार रुपए के दो निजी मुचलके भरने का आदेश भी दिया है। शराब घोटाला मामले में एसीबी ने 90 दिनों की निर्धारित समय सीमा पूरी होने के बावजूद चार्जशीट दाखिल नहीं की। जांच एजेंसी का कहना है कि आरोपियों के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति आदेश प्राप्त नहीं होने के कारण चार्जशीट दाखिल नहीं की जा

सकी। कानूनन यदि निर्धारित अवधि में चार्जशीट दाखिल नहीं होती है तो आरोपी स्वतः डिफॉल्ट बेल के पात्र हो जाते है। इसी आधार पर कोर्ट ने विनय चौबे को राहत दी है। एसीबी टीम ने वरीय आईएएस अधिकारी विनय कुमार चौबे को 20 मई को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। गिरफ्तारी के बाद 18 अगस्त को उनके 91 दिन जेल में पूरे हो गए। जबकि कानूनी प्रावधानों के अनुसार, किसी भी मामले में आरोपी को जेल में रखते हुए जांच अधिकारी को 60 या 90 दिनों के भीतर चार्जशीट दाखिल करनी होती है। शराब घोटाले में जांच पूरी करने की सीमा 90 दिन तय थी। समय सीमा बीत जाने के बाद चौबे को डिफॉल्ट बेल का हकदार माना गया। राज्य में हुए 77 करोड़ रुपए से अधिक के इस बहुचर्चित शराब घोटाला मामले ने प्रशासनिक और राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है। एसीबी की जांच में अब तक कई अहम खुलासे हो चुके हैं। इस मामले में कुल 10 आरोपी फिलहाल जेल में बंद हैं। चार्जशीट दाखिल न होने से अब अन्य आरोपियों के भी डिफॉल्ट बेल पर बाहर आने का रास्ता खुल सकता है। मामले की अगली सुनवाई में कोर्ट की भूमिका अहम मानी जा रही है। छत्तीसगढ़ में जिस पैटर्न पर आबकारी विभाग में बड़ा घोटाला हुआ उसी तर्ज पर झारखंड में शराब घोटाला हुआ। इस बात का खुलासा छत्तीसगढ़ एसीबी- ईओडब्ल्यू की ओर से 7 सितंबर को दर्ज की गई एफआईआर से हुआ। छत्तीसगढ़ में दर्ज इस एफआईआर में झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन के सचिव रहे चुके आईएएस विनय कुमार चौबे और पूर्व संयुक्त आयुक्त आबकारी गजेंद्र सिंह का नाम भी शामिल है।

घाटी में ट्रक-गैस टैंकर में टक्कर, एक की मौत

टक्कर के बाद खाई में गिरा ट्रक, टैंकर चालक घायल, दो दिन में तीसरी दुर्घटना

कोडरमा, 19 अगस्त (एजेंसियां)। कोडरमा थाना क्षेत्र के रांची-पटना एनएच-20 पर मंगलवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। कोडरमा घाटी में जमसौती नाला के पास लोहे की शीट से लदा ट्रक गैस टैंकर से टकराकर खाई में जा गिरा।

हादसे में ट्रक मालिक के साले कुंदन यादव (18) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गैस टैंकर का चालक प्रदीप कुमार (25) गंभीर रूप से घायल हो गया।

घायल चालक को स्थानीय लोगों की मदद से सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

जानकारी के अनुसार बोकारो से पटना जा रहा ट्रक जैसे ही घाटी के तीखे मोड़ पर पहुंचा, सामने से आ रहे गैस टैंकर को देख चालक उमेश यादव संतुलन खो बैठा। ट्रक पहले टैंकर से टकराया और फिर गहरी खाई में जा गिरा।

हादसे के समय चालक और खलासी ट्रक से कूदकर अपनी जान बचाने में सफल रहे, लेकिन कुंदन यादव ट्रक के केबिन में ही फंस गया और उसकी मौत हो गई।

शव निकालने में जुटी पुलिस

घटना की सूचना मिलते ही कोडरमा पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रक से शव को बाहर निकाला। दुर्घटना के बाद घाटी में लंबा जाम लगने की आशंका थी, इसलिए पुलिस ने गैस टैंकर को तुरंत हटवाया। स्थानीय लोगों ने बताया कि पिछले दो दिनों में यह कोडरमा घाटी में तीसरा बड़ा हादसा है।

लव मैरिज के 13 दिन बाद अचानक लापता हो गई दुल्हन

शादी के खिलाफ थे परिवार वाले कोर्ट ने एसपी को दिया अल्टीमेटम

मुंगेली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिले में एक युवती शादी के 13 दिन बाद लापता हो गई। वहीं, दूसरी तरफ पति अपनी पत्नी को खोज रहा है लेकिन उसका कोई पता नहीं चला है। दोनों ने परिवार के खिलाफ जाकर लव मैरिज की थी। शादी के 13 दिन बाद लड़की के पिता उसे लेने आए थे। लेकिन अब लड़की का कोई पता नहीं चल रहा है। पति ने इस मामले में प्रशासन से मदद मांगी लेकिन कई मदद नहीं मिली जिसके बाद उसने हाईकोर्ट में याचिका लगाई।

लड़का बिलासपुर का रहने वाला है जबकि लड़की मुंगेली। बिलासपुर के सूरज बंजारे का युवती के साथ लंबे समय तक अफेयर था। पहले दोनों की दोस्ती हुई फिर दोनों में प्यार हुआ। परिवार वाले इस शादी के खिलाफ थे। जिसके बाद दोनों ने 15 मई को आर्य समाज मंदिर में जाकर शादी कर ली। शादी के बाद दोनों एक साथ खुशहाली से रहने लगे

थे। शादी के 13 दिन बाद लड़की से मिलने उसके पिता आए।

अचानक लापता हुई दुल्हन

पिता ने कहा कि मैं अपनी बेटी के कुछ दिन के लिए घर लेकर जाना चाहता हूं। जिस पर सूरज बंजारे ने सहमति दे दी। मगर उसके बाद से दुल्हन का अता पता नहीं है। सूरज ने अपनी पत्नी को कई बार फोन किया लेकिन किसी ने फोन नहीं उठाया। उसके बाद उसको चिंता हुई तो उसने पत्नी को खोजना शुरू कर दिया। खोजते हुए ससुराल भी पहुंचा लेकिन सुसराल वालों ने कहा कि तुम्हारी पत्नी यहां नहीं है।

इसके बाद उसने मामले की शिकायत पुलिस में दर्ज कराई। सूरज का आरोप है कि पुलिस ने इस मामले में उसकी कोई मदद नहीं की। जिसके बाद पति ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई। हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए मुंगेली एसपी को सख्त निर्देश दिए हैं।

हाईकोर्ट ने क्या कहा

इस मामले की सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने मामले को गंभीर माना है। कोर्ट ने मुंगेली एसपी को हर संभव प्रयास कर युवती की तलाश करने और उसे 28 अगस्त तक कोर्ट में पेश करने का आदेश दिया है। इस दौरान कोर्ट ने कहा कि लड़की के पिता को भी कोर्ट में पेश करो। याचिकाकर्ता के वकील ने कोर्ट को बताया कि युवती की जिंदगी को खतरा हो सकता है।

पीएसएमई कंपनी पर अपराधियों की फायरिंग

स्कूटी से आए दो बदमाशों ने मेन गेट पर चलाई गोली, राहुल दुबे गैंग का पर्चा छोड़कर फरार

रामगढ़, 19 अगस्त (एजेंसियां)। रामगढ़ जिले के सयाल डी स्थित पीएसएमई कंपनी में बीती रात अपराधियों ने दहशत फैलाने के लिए गोलीबारी की। जानकारी के अनुसार, दो अपराधी ब्लैक स्कूटी पर आए और कंपनी के मेन गेट पर फायरिंग कर दी। गोली गेट से टकराई, जिससे उसमें छेद हो गया। घटना से इलाके में दहशत का माहौल है।

रंगदारी का पर्चा छोड़ भागे अपराधी

फायरिंग के बाद अपराधी मौके पर राहुल दुबे गैंग के नाम से रंगदारी और धमकी भरा पर्चा छोड़कर फरार हो गए। घटना के बाद अपराधी सयाल की ओर भाग निकले। पुलिस का मानना है कि यह पूरी वारदात कंपनी से रंगदारी वसूलने और डर फैलाने की मंशा से की गई है।

पुलिस टीम मौके पर पहुंची

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। जांच टीम में एएसपी गौरव गोस्वामी, इंस्पेक्टर सतेंद्र सिंह, थाना प्रभारी निर्भय गुप्ता और शिवलाल गुप्ता शामिल थे। पुलिस ने कंपनी इंचार्ज कुंदन और सिक्योरिटी गार्ड से पूछताछ की तथा पूरे घटनाक्रम की जानकारी जुटाई।

मौके से मिले धमकी भरे पर्चे को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। अधिकारियों ने कहा कि जांच पूरी होने के बाद ही इस पर आधिकारिक बयान दिया जाएगा। घटना के बाद से कंपनी प्रबंधन और कर्मचारियों में भय का माहौल है।

छत्तीसगढ़ में केंद्र के बराबर मिलेगा महंगाई भत्ता

अधिकारी-कर्मचारियों को अब 55% डीए मिलेगा, 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी की घोषणा

रायपुर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के अधिकारी-कर्मचारी के लिए 2 प्रतिशत महंगाई भत्ता बढ़ाया गया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इसकी घोषणा की है। अब प्रदेश के अधिकारी-कर्मचारियों को केंद्र के बराबर 55 प्रतिशत महंगाई भत्ता मिलेगा।

सीएम साय ने कहा कि हमारे राज्य के कर्मचारियों को 53 प्रतिशत महंगाई भत्ता मिल रहा था।

इसे देखते हुए हमने भी महंगाई भत्ते में 2 प्रतिशत की वृद्धि कर दी है। अब 55 प्रतिशत महंगाई भत्ता दिया जाएगा।

बजट में 53 प्रतिशत किया गया था डीए

इससे पहले राज्य सरकार ने 3 मार्च को विधानसभा में साल 2025-26 के वार्षिक बजट में 53 प्रतिशत डीए किए जाने की घोषणा की थी। राज्य के शासकीय सेवकों के महंगाई भत्ते में 3 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी करके 53 प्रतिशत कर दिया गया था।

सातवें वेतनमान में कार्यरत कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में 3 प्रतिशत की वृद्धि की गई थी, जबकि छठवें वेतनमान के कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में 7 प्रतिशत की वृद्धि की गई थी। यह वृद्धि 1 मार्च 2025 से प्रभावी हुई थी और इसका भुगतान मार्च 2025 के वेतन के साथ अप्रैल माह में शुरू हुआ था।

गाजा में सीजफायर पर हमास सहमत

आधे इजराइली कैदियों को रिहा करेगा, नेतन्याहू बोले थे- सभी को छोड़े तभी समझौता होगा

कीव, 19 अगस्त (एजेंसियां)। हमास ने गाजा में सीजफायर और इजराइली बंधकों की रिहाई के समझौते पर सहमति जताई है। अमेरिका, मिस्र और कतर की मध्यस्थता के बाद यह प्रस्ताव अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ ने जून में पेश किया था।

इसके तहत शुरुआती 60 दिनों के सीजफायर के दौरान, हमास जिंदा बचे इजराइली कैदियों को दो चरणों में रिहा करेगा। साथ ही स्थायी युद्धविराम पर बातचीत होगी।

हालांकि, इसपर अब तक इजराइल की प्रतिक्रिया नहीं आई है। इससे पहले 12 अगस्त को नेतन्याहू ने कहा था कि वह किसी समझौते को तभी स्वीकार करेगा जब सभी बंधकों को एक बार में रिहा कर दिया जाएगा।

वहीं, रविवार को हजारों इजराइली लोगों ने विरोध प्रदर्शन कर नेतन्याहू से हमास के साथ समझौता कर गाजा जंग खत्म करने और कैदियों को रिहा कराने की मांग की।

प्रदर्शनकारियों ने सड़कें जाम कर दी और आगजनी की, जिसके कारण 38 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया।

इजराइल ने गाजा पर कब्जे को मंजूरी दी थी

वहीं, इजराइल की कैबिनेट ने 8 अगस्त को गाजा सिटी पर कब्जे की योजना को मंजूरी दी थी। साथ ही नेतन्याहू ने गाजा के सभी हिस्सों पर कब्जा करने और इसे हथियारों से मुक्त करने की घोषणा की ।

दूसरी ओर, हमास ने सभी बंधकों के बदले इजराइली जेलों में बंद फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई, युद्ध समाप्ति और इजराइली सेना की पूरी वापसी की मांग की है।

इजराइल की मांग- हमास हथियार डाले

इससे पहले हमास ने कतर और मिस्र की बात मानने से मना कर दिया था। हमास और इजराइल के बीच इजरायली सैनिकों की वापसी, गाजा में सहायता वितरण और स्थायी युद्धविराम जैसे मुद्दों पर गहरे मतभेद बने हुए थे।

रॉयटर्स के मुताबिक, इजराइल ने हमास के हथियार डालने और गाजा में उसके शासन के अंत पर जोर दिया, जबकि हमास ने इजराइली सेना की पूर्ण निकासी और फिलिस्तीनी राज्य की मान्यता की मांग रखी।

इजराइल की योजना का मकसद गाजा शहर में उन इलाकों में घुसना है, जहां हमास के कब्जे में अभी भी कई बंधक होने की आशंका है। ये वो इलाके हैं जहां अब तक इजराइली सेना ने बड़े पैमाने पर कार्रवाई नहीं की है।

इजराइली सेना (आईडीएफ) का कहना है कि गाजा के लगभग 75% हिस्से पर उसका नियंत्रण है। गाजा पट्टी उस 25% इलाके में है, जो आईडीएफ के कब्जे में नहीं हैं।

इससे पहले नेतन्याहू ने पूरी गाजा पट्टी पर कब्जे की बात कही थी, लेकिन हालिया बयान में केवल गाजा सिटी का जिक्र है।

राजस्थान पुलिस ने पलामू में की कार्रवाई

साइबर ठगी के दो आरोपी गिरफ्तार खातों में एक करोड़ का लेनदेन

पलामू, 19 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान पुलिस ने साइबर ठगी के मामले में पलामू जिले से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवकों की पहचान कुमार गौरव और ओमप्रकाश यादव के रूप में हुई है। मामला अलवर जिले का है।

जहां एमपी किसान ऐप की एपीके फाइल डाउनलोड कराकर एक व्यक्ति से 95 हजार रुपए की ठगी की गई थी। जांच में खुलासा हुआ कि ठगी के पैसे आरोपियों के बैंक खातों में ट्रांसफर हुए थे। पुलिस की पड़ताल में इनके खातों से साइबर अपराध से जुड़े करीब एक करोड़ रुपए के लेन-देन का पता चला है। पकड़े गए आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि खाते उपलब्ध कराने के एवज में उन्हें हर महीने 5,000 रुपए किराया और ट्रांजैक्शन का 25 प्रतिशत हिस्सा मिलता था। दोनों ने यह भी स्वीकार किया कि उन्होंने किसके कहने पर खाते खोले थे।

डिप्टी-कलेक्टर ने महिला कॉन्स्टेबल से रेप किया

3 बार गर्भपात कराया, पीड़िता बोली- आईटीआई में मिले, प्यार में फंसाया, अंडमान घुमाने के बहाने संबंध बनाए

बालोद, 19 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में एक महिला आरक्षक ने डिप्टी कलेक्टर पर रेप का मामला दर्ज कराया है। बीजापुर में पदस्थ डिप्टी कलेक्टर दिलीप उइके ने शादी का झांसा देकर युवती से संबंध बनाए। वह 3 बार प्रेग्नेंट हुई, तीनों बार जबरन अबॉर्शन करवा दिया। युवती ने बताया कि डिप्टी कलेक्टर ने उसके नाम से कार खरीदी, 3 लाख रुपए अपने अकाउंट में ट्रांसफर करवाए। लेकिन शादी की बात करने पर टालमटोल करता रहा। इसके बाद विवाद बढ़ा तो बातचीत बंद कर दी। मामला डौंडी थाना क्षेत्र का है। आरोपी डिप्टी कलेक्टर दिलीप उइके डौंडी ब्लॉक के अंवारी गांव का रहने वाला है। वर्तमान में बीजापुर में पोस्टेड है। डौंडी क्षेत्र की रहने वाली सीएएफ महिला आरक्षक ने बताया कि उनका परिचय साल 2017 में हुआ था।

दोनों डौंडी स्थित आईटीआई में पढ़ाई कर रहे थे। पढ़ाई के दौरान दोनों की बातचीत शुरू हुई। ये बातचीत धीरे-धीरे दोस्ती और फिर अफेयर में बदल गई। युवती का कहना है कि दिलीप ने उससे शादी का वादा किया। फिर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए।

युवती ने बताया कि वह और दिलीप उइके एक ही जाति के हैं। मार्च 2017 में वह पहली बार प्रेग्नेंट हुई। जब उसने यह बात दिलीप को बताई तो उन्होंने कहा कि पहले पढ़ाई पूरी होने दो, फिर शादी और बच्चे के बारे में सोचेंगे। इसके बाद, दिलीप ने उसे बहला-फुसलाकर जबरन दवा देकर अबॉर्शन करवा दिया।

पाकिस्तान में असीम मुनीर करेंगे शहबाज सरकार का तख्तापलट?

नहीं रुक रहीं अफवाहें, पाकिस्तानी मीडिया ने जताई बड़ी चिंता

इस्लामाबाद, 19 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान के वजूद में आने के बाद से ही सेना देश की सबसे मजबूत संस्था रही है। पाक आर्मी का ना सिर्फ सरकारों और राजनीति में सीधा दखल रहा है बल्कि फौज खुद सत्ता पर कब्जा करती रही है। पाकिस्तान में अयूब खान, जिया उल हक से लेकर परवेज मुशर्रफ तक ऐसे सेना प्रमुखों की लंबी फेहरिस्त है, जिन्होंने नागरिक सरकार का तख्तापलट किया और खुद सैन्य तानाशाह बनकर बैठ गए। मौजूदा समय में सेना प्रमुख असीम मुनीर को लेकर इसी तरह की शंका इस्लामाबाद से लाहौर तक चल रही है। पाक सेना प्रमुख असीम मुनीर का कद बीते कुछ समय समय से खासतौर से भारत के साथ संघर्ष के बाद अपने देश में बढ़ा है। ऐसे में मुनीर के सामने शहबाज शरीफ सरकार एक कठपुतली की तरह दिख रही है। वहीं उनके खुद भी सत्ता पर कब्जा करने क अफवाह है। पाकिस्तानी मीडिया ने नागरिक सरकार के असीम मुनीर के अधीन काम करने को मजबूर हो जाने की स्थिति पर प्रकाश डाला है। पाक के प्रतिष्ठित अखबार डॉन ने हाल ही में पाकिस्तान में सैन्य तख्तापलट की अफवाहों और मुनीर के राष्ट्रपति पद हथियाने की आशंकाओं पर बात की है। डॉन कहता है कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि मुनीर को खुद इन अफवाहों का खंडन करना पड़ा है। नागरिक सरकार की सूक्ष्म आलोचना करते हुए डॉन के लेख में कहा गया है कि इस तरह की अफवाहों की एक बड़ी वजह पाकिस्तान के राजनेताओं की कमजोर स्थिति होना है।

विस्थापितों ने रोका कोयला परिवहन

सीसीएल में एनआईटी नियमों के उल्लंघन का आरोप, पेटी कॉन्ट्रैक्टर को काम देने का विरोध

रामगढ़, 19 अगस्त (एजेंसियां)। रामगढ़ जिले के सयाल डी आर ए माइनिंग कंपनी में सौंदा बस्ती के विस्थापित ग्रामीणों ने कोयला परिवहन कार्य रोक दिया है। विस्थापितों का आरोप है कि कंपनी एनआईटी नियमों का पालन नहीं कर रही है। सयाल परियोजना पदाधिकारी और बरका सयाल एरिया सिक्योरिटी इंचार्ज एनके सिंह ने ग्रामीणों से वार्ता का प्रयास किया। लेकिन ग्रामीण अपनी मांगों पर अडिग रहे। विरोध प्रदर्शन की अध्यक्षता कर रहे नितेश कुमार और सुखदेव प्रसाद ने बताया कि वे सभी यहां के रैयत विस्थापित हैं। उनकी जमीन पर सीसीएल की अंडरटेकिंग एजेंसी आर ए माइनिंग कंपनी कोयला खनन कर रही है।

बेरोजगार पति को ताना मारना मानसिक क्रूरता

प्रिंसिपल बनने के बाद बदला पत्नी का व्यवहार, हाईकोर्ट ने मंजूर की तलाक की अपील, फैमिली कोर्ट का आदेश निरस्त

बिलासपुर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने तलाक के केस में महत्वपूर्ण फैसला दिया है। जस्टिस रजनी दुबे और जस्टिस एके प्रसाद की डिवीजन बेंच ने कहा है कि बेरोजगार पति को ताना मारना मानसिक क्रूरता की श्रेणी में आता है। हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट के आदेश को निरस्त करते हुए पति की तलाक की अर्जी मंजूर कर ली है।

दरअलसल, भिलाई निवासी अनिल कुमार सोनमणि उर्फ अनिल स्वामी पेशे से वकील हैं। उनकी शादी 26 दिसंबर 1996 को हिंदू रीति रिवाज से हुई थी। शादी के बाद सब कुछ सामान्य रहा, लेकिन समय के साथ पति-पत्नी के बीच विवाद बढ़ने लगा। इस दौरान उनके दो बच्चे भी हो गए। अब उनकी बेटी 19 साल और बेटा 16 साल का है। इसी

दौरान पति ने अपनी पत्नी को पीएचडी कराया, जिसके बाद वो प्रिंसिपल की नौकरी जॉइन की। वकील पति का आरोप है कि प्रिंसिपल बनने के बाद पत्नी का व्यवहार बदल गया और वह अक्सर छोटी-छोटी बातों पर विवाद करने लगी।

कोरोना काल में जब कोर्ट बंद हो गए थे, इससे पति की वकालत से आय भी बंद हो गई। ऐसे में प्रिंसिपल पत्नी ने बेरोजगार पति को ताने मारना शुरू कर दिया। बात-बात पर झगड़ा कर पति को अपमानित भी करने लगी। जिससे पति मानसिक तनाव में आ गया।

पति का आरोप है कि अगस्त 2020 में विवाद के बाद वह बेटी को लेकर अपनी बहन के पास चली गई। कुछ दिनों बाद लौटी, लेकिन 16 सितंबर 2020 को फिर से चली गई। उसने एक पत्र भी छोड़ा, जिसमें लिखा था कि वह अपनी मर्जी से पति और बेटे से सारे रिश्ते तोड़ रही है।

पति ने कोर्ट को बताया कि पत्नी को वापस लाने कई प्रयास किए, लेकिन वह नहीं लौटी। उन्होंने रिश्ता जोड़ने की कोशिश भी की।

लेकिन, सफलता नहीं मिली, जिससे परेशान होकर पति ने दुर्ग के फैमिली कोर्ट में तलाक का मामला प्रस्तुत किया। इसमें तर्क दिया कि पत्नी ने जानबूझकर और बिना कारण वैवाहिक घर छोड़ा। कई बार मनाने के प्रयास के बावजूद वह नहीं लौटी।

करोड़ों की लागत से बना प्रबंधन विकास केंद्र और बालिका छात्रावास

सीएम नीतीश ने फीता काटकर किया शुभारंभ

पटना, 19 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को ललित नारायण मिश्र आर्थिक विकास एवं सामाजिक परिवर्तन संस्थान, पटना परिसर में बने प्रबंधन विकास केंद्र (एमडीसी) और बालिका छात्रावास का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने शिलापट्ट का अनावरण और फीता काटकर दोनों भवनों का शुभारंभ किया।

उद्घाटन के बाद उन्होंने दोनों भवनों का निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्थाओं एवं सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि प्रबंधन विकास केंद्र के नये भवन से प्रशिक्षण संबंधी आवश्यकताओं को और बेहतर ढंग से पूरा किया जा सकेगा। वहीं, छात्रावास से छात्राओं को पठन-पाठन में सहूलियत होगी और उन्हें रहने की बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी। कार्यक्रम में जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, शिक्षा मंत्री सुनील कुमार, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव एवं संस्थान के निदेशक डॉ. एस. सिद्धार्थ, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार और कुमार रवि, बी०एस०ई०आई०डी०सी० की प्रबंध निदेशक इनायत खान, पटना के जिलाधिकारी डॉ. त्यागराजन एस०एम० सहित कई वरीय अधिकारी, शिक्षक और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

इस संस्थान की स्थापना वर्ष 1973 में हुई थी। वर्तमान में यहां प्रबंधन एवं कम्प्यूटर से संबंधित 10 कोर्स संचालित हैं, जिनमें 1600 से अधिक छात्र-छात्राएं नामांकित हैं। प्रशिक्षण संबंधी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए प्रबंधन विकास केंद्र का निर्माण किया गया है। इसमें 26 कमरे बने हैं जिनमें 52 व्यक्तियों के रहने की व्यवस्था है। साथ ही प्रशिक्षण हॉल और डायनिंग हॉल जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं। इसके निर्माण पर 4 करोड़ 99 लाख 97 हजार 400 रुपये की लागत आई है। इसी प्रकार, बड़ी संख्या में छात्राओं की पढ़ाई को देखते हुए वातानुकूलित बालिका छात्रावास का निर्माण एवं उन्नयन किया गया है। दो ब्लॉक वाले इस छात्रावास में 40 कमरे और 8 हॉल बनाए गए हैं, जिनमें 168 छात्राओं के रहने की सुविधा है।

नीतीश कैबिनेट की बैठक में 16 एजेंडों पर मुहर

पटना, 19 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को कैबिनेट की बैठक संपन्न हुई। नीतीश कुमार की अध्यक्षता में बैठक में 16 एजेंडों पर मुहर लगी। अब राज्य सरकार के अधीन सरकारी नौकरी की परीक्षाओं में आवेदन शुल्क घटा दिया गया है। इसके तहत प्रारंभिक परीक्षा (पीटी) के लिए केवल 100 रुपये शुल्क लगेगा। जबकि, मुख्य परीक्षा पूरी तरह निःशुल्क होगी। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए नालंदा जिले के राजगीर में दो पाँच सितारा होटल और वैशाली में एक पाँच सितारा रिसॉर्ट पीपीपी मॉडल पर बनाए जाएंगे। गन्ना उद्योग विभाग के लिए बिहार ईख विकास सेवा नियमावली 2025 को मंजूरी दी गई।

बांका में पुलिस मुख्यालय बनाया जाएगा

वित्त विभाग ने राष्ट्रीय सूचना केंद्र (एनआईसी) द्वारा विकसित ई-लाभार्थी पोर्टल के संचालन और रखरखाव के लिए तीन वर्षों में 5.30 करोड़ रुपये से अधिक की स्वीकृति दी है। भूमि सुधार विभाग ने बांका जिले में 46 एकड़ भूमि पर बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस का मुख्यालय बनाने के लिए गृह विभाग को जमीन ट्रांसफर करने का निर्णय लिया है, वहीं मधेपुरा में बिजली ग्रिड सब स्टेशन निर्माण के लिए दो एकड़ भूमि पावर ट्रांसमिशन कंपनी को दी जाएगी। शिक्षा विभाग ने भी बड़ा फैसला लेते हुए राजकीय शिक्षक पुरस्कार की राशि को 15,000 रुपये से बढ़ाकर 30,000 रुपये करने की घोषणा की।

अजय राय का दावा-मोदी वोट चोरी करके प्रधानमंत्री बने

मैं 7 राउंड तक आगे था, चुनाव आयोग की वेबसाइट बंद करके पीएम को जिताया

बलिया, 19 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने पीएम मोदी और चुनाव आयोग पर जमकर हमला बोला। कहा- चुनाव आयोग की वेबसाइट बंद करके मोदी को जिताया गया। मैं 7 राउंड तक आगे चल रहा था।

दोपहर 1 बजे तक वेबसाइट बंद की गई। शाम 5 बजे अचानक यह घोषित कर दिया गया कि मोदी जीत गए है। आप ही बताइए, 7 राउंड जीतने वाला उम्मीदवार कैसे हार सकता है? मैं खुद 5 बार विधायक रहा हूं, मैं जानता हूं कि चुनाव कैसे जीता और हारा जाता है। देश के पीएम वोट चोरी से सांसद बने और फिर प्रधानमंत्री बन गए। अजय राय ने ये बातें बलिया में सोमवार को कहीं। वो हनुमानगढ़ी मंदिर में पूजा-अर्चना करने पहुंचे थे।

बिहार में वोटों की हेराफेरी की जा रही

यूपी कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा- मैं सेनानियों को नमन करने बलिया आया हूं। बिहार चुनाव को लेकर हमारी गंभीर चिंताएं हैं। पूरे बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के माध्यम से वोटों में हेराफेरी की जा रही है। गरीब और आम लोगों को उनके वोट के अधिकार से वंचित किया जा रहा है।

लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करते रहेंगे

जब सबको एक वोट का अधिकार है। चाहे वो पीएम मोदी हों, चुनाव आयुक्त हों, या फिर गौतम अडाणी। इसी कारण हमारे नेता राहुल गांधी और पूरा इंडिया गठबंधन सड़कों पर उतरा है। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि बिहार में लोकतंत्र की यह चोरी न होने पाए। जनता को जागरूक किया जा रहा है और लोग सड़कों पर उतर आए हैं। पूरे देश की जनता को जागरूक करेंगे और लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करते रहेंगे।

भाजपा सिर्फ नाम बदलना जानती है

गाजीपुर का नाम बदलने की चल रही मांग पर अजय राय ने कहा- भाजपा सिर्फ नाम बदलने की राजनीति करती है। असली सवाल यह है कि गाजीपुर और बलिया में भाजपा सरकार ने कौन-कौन से कारखाने लगाए? बलिया में जो चीनी मिल और कताई मिल थी, वो कांग्रेस सरकार की देन थी, जिसे भाजपा ने बंद करवा दिया। एक भी नया कारखाना भाजपा सरकार ने नहीं लगाया। सिर्फ नाम बदलने और झूठे वादों की राजनीति हो रही है।

'राहुल गांधी को देश का प्रधानमंत्री बनाएंगे'

वोटर अधिकार यात्रा में बोले तेजस्वी यादव

नवादा, 19 अगस्त (एजेंसियां)। 'वोटर अधिकार यात्रा' के तहत कांग्रेस नेता राहुल गांधी और बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने मंगलवार को नवादा जिले में जबरदस्त जनसंपर्क किया। गया-नवादा सीमा पर तुंगी से प्रवेश करते ही कांग्रेस विधायक नीतू कुमारी के नेतृत्व में उनका जोरदार स्वागत किया। यात्रा हिसुआ, नवादा और वारिसलीगंज होते हुए हजारों की भीड़ के साथ आगे बढ़ी। नवादा के भगत सिंह चौक पर हुई सभा में सबसे पहले तेजस्वी यादव ने भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जो जिंदा हैं, उन्हें मृत घोषित कर दिया गया है। तेजस्वी ने बेरोजगारी हटाने, मुफ्त बिजली, डोमिसाइल नीति और युवाओं के लिए आयोग बनाने जैसे वादों को दोहराया। उन्होंने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी को देश का प्रधानमंत्री बनाएंगे। तेजस्वी ने यह भी आरोप लगाया कि नीतीश कुमार की सरकार उनकी योजनाओं की कॉपी कर रही है। सभा में राहुल गांधी ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग एसआईआर के नाम पर गरीबों का वोट लूट रहा है और लाखों नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए हैं।

सूरत में युवक के साथ होता था शारीरिक ज्यादती

30 बार चाकू घोंपकर की हत्या, गला भी काटा-लखीसराय से गिरफ्तार कर एसटीएफ लाई पटना

पटना, 19 अगस्त (एजेंसियां)। गुजरात में सूरत की सब्जी मंडी सरदार मार्केट के मुंशी सुभाष दत्तात्रेय लाटे मराठी की हत्या का आरोपी बिहार के लखीसराय से पकड़ा गया है। गुजरात पुलिस की सूचना पर एसटीएफ बिहार ने ट्रेन से आरोपी को पकड़ा है।

फिलहाल गिरफ्तारी के बाद कोतवाली थाने पर लाया गया है, जहां से गुजरात पुलिस आरोपी को ट्रांजिट रिमांड पर लेकर आज सूरत निकल जाएगी। आरोपी को रिसीव करने के लिए क्राइम ब्रांच सूरत की टीम आई है।

अप्राकृतिक यौनाचार से परेशान था आरोपी

आरोपी का नाम नवीन प्रमोद यादव है। वह बड़हिया थाना अंतर्गत ताजपुर का रहने वाला है। आरोपी ने पुलिस से पूछताछ में बताया है कि मंडी में वो दुकानों पर बोरी और पोटली उतारता था। मजदूरी करता था। साल 2021 से लगातार सूरत के सरदार मार्केट में काम के लिए जाता था। 5 महीने पहले सामान उतारने के दौरान सुभाष दत्तात्रेय लाटे मराठी के संपर्क में आया। उसके बाद से लाटे ने जबरन अप्राकृतिक यौनाचार करना शुरू कर दिया।

30 बार चाकू से किया वार

वहीं, 15 अगस्त की रात युवक ने शराब पी और लाटे को मारने की साजिश रची। सुनसान खेत में ले जाकर चाकू मारकर हत्या कर दी। आरोपी प्रमोद ने पहले गला काटा फिर पेट में 30 से अधिक बार चाकू मारता रहा, जब तक उसकी मौत नहीं हो गई। फिर हत्या करने के बाद ट्रेन पकड़ा और बिहार के लिए निकल गया।

16 अगस्त को पुलिस को मिली सूचना

घटना की जानकारी 16 अगस्त की सुबह गुजरात के डिंडोली थाने की पुलिस को हुई। इसके बाद छानबीन शुरू की गई तो आरोपी के बारे में पता चला। फिर गुजरात पुलिस ने टावर लोकेशन के आधार पर बिहार एसटीएफ से संपर्क किया और मदद मांगी। जिसके बाद आरोपी पकड़ा गया।

राहुल गांधी की नागरिकता केस में यूके से आई रिपोर्ट

पासपोर्ट की कॉपी-सिटिजन डिटेल भारत सरकार को भेजी गई, अब लखनऊ एचसी में सुनवाई

लखनऊ, 19 अगस्त (एजेंसियां)। रायबरेली से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की नागरिकता केस में ब्रिटेन से रिपोर्ट भारत आ गई है। इसमें पासपोर्ट की कॉपी, सिटिजन डिटेल समेत अन्य जानकारी शामिल है। यह जानकारी याचिकाकर्ता एस. विग्नेश शिशिर ने दी। इस मामले में अगले सप्ताह इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में सुनवाई हो सकती है। उसी दौरान इन दस्तावेजों को भी बेंच के सामने रखा जाएगा। याचिकाकर्ता का आरोप है कि राहुल के पास ब्रिटिश नागरिकता है। इस पर हाईकोर्ट ने सरकार से जवाब मांगा था। इसके बाद केंद्र सरकार ने ब्रिटेन सरकार को लेटर लिखकर जानकारी मांगी थी। ब्रिटेन सरकार ने जुलाई में पुष्टि की थी कि संबंधित जानकारी भारतीय दूतावास के जरिए भारत सरकार को भेज दी गई।

जौनपुर में आठ पुलिसकर्मियों पर गिरी गाज

जन्माष्टमी पर फिल्मी गाने पर डांस मामले में किए गए निलंबित

जौनपुर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। जन्माष्टमी पर बदलापुर कोतवाली में आयोजित कार्यक्रम में एक फिल्मी गाने पर डांस का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इस मामले में मंगलवार को आठ पुलिसकर्मियों को निलंबित किया गया। इससे पहले मामले का संज्ञान लेते हुए एसपी डॉ. कौस्तुभ ने थानाध्यक्ष अरविंद कुमार पांडेय को निलंबित किया था। साथ ही जांच एसपी सिटी आयुष श्रीवास्तव को सौंपी थी। श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर जहां एक तरफ जिले के विभिन्न थानों पर झांकी डांस व गायकों द्वारा भक्ति गीतों की प्रस्तुति की गई, वहीं बदलापुर कोतवाली में फिल्मी गाने पर डांस हुआ था। जैसे ही थाना प्रभारी बदलापुर अरविंद कुमार पांडेय पूजा पाठ के लिए तैयार होने गए, उसी समय स्टेज के सामने सिविल ड्रेस में मौजूद कुछ पुलिसकर्मियों और स्थानीय लोगों द्वारा भोजपुरी गीत की फर्माइश की गई। स्टेज पर डांस कर रही नर्तकियों ने भोजपुरी गाने पर तो नहीं लेकिन आम तौर पर आर्केस्ट्रा में बजाए जाने वाले फिल्मी गाना मुझे नौ लक्खा मंगा दे... पर डांस किया। स्टेज के सामने बैठे लोग भी इस गाने पर झूमने लगे।

'पैसे लेकर जमीन खरीदना कोई अपराध नहीं है'

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। नौकरी के बदले जमीन देने के मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई हुई। मंगलवार को बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी की ओर से दलीलें सुनीं। सुनवाई के दौरान राबड़ी देवी ने दलील दी कि उन्होंने जमीन खरीदी और उसके लिए पैसे दिए। उन्होंने कहा कि पैसे लेकर जमीन खरीदना कोई अपराध नहीं है। किसी भी आरोपी को कोई फायदा नहीं पहुंचाया गया। इन लेन-देन का आपस में कोई संबंध नहीं है। उनके वकील ने कहा कि सीबीआई को यह साबित करना होगा कि भ्रष्टाचार हुआ था। अदालत कल, 20 अगस्त को आरोपों पर दलीलें सुनेगी।

बिहार में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती-मंत्री मंगल पांडेय ने दिए 410 डॉक्टरों को नियुक्ति पत्र

पटना, 19 अगस्त (एजेंसियां)। राजधानी पटना के ऊर्जा ऑडिटोरियम में मंगलवार को एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला सह नियुक्ति पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के लिए 410 चिकित्सा पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि विभाग का परिवार लगातार बड़ा हो रहा है। हाल के महीनों में विशेषज्ञ चिकित्सक, आयुष डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ, एएनएम और जीएनएम की बड़े पैमाने पर नियुक्तियां की गई हैं। आज 410 एमबीबीएस डॉक्टरों की नियुक्ति से ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा सेवाओं को और मजबूती मिलेगी। साथ ही अगले महीने से नए हेल्थ सब-सेंटर खोलने का कार्य भी शुरू होगा।

उन्होंने बताया कि केवल पिछले तीन महीनों में ही राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत लगभग 1,200 चिकित्सकों की नियुक्ति राज्य स्वास्थ्य समिति द्वारा की गई है। वहीं, स्वास्थ्य विभाग द्वारा 3,000 से अधिक चिकित्सकों की नियुक्ति प्रक्रिया अंतिम चरण में है। पिछले 11 महीनों से दवा वितरण के मामले में बिहार पूरे देश में पहले स्थान पर है। गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं हर व्यक्ति तक समय पर पहुंचें, इसके लिए ये नियुक्तियां की जा रही हैं। मंगल पांडेय ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सोच की सराहना करते हुए कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि बिहार के लोगों को इलाज के लिए बाहर न जाना पड़े। उन्होंने सभी नवनियुक्त चिकित्सा पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि आप सभी मृदुभाषी बनें और सेवा को प्राथमिकता दें।

इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के सचिव लोकेश कुमार सिंह, राज्य स्वास्थ्य समिति के कार्यपालक निदेशक सुहर्ष भगत, बीएमएसआईसीएल के प्रबंध निदेशक डॉ निलेश रामचंद्र देवरे, स्वास्थ्य विभाग के अपर सचिव वैभव चौधरी, स्वास्थ्य मंत्री के आप्त सचिव अमिताभ सिंह समेत विभाग के अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

69000 शिक्षक भर्ती अभ्यर्थियों ने डिप्टी सीएम का आवास घेरा

बोले-हम वोट के लिए हिंदू, नौकरी के लिए दलित हो जाते हैं

लखनऊ, 19 अगस्त (एजेंसियां)। लखनऊ में 69000 शिक्षक भर्ती के आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों का प्रदर्शन लगातार दूसरे दिन जारी है। आज अभ्यर्थी उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या का आवास घेरने पहुंच गए। प्रदर्शनकारियों ने जमकर हंगामा और नारेबाजी की। कहा कि हम वोट के लिए हिंदू और नौकरी के लिए दलित हो जाते हैं। यह अन्याय मत करो।

प्रदर्शन की सूचना पर पहले ही पुलिस पहुंच गई थी। अभ्यर्थियों को केशव प्रसाद मौर्य के आवास से पहले ही रोक लिया गया। इस दौरान पुलिस से नोकझोंक भी हुई। अभ्यर्थी बोले कि उन दलितों पर सरकार न्याय करे और उन्हें कीड़े-मकोड़े न समझा जाए। अभ्यर्थियों ने कहा- 69 हजार शिक्षक भर्ती में आरक्षण घोटाला किया गया।

डिप्टी सीएम केशव मौर्य हमारे समाज के हैं

प्रदर्शन में शामिल अमित कुमार मौर्य ने कहा कि केशव प्रसाद मौर्य हमारे समाज के हैं। हम उनके दरवाजे पर आए हैं। सुप्रीम कोर्ट में 22 से ज्यादा बार डेट लग गई है। मगर सरकार शामिल नहीं हो रही है। सरकार पहली पार्टी है और हम थर्ड पार्टी हैं। उसके बाद भी हमारी कोई पैरवी नहीं कर रही है। 1 साल हो गया सुप्रीम कोर्ट में मामला गए। 5 साल से हम सड़कों पर भटक रहे हैं। सरकार नहीं चाहती है कि दलित-पिछड़े लोग नौकरी पाएं।

20 से ज्यादा बार हमें केशव मौर्य के आवास पर घसीटा

अमित ने कहा- 20 से अधिक बार केशव प्रसाद मौर्य के आवास पर हमें घसीटा गया है। हम उनके समाज से आते हैं मगर आज तक इन्होंने ने हमें न्याय नहीं दिलाया। हम लोगों ने भाजपा को वोट दिया है। हमारी क्या गलती है? वोट देने के लिए हम लोग हिंदू हो जाते हैं और नौकरी के लिए पिछड़े-दलित हो जाते हैं। हमको कूड़े में फेंक दिया जाता है। कीड़ा-मकोड़ा समझा जाता है।

धान-गेहूं बेचकर हम लोग सुप्रीम कोर्ट पहुंचे हैं और अब सरकार साथ नहीं दे रही है। 22 तारीखों में एक बार भी सरकार का अधिवक्ता नहीं पहुंचा। हम लोग कब तक सड़कों पर घसीटे जाएंगे। हमारा भी आत्मसम्मान है। हम लोगों को हिंदू के नाम पर बहकाया जाता है। हम भी मौर्य समाज से हैं हमारी लड़ाई कब लड़ेंगे केशव प्रसाद मौर्य? वह चुप्पी मारकर बैठे हैं।

भड़काऊ बयान देने पर तलहा मन्नान पर मुकदमा दर्ज

अलीगढ़, 19 अगस्त (एजेंसियां)। एएमयू के पूर्व छात्र व मौलाना आजाद उर्दू यूनिवर्सिटी हैदराबाद के शोधार्थी तलहा मन्नान के 18 अगस्त को फीस वृद्धि के विरोध में चल रहे धरने पर भड़काऊ बयान देने पर अलीगढ़ के थाना सिविल लाइन में मुकदमा दर्ज कराया गया है। हिंदू रक्षा दल के जिला अध्यक्ष संजय कुमार आर्य की ओर से इसकी शिकायत दी गई। सीओ सिविल लाइन सर्वम सिंह ने मुकदमे की पुष्टि करते हुए बताया कि पूर्व छात्र नेता बाब-ए-सैयद गेट पर चल रहे विद्यार्थियों के धरने को समर्थन देने पहुंचे थे। गले में फलस्तीन का झंडा झंडा डाले तलहा मन्नान ने कहा कि बाब-ए-सैयद कब बंद होगा।

यूपी के मंत्री नंदी बोले, पूजा पाल को सच बोलना भारी पड़ गया

गुंडे-माफियाओं की तारीफ से सपा खुश होती है

गोंडा, 19 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने विधायक पूजा पाल को सपा से निष्कासित करने पर समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पूजा पाल को सच बोलना भारी पड़ गया। सपा गुंडे और माफियाओं की तारीफ से खुश होती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ अखिलेश यादव को नागवार गुजरी।

उन्होंने कहा कि सपा सरकार में गुंडे-माफियाओं का राज था। पीड़ितों को थाने में बिठाया जाता था। सपा के कार्यकर्ता पुलिस को फरमान सुनाते थे। आरोप लगाया कि सपा की सरकार में कारसेवकों पर गोली चलवाई गई थी। सपा हमेशा सनातन को अपमानित करती है। गुंडे माफियाओं का साथ देती है। सपा समाप्तवादी पार्टी बनती जा रही है। विनाश काले विपरीत बुद्धों ईश्वर उनको सद्बुद्धि दे। पूजा पाल को बीते दिनों अनुशासनहीनता के आरोप में पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कानून व्यवस्था को लेकर प्रशंसा की थी।

मोदी सरकार का 'राजस्थान' को बड़ा तोहफा

कोटा-बूंदी में यहां बनेगा ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट; 2 साल में बनकर होगा तैयार !

कोटा, 19 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंगलवार केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में राजस्थान के कोटा-बूंदी क्षेत्र में ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के निर्माण को मंजूरी दी गई। जिससे देश के इंफ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी को नई दिशा मिलेगी। इस प्रोजेक्ट की कुल लागत 1,507 करोड़ रुपये होगी। इससे न सिर्फ कोटा और बूंदी के बीच यात्रा आसान होगी, बल्कि पूरे राजस्थान में हवाई संपर्क मजबूत होगा।

कोटा एक प्रमुख शैक्षिक और औद्योगिक केंद्र है और बूंदी क्षेत्र को इस हवाई अड्डे से नई उड़ान मिलेगी। यह निर्णय क्षेत्र की कनेक्टिविटी, पर्यटन और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण साबित होगा। हवाई अड्डा कोटा से 15 किमी और बूंदी से 20 किमी की दूरी पर शम्भुपुरा गांव में बनाया जाएगा। इससे कोटा के लाखों छात्रों, अभिभावकों और पर्यटकों को बेहतर हवाई संपर्क सुविधा मिलेगी। हाड़ौती क्षेत्र को भी इसका लाभ मिलेगा।

2 साल में बनने की संभावनाएं

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि 'कैबिनेट ने 1,507 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से राजस्थान में ग्रीन फील्ड हवाई अड्डे- कोटा-बूंदी हवाई अड्डे के विकास को मंजूरी दे दी है। टर्मिनल भवन 3200 मीटर लंबे रनवे के साथ 20,000 वर्गमीटर क्षेत्र में फैला है। यह एनएच-52 और कोटा-देवली बायपास के पास अच्छी लोकेशन पर बनेगा। 2 साल के अंदर बनाने की संभावनाएं लेकर चल रहे है। इसकी क्षमता प्रति वर्ष 20 लाख यात्रियों की होगी।'

4 नए आईएएस की नियुक्ति पर क्यों मचा बवाल ?

डोटासरा ने बीजेपी सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

जयपुर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग ने 18 अगस्त 2025 को राजस्थान कैडर के लिए चार नए आईएएस अधिकारियों की नियुक्ति की घोषणा की। इस नियुक्ति के तहत राजस्थान प्रशासनिक सेवा-2020 बैच के चार अधिकारियों, डॉ. नीलिमा जैनवाल, प्रमोद कुमार मीणा, संजीव कुमार मित्तल और नरेंद्र कुमार को आईएएस में पदोन्नत किया गया है। इसके अलावा, अन्य सेवाओं से चयनित चार अधिकारियों डॉ. नीतीश शर्मा, अमिता शर्मा, नरेंद्र कुमार मंघानी और नरेश कुमार गोयल को प्रोबेशन पर IAS में शामिल किया गया है। ये सभी अधिकारी सामान्य वर्ग से हैं। इस चयन प्रक्रिया को लेकर राजस्थान में सियासी विवाद खड़ा हो गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने राजस्थान सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

चयन प्रक्रिया में जातिवादी मानसिकता

पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने इस नियुक्ति प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग , अति पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक वर्ग से किसी भी अधिकारी का चयन न होना भजनलाल सरकार की जातिवादी मानसिकता को उजागर करता है।

डोटासरा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि राजस्थान में अन्य सेवा से आईएएस बने नीतीश शर्मा जी, अमिता शर्मा जी, नरेंद्र कुमार मंघानी जी और नरेश कुमार गोयल जी को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं। यह बेहद गंभीर और आश्चर्यजनक है कि सरकार को एससी, एसटी, ओबीसी, एमबीसी और माइनॉरिटी कैटेगरी में कोई भी योग्य अधिकारी नहीं मिला!

डोटासरा ने कहा कि लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी इसीलिए जातिगत जनगणना के पक्ष में हैं, ताकि सामाजिक न्याय सुनिश्चित हो सके और सबको आबादी के अनुपात में हिस्सेदारी मिल सके। चयन प्रकिया में हमेशा योग्यता व वरिष्ठता के आधार पर सभी वर्गों के योग्य अधिकारियों को समान अवसर दिया जाता रहा है। लेकिन प्रदेश के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है कि केवल सामान्य वर्ग से ही चारों सीटें भर दी गई।

उन्होंने कहा कि यह खुलेआम जातिवादी मानसिकता के प्रदर्शन का मामला है। 36 कौम का वोट लेकर सत्ता में बैठी भाजपा सरकार की जवाबदेही जातिवादी सोच वाले अफसरों के प्रति नहीं, जनता के प्रति है।

अन्य सेवाओं से चयन प्रक्रिया ?

जानकारी के अनुसार, राजस्थान में अन्य सेवाओं से आईएएस में चयन के लिए एक निश्चित कोटा निर्धारित है। चयन प्रक्रिया में साक्षात्कार कमेटी में तीन अधिकारी शामिल होते हैं, जिनमें राज्य का मुख्य सचिव, डीओपीटी सचिव और वरिष्ठतम आईएएस अधिकारी होते हैं। सामान्य तौर पर, इस प्रक्रिया में सभी वर्गों के योग्य अधिकारियों को समान अवसर देने की परंपरा रही है। लेकिन इस बार चारों पदों पर सामान्य वर्ग के अधिकारियों का चयन होने से विवाद उत्पन्न हुआ है।

पहले की नियुक्तियों में थी विविधता

जानकारी के मुताबिक पिछले रिकॉर्ड्स बताते हैं कि राजस्थान में पहले की नियुक्तियों में विभिन्न वर्गों को प्रतिनिधित्व दिया गया था। वर्ष 2021 में चार रिक्तियों के लिए एक सामान्य वर्ग, एक एससी और दो ओबीसी अधिकारियों का चयन हुआ था। वहीं, 2022 में दो रिक्तियों के लिए एक एससी और एक ओबीसी अधिकारी चुने गए थे। इस बार 2025 में चारों पदों पर सामान्य वर्ग के अधिकारियों का चयन होने से यह पहला मौका है जब सभी सीटें एक ही वर्ग को मिली हैं।

वोट चोरी विवाद: कांग्रेस और चुनाव आयोग में तकरार

गहलोत बोले- ईसी की बीजेपी से सांठ-गांठ...लगाए गंभीर आरोप

जयपुर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। वोट चोरी के आरोपों को लेकर कांग्रेस और केंद्रीय चुनाव आयोग के बीच विवाद चरम पर पहुंच गया है। विपक्षी दलों ने मतदाता सूची में गड़बड़ी के गंभीर आरोप लगाए हैं, जिसके जवाब में चुनाव आयोग ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अपनी स्थिति स्पष्ट की। इस बीच, राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी आयोग पर पक्षपात का आरोप लगाते हुए सवाल उठाए हैं। दरअसल, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने हाल ही में मतदाता सूची में हेरफेर और वोट चोरी का आरोप लगाया था। उन्होंने सबूतों के साथ दावा किया कि कुछ क्षेत्रों में मतदाता सूचियों में गड़बड़ी की गई, जिससे विपक्ष को नुकसान पहुंचा। जवाब में, मुख्य निर्वाचन आयुक्त (CEC) ज्ञानेश कुमार ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी के आरोपों को निराधार बताया।

आयोग ने कहा कि राहुल गांधी या तो अपने आरोपों के समर्थन में शपथ पत्र दें या फिर देश को गुमराह करने के लिए माफी मांगें। सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन करते हुए आयोग ने बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) के तहत मतदाता सूची से हटाए गए नामों को जिला अधिकारियों की वेबसाइटों पर सार्वजनिक करने की बात भी कही।

राहुल गांधी पर आयोग की सख्ती के बाद कांग्रेस ने इसे पक्षपातपूर्ण करार दिया। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाए। गहलोत ने कहा कि राहुल गांधी एक संवैधानिक पद पर हैं। उन्होंने पूरी जिम्मेदारी से सबूतों के साथ चुनाव आयोग पर वोटर लिस्ट में गड़बड़ी के आरोप लगाए। चुनाव आयोग ने अपनी गलती स्वीकार करने की बजाय उनसे शपथ पत्र मांगा। इसके बाद भाजपा नेता अनुराग ठाकुर ने भी कुछ सीटों पर वोटर लिस्ट में गड़बड़ी के आरोप लगाए पर चुनाव आयोग ने उनसे कोई शपथ पत्र नहीं मांगा।

गहलोत ने समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव का हवाला देते हुए कहा कि एक तरफ चुनाव आयोग राहुल गांधी से शपथ पत्र मांग रहा है वहीं सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आज 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के दौरान चुनाव आयोग को शपथ पत्र के साथ की गईं 18,000 शिकायतों एवं इनकी पावती (रिसीविंग) को सार्वजनिक किया है। उन्होंने कहा कि यह आश्चर्य की बात है कि चुनाव आयोग ने शपथ पत्र के साथ दी गईं इन शिकायतों पर भी कोई जवाब नहीं दिया बल्कि अब चुनाव आयोग कह रहा है कि उसे कोई शिकायत नहीं मिली।

आयकर विभाग की छापेमारी, मॉरीशस से हो रही फंडिंग, ब्लैक मनी का शक गहराया

भीलवाड़ा, 19 अगस्त (एजेंसियां)। भीलवाड़ा में इनकम टैक्स विभाग की बड़ी कार्रवाई मंगलवार को दूसरे दिन भी जारी रही। जयपुर और दिल्ली से आई विशेष आईटी टीम ने मंगलवार को कोतवाली थाना क्षेत्र के गुर्जर मोहल्ले में दबिश दी। यहां रहने वाले महेश नामक व्यक्ति के घर पर सर्च ऑपरेशन किया गया। महेश लंबे समय से एकाउंट्स और टैक्स से जुड़ी सर्विस प्रोवाइड कर रहा था तथा उसे राजनीतिक दलों को डोनेशन के लेन-देन में मीडियेटर की भूमिका निभाने वाला माना जा रहा है।

भीलवाड़ा के चंद्रशेखर आजाद नगर में बाकलीवाल पिता-पुत्र के यहां छापेमारी शुरू की गई थी। टीम को यहां से कई महत्वपूर्ण दस्तावेज मिले, जिन्हें खंगाला जा रहा है। दस्तावेजों के अनुसार मॉरीशस के माध्यम से इंटर आर्क बिल्डिंग सॉल्यूशन लिमिटेड नामक कंपनी में भारी-भरकम निवेश किया गया था। इनकम टैक्स विभाग को शक है कि यह निवेश ब्लैक मनी से जुड़ा हुआ है, जिसे भारत में टैक्स बचाने के लिए भेजा गया।

आईटी विभाग की जांच का दायरा केवल भीलवाड़ा तक सीमित नहीं रहा। इससे पहले दिल्ली, मुंबई, नोएडा और दौसा में भी छापेमारी की गई थी। विभाग की नजर इस पूरे नेटवर्क पर है, जिसके माध्यम से कथित रूप से विदेश से आए फंड को राजनीतिक डोनेशन और विभिन्न कंपनियों में निवेश के जरिए खपाया जा रहा था।

मंगलवार को गुर्जर मोहल्ले में पहुंचे आईटी अधिकारियों का दल पांच गाड़ियों में आया। स्थानीय पुलिस की मौजूदगी में महेश के घर के भीतर घंटों तक तलाशी ली गई। महेश की भूमिका एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में देखी जा रही है, क्योंकि वह अकाउंटिंग और टैक्स कंसल्टेंसी के नाम पर ऐसे कई लेन-देन में शामिल रहा है। उसके घर से भी कई दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए गए हैं। दूसरी ओर मुंबई में अंकुर नामक व्यक्ति से दूसरे दिन भी लगातार पूछताछ चल रही है। आईटी अधिकारियों का कहना है कि इस पूरे मामले में ब्लैक मनी के जरिए भारत में किए गए निवेश की असलियत सामने लाना विभाग की प्राथमिकता है।

आज यह भी सामने आया है कि कथित रूप से मॉरीशस की कंपनियों के जरिए भारत में पैसा भेजा गया और फिर उसे निर्माण और अन्य सेक्टरों में निवेश के रूप में दिखाया गया। यदि यह साबित हो जाता है कि यह ब्लैक मनी है, तो एक बहुत बड़ा घोटाला उजागर होने की संभावना है।

भीलवाड़ा और दौसा में हुई ताजा कार्रवाई से स्पष्ट है कि विभाग इस केस को लेकर बेहद गंभीर है और आने वाले दिनों में और भी लोगों पर शिकंजा कस सकता है। राजनीतिक फंडिंग और विदेशी निवेश के इस जटिल जाल में कई नाम सामने आ सकते हैं। आईटी विभाग की कार्रवाई से स्थानीय स्तर पर भी हलचल मच गई है।

गुर्जर मोहल्ले और चंद्रशेखर आजाद नगर में दिनभर लोगों की भीड़ जमा रही। लोग चर्चा करते रहे कि आखिर किन-किन बड़े नामों तक यह जांच पहुंचेगी। आईटी टीम ने साफ संकेत दिए हैं कि जांच पूरी होने तक कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। अभी तक मिले दस्तावेज और पूछताछ से यह अंदेशा गहरा हो गया है कि विदेश से आए निवेश का बड़ा हिस्सा वास्तव में ब्लैक मनी है, जिसे टैक्स चोरी के लिए उपयोग किया जा रहा था।

बलात्कार के दोषी आसाराम को हाईकोर्ट से फिर मिली राहत

जोधपुर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। उम्रकैद की सजा काट रहे बलात्कार के दोषी आसाराम को गुजरात हाई कोर्ट ने एक बार फिर राहत दी है। कोर्ट ने उनकी अस्थायी जमानत को मेडिकल आधार पर 3 सितंबर 2025 तक बढ़ा दिया है। इससे पहले, राजस्थान हाई कोर्ट ने भी उनकी अंतरिम जमानत को 29 अगस्त तक बढ़ाया था। दोनों कोर्ट अब उनकी मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर आगे का फैसला लेंगे। आसाराम स्वास्थ्य कारणों का हवाला देकर बार-बार जमानत की मांग कर रहे हैं।

गुजरात हाई कोर्ट ने 19 अगस्त 2025 को आसाराम की याचिका पर सुनवाई की। उनके वकील ने कोर्ट में मेडिकल रिपोर्ट पेश की, जिसमें उनकी सेहत को गंभीर बताया गया। हृदय संबंधी समस्याओं और 'ट्रोपोनिन लेवल' के असामान्य रूप से उच्च होने की बात सामने आई है। इस आधार पर गुजरात हाई कोर्ट ने उनकी अंतरिम जमानत को चौथी बार बढ़ाने का फैसला किया। इससे पहले, कोर्ट ने 7 अगस्त को उनकी जमानत 21 अगस्त तक बढ़ाई थी।

राजस्थान हाई कोर्ट ने 12 अगस्त को आसाराम की अंतरिम जमानत को तीसरी बार बढ़ाते हुए 29 अगस्त तक राहत दी थी। जस्टिस दिनेश मेहता और जस्टिस विनीत कुमार माथुर की बेंच ने यह आदेश दिया। सुनवाई के दौरान आसाराम के वकील निशांत बोड़ा ने दलील दी कि गुजरात हाई कोर्ट पहले ही उनकी जमानत 21 अगस्त तक बढ़ा चुका है।

फायरिंग व जानलेवा हमला करने के मामले में तूफानी गैंग का सरगना गिरफ्तार, 15 मामले हैं दर्ज

जोधपुर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के लोहावट थानातंर्गत सरहद इंदोलाई नाड़ी में 14 अगस्त की रात्रि में 0029 गैंग के सदस्यों पर फायरिंग व जानलेवा हमले के प्रकरण में जिला स्पेशल टीम फलोदी ने तूफानी गैंग के सरगना को गिरफ्तार किया है।जिला पुलिस अधीक्षक कुंदन कंवरियां ने बताया कि आपराधिक गैंग के बीच आपसी दुश्मनी, गैंगवार, फायरिंग व जानलेवा हमला करने की घटना के प्रकरण में वांछित आरोपियों को गिरफ्तार करने के निर्देश दिए गए। एएसपी ब्रजराजसिंह चारण व वृताधिकारी लोहावट संग्रामसिंह भाटी के सुपरविजन में आरोपियों की तलाश के लिए जिला स्तर पर पुलिस टीमों का गठन किया जाकर सूचना संकलन व तकनीकी विश्लेषण किया गया। डीएसटी फलोदी के कांस्टेबल भगवानाराम को सूचना मिली कि घटना में शामिल आरोपी इलियास उर्फ इलिया तूफानी जोधपुर शहर के शास्त्रीनगर में है। इस पर थानाधिकारी शास्त्रीनगर जोधपुर मय जाब्ता ने कांस्टेबल द्वारा दी गई सूचना पर दबिश देकर आरोपी इलियास उर्फ इलिया तूफानी पुत्र गफूरखां मुसलमान निवासी बरकत कॉलोनी फलोदी को दस्तयाब किया गया। गिरफ्तार आरोपी से अनुसंधान जारी है।

बिबलसर गांव में तीन बच्चों की डूबने से मौत

नाड़ी में नहाते समय हुआ हादसा

जालोर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। जालोर जिले से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। बागरा थाना क्षेत्र के बिबलसर गांव में मासूम बच्चों की नाड़ी में डूबने से मौत हो गई। हादसे के बाद पूरे इलाके में मातम छा गया है। बिबलसर गांव के तीन बच्चे रोजाना की तरह नाड़ी में नहाने गए थे। इस दौरान गहराई में चले जाने से वे बाहर नहीं निकल पाए और डूब गए। बच्चों की चीख-पुकार सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी।

जानकारी के अनुसार मृतकों की पहचान रोहित कुमार (12) पुत्र राजूराम बागरी, निवासी बिबलसर दशरथ (15) पुत्र छोगाजी प्रजापत, निवासी बिबलसर कुलदीप (8) पुत्र पारसमल प्रजापत, निवासी डकातरा (हाल निवासी बिबलसर) तीनों बच्चे आपस में मित्र थे और नहाने के लिए साथ ही नाड़ी पर गए थे।

पुलिस और प्रशासन की कार्रवाई

घटना की सूचना मिलते ही एएसआई बिशन सिंह राजावत और हेड कांस्टेबल मांगीलाल मीणा पुलिस दल के साथ मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों की मदद से शवों को बाहर निकालकर सियाणा अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। पुलिस ने बताया कि मंगलवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए जाएंगे।

घटना के बाद से पूरे गांव में शोक की लहर है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और ग्रामीण भी गमगीन हैं। ग्रामीणों का कहना है कि नाड़ी के आसपास कोई सुरक्षा इंतजाम नहीं है, जिस वजह से यह हादसा हुआ। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि नाड़ी और तालाबों पर सुरक्षा उपाय किए जाएं, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों।

एनसीबी की बड़ी कार्रवाई, 21 लाख रुपये की चार किलो से अधिक अफीम के साथ चार गिरफ्तार

जोधपुर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। एनसीबी जोधपुर की टीम ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए 4 किलो से अधिक अफीम के साथ रिसीवर पेडलर और सप्लायर को गिरफ्तार किया है। इन चारों से एनसीबी की टीमें पूछताछ कर रही है। पकड़ी गई अफीम की कीमत 21 लाख रुपये बताई जा रही है।

कार्रवाई के बारे में बताते हुए एनसीबी के जोनल डायरेक्टर घनश्याम सोनी ने बताया कि नशे के खिलाफ चलाए जा रहे एनसीबी के अभियान के तहत काकेलाव गांव के पास नशे की खेप सप्लाई होने की जरिया मुखबिर जानकारी मिली जिस पर एनसीबी की टीमों ने बाइक पर आ रहे दो लोगों को रुकवाया और एनसीबी कार्यालय लाकर उनसे पूछताछ की गई कार्रवाई के दौरान दोनों पेडलरों के पास से चार किलो 166 ग्राम अफीम बरामद हुई है। एनसीबी की टीमों ने पेडलरों से पूछताछ के बाद उन्हीं से फोन करवा कर रिसीवर को चार घंटे के भीतर सालवा कला गांव से गिरफ्तार किया है। पूछताछ के आधार पर ही एनसीबी की एक टीम को तत्काल चित्तौड़गढ़ भेजा गया, जहां सांवरिया सेठ इलाके के पास से मुख्य सप्लायर को भी एनसीबी की टीमों ने गिरफ्तार किया है। एनसीबी की टीमों ने तत्परता दिखाते हुए 24 घंटे के भीतर ही सप्लायर पेडलर और रिसीवर को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की।

पश्चिमी राजस्थान में पिछले कई वर्षों से नशे का कारोबार बढ़ा है। बड़ी संख्या में लोग अफीम डोडा पोस्ट स्मेक और एमडी का नशा करते हैं और इसी के चलते तस्करों की संख्या भी कुकुरमुतों की तरह बढ़ गई है। जोनल डायरेक्टर घनश्याम सोनी ने कहा कि नशे के खिलाफ चलाए जा रहे हैं।

सरकारी अस्पताल के डॉक्टर रिश्वत लेते हुआ ट्रैप

मेडिकल सर्टिफिकेट का बड़ा खेल

जालोर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में लगातार भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो हर सरकारी विभागों पर पैनी नजर बनाए है. आम लोगों की शिकायत पर छोटे कर्मचारी से बड़े अधिकारी जो भ्रष्टाचार में लिप्त हैं, उन पर शिकंजा कसा जा रहा है. इसमें पुलिस, प्रशासन और न्यायालय से जुड़े सभी कर्मचारी शामिल हैं. वहीं स्वास्थ्य विभाग पर भी एसीबी की टीम छापेमारी कर रही है. ताजा मामला जालोर से आया है, जहां जिला अस्पताल के डॉक्टर को भ्रष्टाचार मामले में गिरफ्त में लिया गया है. बताया जा रहा है कि डॉक्टर को रिश्वत लेते रंगे हाथ ट्रैप किया गया है.

एसीबी के मुताबिक, जालोर के जिला अस्पताल के ट्रॉमा सेन्टर में एसीबी टीम ने 2 हजार रुपए की

रिश्वत लेते हुए डॉक्टर कानाराम पटेल को पकड़ा है. एसीबी की टीम आगे की कार्रवाई में जुट गई है.

मेडिकल सर्टिफिकेट बनाने का चल रहा खेल

एसीबी डीएसपी मांगीलाल रोठौड़ के नेतृत्व में चल रही इस कार्रवाई में डॉक्टर को मेडिकल सर्टिफिकेट जारी करने के एवज में रिश्वत मांगते हुए पकड़ा गया. पुलिस के अनुसार आरोपी डॉक्टर ने पीड़ित से प्रमाणपत्र बनाने के लिए 2000 रुपए की मांग की थी, इसके लिए उसे परेशान किया जा रहा था. वहीं पीड़ित ने इसकी शिकायत जालोर एसीबी की टीम से की जिसके बाद एसीबी की टीम ने शिकायत का सत्यापन करवाया. वहीं मंगलवार (19 अगस्त) को डॉक्टर कानाराम पटेल रिश्वत लेते रंगे हाथ ट्रैप किया गया.

अब डॉक्टर कानाराम पटेल से एसीबी की टीम और पुलिस पूछताछ कर रही है. वहीं अब इस मामले में और भी खुलासा किया जा सकता है. साथ ही डॉक्टर के अन्य ठिकानों पर भी छापेमारी करने की तैयारी की जा रही है.

7.80 लाख रुपये के अफीम के दूध के साथ एक गिरफ्तार

सिरोही, 19 अगस्त (एजेंसियां)। पिंडवाड़ा पुलिस थानाधिकारी भवानी सिंह राजावत ने बताया कि पुलिस एवं डीएसटी टीम की संयुक्त कारवाई के दौरान एक अल्टो कार से 520 ग्राम अफीम का दूध जब्त किया गया है। इसे अवैध तरीके से परिवहन किया जा रहा था। इस मामले में अल्टो कार जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। जब्त किए गए 7.80 लाख रुपये बताई गई है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर अग्रिम जांच शुरू कर दी गई है। थानाधिकारी चंपावत के अनुसार पुलिस अधीक्षक डॉ. प्यारे लाल शिवरान द्वारा मादक पदार्थों कि तस्करी के विरूद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत यह कारवाई की गई। इसके तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रभुदयाल धानिया एवं पिंडवाड़ा वृत के वृताधिकारी भवरंलाल चौधरी के सुपरविजन में थानास्तरीय टीम एवं डीएसटी टीम द्वारा संयुक्त कारवाई कर हर्षिता हाईवे होटल के सामने नाकाबंदी की गई थी।

झालावाड़ हादसे का जिम्मेदार कौन ?

हाईकोर्ट ने चार दिन के भीतर राज्य सरकार से जवाब मांगा

जयपुर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट ने झालावाड़ में स्कूल बिल्डिंग गिरने से हुई सात बच्चों की मौत के मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए केंद्र सरकार, राज्य सरकार और राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग से जवाब मांगा है। अदालत ने इस संबंध में चार दिन में जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है।

जिले में स्कूल बिल्डिंग ढहने से सात मासूम बच्चों की मौत के बाद राजस्थान हाईकोर्ट ने मामले का स्वतः संज्ञान लेते हुए गंभीर रुख अपनाया है। कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकार के साथ-साथ राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग को नोटिस जारी कर 14 बिंदुओं पर जवाब मांगा है। अदालत ने चार दिन के भीतर जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य न्यायाधीश ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए इसे एक स्पेशल बेंच को रैफर किया। हाईकोर्ट ने इस मामले को अर्जेंट मानते हुए 22 अगस्त को अगली सुनवाई तय की है।

अदालत ने सरकार से यह स्पष्ट करने को कहा है कि झालावाड़ की घटना क्यों हुई और इसके लिए जिम्मेदार कौन है? दोषियों के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई है? पहले से बने सुरक्षा नियमों का पालन क्यों नहीं हो रहा है? भविष्य में ऐसी घटनाओं से बच्चों की जान बचाने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं? सुनवाई के दौरान राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग की ओर से अधिवक्ता वागीश कुमार सिंह पेश हुए। उन्होंने कहा कि अदालत को झालावाड़ के अलावा जैसलमेर, उदयपुर और बूंदी में हुए अन्य स्कूल हादसों की जानकारी भी दी जाएगी।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने उपराष्ट्रपति चुनाव में न्यायमूर्ति सुदर्शन रेड्डी का समर्थन करने का आग्रह किया

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। न्यायमूर्ति सुदर्शन रेड्डी को इंडिया अलायंस का उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित किए जाने का स्वागत करते हुए, मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने इसे तेलुगु लोगों के लिए गौरव का क्षण बताया।

हैदराबाद स्थित कमांड कंट्रोल ऑफिस में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि एनडीए "लोकतंत्र का मज़ाक उड़ा रहा है और संवैधानिक संस्थाओं का दुरूपयोग कर रहा है" जबकि इंडिया गठबंधन संविधान की रक्षा के लिए संघर्ष कर रहा है। उन्होंने कहा कि "संविधान को खत्म करने की साजिश रचने वालों" को हराना सभी लोकतांत्रिक ताकतों की ज़िम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री ने तेलुगु राज्यों के सभी दलों से न्यायमूर्ति सुदर्शन रेड्डी के समर्थन में एकजुट होने की अपील की, और विशेष रूप से आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायुडू, बीआरएस अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव, जन सेना प्रमुख पवन कल्याण और वाईएसआरसीपी प्रमुख वाई.एस. जगनमोहन रेड्डी से इंडिया अलायंस के उम्मीदवार का समर्थन करने का आग्रह किया। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि यह उम्मीदवारी पार्टी लाइन से ऊपर है। उन्होंने आगे कहा, न्यायमूर्ति सुदर्शन रेड्डी न तो कांग्रेस के सदस्य हैं और न ही किसी राजनीतिक दल से जुड़े हैं। वे हमेशा संविधान के रक्षक रहे हैं और ओबीसी आरक्षण के लिए अथक प्रयास करते रहे हैं। इस समय, यह ज़रूरी है कि उनके जैसी क़ानूनी समझ रखने वाला कोई व्यक्ति इतने महत्वपूर्ण पद पर हो, खासकर पिछड़ा वर्ग विधेयक को पारित कराने के लिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें विश्वास नहीं है कि अगर एनडीए उम्मीदवार राधाकृष्णन जीत जाते हैं तो पिछड़े वर्गों के साथ न्याय हो पाएगा। उन्होंने कहा कि आगामी उपराष्ट्रपति चुनाव तेलंगाना बनाम तमिलनाडु का मुकाबला नहीं है, बल्कि "संविधान की रक्षा करने वालों और उसे कमज़ोर करने वालों" के बीच की लड़ाई है और सभी सांसदों से "अपनी अंतरात्मा की आवाज़ पर वोट" देने की अपील की।

भारी मात्रा में गांजा के साथ महिला समेत दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। डोमलगुडा पुलिस ने भारी मात्रा में गांजा के साथ महिला समेत दो को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार कोमल सोमीनाथ पवार और साहिल महेश सालुंके लिबर्टी टी जंक्शन के पास, अंबेडकर कॉलोनी, में दो ट्रैवल बैग के साथ संदिग्ध परिस्थितियों में घूम रहे थे। उनके पास से अवैध रूप से 18 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। पुलिस उपायुक्त, मध्य क्षेत्र, हैदराबाद, के. शिल्पा वल्ली ने बताया कि कोमल सोमीनाथ पवार पत्नी स्वर्गीय सुरेश काल्हे और साहिल महेश सालुंके पुत्र महेश सालुंके निवासी : सतारा खिंडोबा मंदिर, भीमा शक्ति नगर, औरंगाबाद, महाराष्ट्र के रहने वाले है।

इस मामले में बाबू निवासी विजयवाड़ा, ए.पी. फरार है। आरोपियों के पास से 18 किलोग्राम गांजा और दो सेल फोन मिला है। बरामद गांजे की कुल कीमत लगभग करीब साढे चार लाख रुपये बताई जा रही है। उन्होंने बताया कि मंगलवार को दोनों को लिबर्टी टी जंक्शन के पास, अंबेडकर कॉलोनी के पास से पकडा गया।

आरोपी विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश के एक बाबू निवासी से खरीदा था और वे इसे औरंगाबाद में ज़रूरतमंद ग्राहकों को ऊंची कीमतों पर बेचने वाले थे। दोनों आरोपी कथित तौर पर विजयवाड़ा से हैदराबाद इस इरादे से आए थे कि लिबर्टी 'टी' जंक्शन के आसपास से बस द्वारा औरंगाबाद जाएं और संभावित खरीदारों को ऊंची कीमतों पर प्रतिबंधित सामान बेचने का इरादा रखते थे। उनकी गिरफ्तारी और मादक पदार्थों की जब्ती की गई, और फरार आरोपियों को पकड़ने और आपूर्ति श्रृंखला का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है।

पुलिस कर्मियों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रयास करेंगे : डॉ. जितेंद्र

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस महानिदेशक, डॉ. जितेंद्र, आईपीएस ने आश्वासन दिया कि पुलिस कर्मियों की समस्याओं के समाधान के लिए हर संभव प्रयास किए जाऐंगे। वे मंगलवार को डीजीपी कार्यालय में आयोजित तेलंगाना राज्य पुलिस अधिकारी संघ की राज्य कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित कर रहे थे।

इस अवसर पर बोलते हुए, डीजीपी ने कहा कि कर्मियों से संबंधित समस्याओं के समाधान को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि अनुकूल कार्य वातावरण प्रदान करने, व्यापक स्तर पर कल्याणकारी उपायों को लागू करने और पदोन्नति व अन्य प्रशासनिक मामलों से संबंधित निर्णयों में तेजी लाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

इस अवसर पर, संघ के प्रतिनिधियों ने कुछ मुद्दों पर प्रकाश डाला और अपने प्रस्ताव प्रस्तुत किए, जिनमें पुलिस कर्मियों के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण सुविधाओं को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया।

खुफिया महानिदेशक, बी. शिवधर रेड्डी, आईपीएस ने सुझाव दिया कि कर्मियों की सहायता के लिए इकाई मुख्यालयों में चिकित्सा कर्मचारियों की सुविधा की व्यवस्था की जानी चाहिए। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था), महेश एम. भागवत, आईपीएस ने बड़े पैमाने पर चिकित्सा शिविर आयोजित करने और कर्मचारियों के लिए नियमित स्वास्थ्य जांच कराने की आवश्यकता पर बल दिया। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कार्मिक), अनिल कुमार, आईपीएस ने आश्वासन दिया कि यदि कर्मियों की पदोन्नति, चिकित्सा दृष्टि से अक्षम कर्मियों के मामले में आश्रितों की नियुक्ति से संबंधित कोई भी समस्या लंबित है, तो उसे शीघ्र समाधान के लिए उनके संज्ञान में लाया जाना चाहिए।

पुलिस महानिरीक्षक (कानून एवं व्यवस्था) एम. रमेश, आईपीएस ने पुलिसकर्मियों के समर्पण अवकाश, यात्रा भत्ता से संबंधित लंबित बिलों के भुगतान में सरकार के संबंधित अधिकारियों के साथ बातचीत करके शीघ्रता बरतने का आश्वासन दिया। बैठक में एआईजी कानून एवं व्यवस्था रमण कुमार, आरोग्य भद्रता प्रभारी गोपाल रेड्डी और अन्य ने भाग लिया।

छह महीने का सप्ताहांत प्रशिक्षण कार्यक्रम

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आईहब-डेटा विज्ञान, वाणिज्य या व्यवसाय धाराओं में करियर बनाने वाले स्नातक छात्रों के लिए एआई/एमएल पर छह महीने का सप्ताहांत प्रशिक्षण कार्यक्रम ला रहा है। यह कार्यक्रम अत्यधिक प्रेरित छात्रों के लिए आदर्श होगा, जो डेटा-आधारित निर्णय लेने की प्रक्रियाओं के उपकरण और तकनीक सीखने के इच्छुक हैं।

आईआईआईटी हैदराबाद में इन क्षेत्रों के संसाधन व्यक्तियों द्वारा सभी सप्ताहांतों पर कक्षाएं संचालित की जाएंगी। आईहब-डेटा में शैक्षिक कार्यक्रमों के प्रमुख डॉ. सीके राजू ने कहा कि विविध शैक्षणिक विषयों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग (एमएल) का एकीकरण, गैर-इंजीनियरिंग शैक्षिक कार्यक्रमों में अध्ययनरत स्नातक छात्रों के लिए अल्पकालिक पाठ्यक्रम के महत्व को रेखांकित करता है। उन्होंने कहा, प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण या तंत्रिका नेटवर्क का उपयोग करने वाले अन्य अनुप्रयोगों से जुड़े व्यावहारिक उपकरणों के साथ सैद्धांतिक ज्ञान को जोड़कर, यह कार्यक्रम यह सुनिश्चित करेगा कि स्नातक एनालिटिक्स, उत्पाद प्रबंधन या नीति-निर्माण में भूमिकाओं के लिए तैयार होकर अपने पेशेवर करियर में प्रवेश करें।

एफआरएस पंजीकरण से 75 प्रतिशत लाभार्थियों के लिए टेक-होम राशन

तेलंगाना आंगनवाड़ी सेवाओं में अग्रणी : मंत्री

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना ने आंगनवाड़ी सेवाओं में एक और कदम आगे बढ़ाया है। राज्य सरकार लाभार्थियों को पूरी पारदर्शिता के साथ पोषण प्रदान करने के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग कर रही है। केंद्र सरकार के निर्देशों के अनुसार, फेस रिकॉग्निशन सिस्टम (एफआरएस) को पोषण ट्रैकर ऐप में व्यापक रूप से एकीकृत किया गया है। आंगनवाड़ी कर्मचारी पहले पंजीकरण के दौरान ई-केवाईसी और लाइव फोटो कैप्चर के माध्यम से लाभार्थियों का विवरण दर्ज करेंगे। उसके बाद, हर महीने टेक-होम राशन (टीएचआर) के वितरण के दौरान, सही लाभार्थी को सामान प्रदान करने के लिए फेस मैचिंग प्रक्रिया का पालन किया जाता है। यह प्रणाली सुनिश्चित करती है कि पोषण केवल वास्तविक लाभार्थियों तक ही पहुंचे। यह पौष्टिक भोजन को बर्बाद होने से बचाता है और पारदर्शिता बढ़ाता है। तेलंगाना में आंगनवाड़ियों के माध्यम से पोषण में सुधार के लिए कई कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। हालांकि, तेलंगाना में एफआरएस प्रणाली केवल लाभार्थियों को ही पोषणयुक्त भोजन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लागू की जा रही है। मंत्री सीतक्का की लगातार समीक्षाओं के साथ एफआरएस पंजीकरण प्रतिशत में उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है। वर्तमान में, तेलंगाना राज्य में कुल 18,59,978 टेक होम राशन (टीएचआर) लाभार्थी हैं। केंद्रीय पोषण ट्रैकर से पता चला है कि इनमें से 74.32 प्रतिशत पहले से ही फेस रिकग्निशन सिस्टम (एफआरएस) के माध्यम से पोषण प्राप्त कर रहे हैं। इसका अर्थ है कि तेलंगाना सरकार पारदर्शिता लागू कर रही है ताकि केवल लक्षित लाभार्थियों को ही लाभ मिल सके। इस प्रणाली के कारण, दूध, अंडे और शिशु आहार जैसी पोषण संबंधी वस्तुएं बिना किसी डायवर्जन के सीधे लाभार्थियों तक पहुंच रही हैं। सरकार ने इसका और विस्तार करते हुए 90 प्रतिशत कवरेज का लक्ष्य रखा है। इस दिशा में, आंगनवाड़ी कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने और तकनीकी संसाधनों का अधिक से अधिक उपयोग करने के लिए कदम उठाए गए हैं। आने वाले महीनों में इस प्रणाली में और अधिक लाभार्थियों का पंजीकरण किया जाएगा। इस अवसर पर बोलते हुए, महिला एवं बाल कल्याण मंत्री डॉ. दानसारी अनसूया सीतक्का ने कहा कि फेस रिकग्निशन सिस्टम के माध्यम से केवल लाभार्थियों को ही खाद्य सामग्री प्राप्त हो रही है। इससे पोषण वितरण अधिक पारदर्शी और कुशल हो गया है।

एक तस्वीर हजारों भावनाओं को व्यक्त कर सकती है : पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी

मंत्री ने विश्व फ़ोटोग्राफ़ी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के सूचना, जनसंपर्क एवं राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने मंगलवार को कहा, एक तस्वीर हज़ारों भावनाओं को व्यक्त कर सकती है और राज्य में फ़ोटो पत्रकारों में व्यावसायिकता बढ़ाने के लिए कदम उठाए जाएंगे।

मंत्री पोंगुलेटी ने विश्व फ़ोटोग्राफ़ी दिवस के उपलक्ष्य में राज्य सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा आयोजित फ़ोटोग्राफ़ी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार और नकद पुरस्कार प्रदान करने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। पंजागुट्टा के एक निजी होटल में आयोजित विश्व फ़ोटोग्राफ़ी दिवस कार्यक्रम में राज्य सरकार के मुख्य सचिव रामकृष्ण राव, राज्य मीडिया अकादमी के अध्यक्ष श्रीनिवास रेड्डी, सूचना विभाग की विशेष आयुक्त सी.एच. प्रियंका, मुख्यमंत्री कार्यालय के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी मालसूर अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि केवल फ़ोटोग्राफ़रों में ही समय को कैद करने और मधुर यादें संजोने की शक्ति होती है। उन्होंने कहा कि फोटोग्राफरों को प्रोत्साहित करने के लिए हर साल आधिकारिक तौर पर विश्व फोटोग्राफी दिवस का आयोजन किया जाता है और फोटो प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार और स्मृति चिन्ह प्रदान किए जाते हैं।

फोटोग्राफी को यादों का स्रोत और एक स्वप्न बताते हुए उन्होंने कहा कि कई दशकों बाद भी, एक तस्वीर अतीत की यादों को संजो सकती है। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या को याद करते हुए उन्होंने एक ऐसी घटना का ज़िक्र किया जिसमें घटनास्थल पर मौजूद फोटोग्राफर द्वारा ली गई तस्वीर के ज़रिए हत्यारे पकड़े गए थे। राज्य के मुख्य सचिव रामकृष्ण राव ने कहा कि फोटो पत्रकार ही सरकार के विकास और कल्याणकारी कार्यक्रमों को लोगों तक पहुंचाते हैं।

उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के समय से ही मीडिया राज्य सरकार के कार्यक्रमों को लोगों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाता रहा है और इनमें फोटोग्राफी का बहुत महत्व है। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की विशेष आयुक्त प्रियंका ने कहा कि समय बीतने के बावजूद, तस्वीरें बरकरार हैं और मीठी यादें बनी हुई हैं। उन्होंने कहा कि सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के तत्वावधान में पिछले 28 वर्षों से विश्व फोटोग्राफी दिवस समारोह का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस बार पांच श्रेणियों में आयोजित फ़ोटो प्रतियोगिता में 94 लोगों ने भाग लिया और 744 तस्वीरें भेजीं। उन्होंने बताया कि विजेताओं का चयन फ़ोटोग्राफ़ी क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा गठित एक विशेष समिति द्वारा किया गया। उन्होंने यह भी बताया कि पांच श्रेणियों, अर्थात् रैतू भरोसा, इंदिराम्मा इल्लू, चेयुता, राजीव युवा विकासम और सामान्य, में प्रविष्टियां आमंत्रित की गई थीं और प्रत्येक श्रेणी के लिए 8 पुरस्कारों की घोषणा की गई थी। इस अवसर पर, विश्व फ़ोटोग्राफ़ी दिवस प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी द्वारा नकद पुरस्कार, शॉल और स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए।

मल्लन्ना सागर में 30 टीएमसीएफटी जल निकासी का लक्ष्य

सिद्दीपेट, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। इस वर्ष 30 टीएमसी फीट पानी रोकने के उद्देश्य से सिंचाई अधिकारियों ने मंगलवार को कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना (केएलआईपी) के तहत सबसे बड़े जलाशय मल्लन्ना सागर में पानी पंप करना शुरू कर दिया। जलाशय में वर्तमान में 10 टीएमसी फीट पानी है, जबकि इसकी पूरी क्षमता 50 टीएमसी फीट है। पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव द्वारा 2022 में इसके उद्घाटन के बाद से, अधिकारियों ने साल-दर-साल भंडारण क्षमता में लगातार वृद्धि की है। 2024 में भंडारण स्तर बढ़कर 21 टीएमसी फीट हो गया, और अगले कुछ वर्षों में पूरी क्षमता प्राप्त करने की योजना है। मल्लन्ना सागर के उप-कार्यकारी अभियंता चेन्नुरी श्रीनिवास राव ने बताया कि तुक्कापुर पंप हाउस के आठ में से दो पंप 2,500 क्यूसेक पानी निकालने के लिए चालू हैं। रंगनायक सागर में पानी पहली बार उठाए जाने के एक दिन बाद पंपिंग शुरू हुई, जहां से इसे मल्लन्ना सागर में पंप किया जाएगा।

बीआईएस ने श्रम विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के हैदराबाद शाखा कार्यालय ने मौला-अली कार्यालय में श्रमिक सुरक्षा पर एक दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम राज्य श्रम विभाग के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य अधिकारियों में मानकों के अनुपालन, क्षमता वृद्धि और कार्यस्थल सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न जिलों से आए 35 वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। इसमें संयुक्त श्रम आयुक्त- श्रीमती जी. सुनीता, श्याम सुंदर रेड्डी और एम. राजेंद्र प्रसाद भी शामिल रहे।

कार्यक्रम का उद्घाटन और मार्गदर्शन पी.वी. श्रीकांत, निदेशक एवं प्रमुख, ने किया। उन्होंने कहा कि कार्यस्थल सुरक्षा केवल एक कानूनी आवश्यकता नहीं, बल्कि श्रमिकों के प्रति नैतिक जिम्मेदारी भी है। उन्होंने यह भी बताया कि बीआईएस के मानक केवल तकनीकी दस्तावेज नहीं हैं, बल्कि परिवर्तन के उपकरण हैं, जिनके माध्यम से दुर्घटनाओं की रोकथाम, जीवन की सुरक्षा और प्रतिस्पर्धी कार्यबल का निर्माण संभव है।

कार्यक्रम का संचालन राकेश तन्नेरु, संयुक्त निदेशक, और के. कविन, उप निदेशक ने किया। तकनीकी सत्रों का संचालन विशेषज्ञ संसाधन व्यक्तियों प्रभात कुमार और सुश्री भावना कस्तूरी ने किया। इस प्रशिक्षण में कई महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया, जिनमें व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण का सही चयन, उपयोग और रखरखाव, क्षेत्र-विशिष्ट सुरक्षा उपाय, जिससे कार्यस्थलों पर स्पष्टता और दिशा बनी रहे। इसके अलावा व्यावसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली का क्रियान्वयन, निर्माण सुरक्षा संहिता खुदाई, ध्वस्तीकरण और संरचनात्मक कार्यों हेतु सुरक्षा उपाय, सुरक्षा रंग एवं चिन्ह मानकीकृत दृश्य संचार और दुर्घटना-निवारण हेतु है। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को मामले-अध्ययन, व्यवहारिक उदाहरणों और इंटरैक्टिव चर्चाओं के माध्यम से यह समझाया गया कि कैसे बीआईएस मानकों को निरीक्षण और प्रवर्तन कार्य में प्रभावी ढंग से अपनाया जा सकता है।

बीआईएस हैदराबाद ने इस अवसर पर पुनः यह आश्वासन दिया कि वह सरकार के विभागों, उद्योग हितधारकों और प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर काम करता रहेगा, ताकि मानकों को सुरक्षा, गुणवत्ता और सतत विकास के उपकरण के रूप में आगे बढ़ाया जा सके।

एचसीएलटेक हैदराबाद के छात्रों को टेकबी की करेगा पेशकश

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। प्रौद्योगिकी कंपनी एचसीएलटेक, हैदराबाद में हाईस्कूल स्नातकों को अपना टेकबी अर्ली करियर प्रोग्राम प्रदान करने और उन्हें प्रौद्योगिकी उद्योग में करियर बनाने का अवसर देने की योजना बना रही है। टेकबी हाई स्कूल स्नातकों के लिए डिज़ाइन की गई एक पहल है। यह एक अनूठा 'सीखते हुए कमाएं' मॉडल प्रदान करता है जो व्यावहारिक तकनीकी प्रशिक्षण को उच्च शिक्षा तक पहुंच के साथ जोड़ता है। यह छात्रों को उद्योग-संबंधित कौशल से लैस करता है और उन्हें शैक्षणिक उन्नति के लिए सक्षम बनाता है, जिससे तकनीकी क्षेत्र में वैश्विक करियर की नींव रखी जा सके। इस कार्यक्रम के तहत प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग से विकसित जनरेटिव एआई और साइबर सुरक्षा में विशेष पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे। एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि ये पहल पूरे भारत में उच्च-गुणवत्ता वाले तकनीकी करियर तक पहुंच का विस्तार करने के लिए डिज़ाइन की गई हैं।

दक्षिण मध्य रेलवे
@SCRailwayIndia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों की हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in

निविदा सूचना सं. 75 से 77_डीआरएम _डब्ल्यू एचवायबी 25 दि.16-08-2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, विभागीय रेल प्रबंधक/कार्य, हैदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे (द.म.रे.), सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से दि.10-09-2025 के 15.00 बजे तक, खुली निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सं. 75_डीआरएम _डब्ल्यू _एचवायबी_25, कार्य विवरणः हैदराबाद डिवीजनः सिकंदराबाद-ढोने सेक्शनः फलकनुमाः 1. रोड नंबर 5 & 6 तक को पूर्ण लंबाई की डेड-एन्ड स्पर के रूप में बनाना। 2. मौजूदा रोड -6 & 7 को आर & डी लाइन में रूपांतरण करना तथा एक डेड-एन्ड स्पर का प्रावधान। 3. काचीगुडाः पार्सल लोडिंग/अनलोडिंग के लिए अतिरिक्त स्टैबलिंग लाइन का प्रावधान। अनुमानित लागत रु.2,76,04,992/-, पूर्व धरोहर राशि -पूधरा रू.2,88,000/-

निविदा सं. 76_डीआरएम _डब्ल्यू _एचवायबी_25, कार्य विवरणः एसएसइ/डब्ल्यू/आरएन क्षेत्राधिकार के तहत रेल निलयम के सी ब्लाक के 2री एवं 3री मंजिल में पीएफए आफिस का सुधार कार्य/नवीकरण या रिनोवेशन कार्य। अनुमानित लागत रु. 3,12,02,503/-, पूर्व धरोहर राशि -पूधरा रू.3,06,000/-

निविदा सं. 77_डीआरएम _डब्ल्यू _एचवायबी_25, कार्य विवरणः एससी-एमयुइ सेक्शनः 1) मेन लाइन्स के लिए 28.00 किमी का टीआरआर (पी) कार्य। टीडब्ल्यूएस-डब्ल्यूसीएमएस-104 सेट्स का टीटीआर कार्य। 3) 21.20 किमी का टीबीआर कार्य। 4) लूप लाइन्स के लिए 2.85 किमी का सीटीआर (पी) कार्य। अनुमानित लागत रु. 7,05,52,910/-, पूर्व धरोहर राशि -पूधरा रू.5,02,800/-

अधिक विवरण हेतु वेबसाइटः www.ireps.gov.in देखें।
एसआर. डीइएन/को-आर्ड./एचवायबी

खुली ई-निविदा सूचना सं.04/ डीवाय.सीइ/ सीपीओएच/आरवायपी/ 2025 दि.18-08-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु अधोलिखित तिथिनुसार ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.1 विवरण निविदा सं ई-04-सीपीओएच-आरवायपी-2025, कार्य विवरणः परीक्षण आधार पर, बीसीएम-379 (2 एग्जास्ट एसेम्ब्लीज सहित एक इंजीन) का एक ड्यूट्ज बीएफ 12एल513सी डीजल इंजीन के लिए कैटालिटिक कन्वर्टर डिवाइस की कमीशनींग, आपूर्ति, इंस्टाल्लेशन व टेस्टींग। कार्य पूरा करने की अवधिः 02 महिने, निविदा मूल्य रू.29,26,919.20, पूधरा रू. 58.500.00, बंद करने की तिथिः 5-9-2025

क्रम सं.2 विवरण निविदा सं ई-05-सीपीओएच-आरवायपी-2025, कार्य विवरणः दमरे-- सीपीओएच-आरवायपी -ट्रैक मशीनों के लिए इंटरमीडिएट ओवरहालिंग/नियतकालिक ओवरहालिंग सुविधाओं का सृजन/वृध्दि या अगमेन्टेशन (अम्ब्रेला वर्क 2024-25) कार्य-- सीपीओएच/आरवायपी पर कोच स्टैबलिंग लाइन का प्रावधान तथा स्टोर्स शेड्स एवं आफिसेज का सुधार कार्य तथा सरफेस ट्रैवर्स का प्रावधान एवं 35 टन क्षमतायुक्त सिन्क्रोनाइज्ड जैक्स की आपूर्ति। कार्य पूरा करने की अवधिः 11 महिने, निविदा मूल्य रू.2,92,35,788.29 पूधरा रू.2,96,200.00, बंद करने की तिथिः11-9-2025

(केवल दो आयटम्स)

निविदा शर्ते/अन्य विवरण जैसे संपूर्ण कार्य विवरण, उपरोक्त कार्य से जुडे तत्समान कार्यों, अर्हता मानदण्ड आदि निविदा दस्तावेज में उपलब्ध है, जिसे वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर प्रकाशित किया गया है।

भावी निविदाकारों से सलाह दी जाती है कि, तत्संबंधित कोई भी निविदा के किसी भी परिवर्तनों/शुध्दिपत्रों को नोट करने के लिए, निविदा बंद करने की तिथि से पहले, वेबसाइटःwww.ireps.gov.in देखें।

निविदा सूचना को, उप मुख्य अभियंता का कार्यालय, सीपीओएच, दक्षिण मध्य रेलवे, रायनपाडू स्थित नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित किया गया है।

रेलवे प्रशासन के पास, कोई भी कारण न देते हुए किसी भी निविदा को रध्द या कैंसल करने का अधिकार सुरक्षित है।

उप मुख्य अभियंता/ सीपीओएच रायनपाडू
कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए

खुली ई-निविदा सूचना सं.एन/इ.29/ टीआरडी/ टेन्डर/13/2025-26 दि.12-08-2025

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.1, निविदा सं. एन/इ.29/टीआरडी /टेन्डर/ 13/2025-26, कार्य विवरणः एनइडी डिवीजन के एएनके-एमयुइ सेक्शन में एससीएडीए सिस्टम के लिए साइबर सेक्युरिटी फीचर का प्रावधान। कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने, अनुमानित लागत रू.21450000.00, बोली सुरक्षा राशि रू.257300.00

बंद करने की तिथि 3-9-2025 के 11.00 बजे

टिप्पणीः यदि निविदा खोलने की तिथि को छुट्टी घोषित होती है तो, निविदा को उसके अगले कार्यदिवस पर खोला जायेगा।

तत्संबंधित विस्तृत नियम शर्तों हेतु हमारे वेबसाइटः www.ireps.gov.in देखें।

A1223 डीइ/टीआरडी/एनइडी

निविदा नियम शर्ते/अधिक जानकारी एवं निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्स https://www.ireps.gov.in तथा www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

दक्षिण मध्य रेलवे
@SCRailwayIndia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों की हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in

एस/13/नीलामी प्रोग्राम/25-26 दि.11-08-2025

अधोलिखित नुसार, सितंबर तथा अक्तूबर -2025 महिनों के लिए ई-नीलामी कार्यक्रम।

सितंबर -2025 के लिए ई-नीलामी कार्यक्रम

दिनांक	डिवीजन/डिपो
01.09.25	विजयवाडा
02.09.25	लालागुडा
03.09.25	गुंटूर
04.09.25	गुण्टकल
08.09.25	रायनपाडू
09.09.25	हैदराबाद, विजयवाडा
10.09.25	सिकंदराबाद
11.09.25	तिरुपति
12.09.25	नांदेड, रायनपाडू
15.09.25	विजयवाडा
16.09.25	लालागुडा
17.09.25	गुंटूर
18.09.25	गुण्टकल
19.09.25	हैदराबाद
22.09.25	रायनपाडू
23.09.25	सिकंदराबाद
24.09.25	तिरुपति
25.09.25	नांदेड, गुण्टकल
26.09.25	विजयवाडा
29.09.25	गुंटूर
30.09.25	लालागुडा

अक्तूबर -2025 के लिए ई-नीलामी कार्यक्रम

दिनांक	डिवीजन/डिपो
03.10.25	हैदराबाद
06.10.25	रायनपाडू, विजयवाडा
07.10.25	गुंटकल
08.10.25	सिकंदराबाद
09.10.25	तिरुपति
10.10.25	नांदेड
13.10.25	विजयवाडा
14.10.25	लालागुडा
15.10.25	गुंटूर
16.10.25	गुंटकल
17.10.25	हैदराबाद
21.10.25	रायनपाडू
22.10.25	सिकंदराबाद, गुंटकल
23.10.25	तिरुपति
24.10.25	नांदेड
27.10.25	विजयवाडा
28.10.25	लालागुडा
29.10.25	गुंटूर, रायनपाडू
30.10.25	गुंटकल
31.10.25	हैदराबाद

A1225 डीवायसीएमएम/सी एण्ड एस
कृते प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक

निविदा नियम शर्ते/अधिक जानकारी एवं निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्स https://www.ireps.gov.in तथा www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

एशिया कप के लिए भारतीय क्रिकेट टीम का ऐलान

सूर्यकुमार कप्तान, गिल उपकप्तान; जायसवाल-सुंदर को स्टैंड बाय में रखा

मुंबई, 19 अगस्त (एजेंसियां)। 9 सितंबर से शुरू होने वाले एशिया कप टी-20 के लिए भारतीय क्रिकेट टीम का ऐलान हो गया है। चीफ सिलेक्टर अजित आगरकर ने मंगलवार दोपहर करीब 3 बजे टीम की घोषणा की। टीम की कप्तानी सूर्यकुमार यादव करेंगे, जबकि भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल को दौरे के लिए उपकप्तान बनाया गया है।

इस साल भारत क्रिकेट एशिया कप का मेजबान है। पाकिस्तान के भारत में खेलने से इनकार के बाद इसे UAE में आयोजित किया जा रहा है। टीम इंडिया का पहला मुकाबला 10 सितंबर को UAE से होगा।

टीम सिलेक्शन की 3 खास बातें

गिल को उपकप्तान बनाया भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल को उपकप्तान बनाया गया है। सिलेक्शन से पहले मीडिया रिपोर्ट्स में गिल की टीम में जगह नहीं बताई जा रही थी। उन्हें टी-20 वर्ल्ड कप में भी टीम में शामिल नहीं किया गया था। हालांकि IPL में गिल ने 650 रन बनाए थे।

सिराज और वाशिंगटन को मौका नहीं स्क्वॉड में अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह और हर्षित राणा को मौका मिला। हालांकि मोहम्मद सिराज और वाशिंगटन सुंदर को टीम में जगह नहीं मिली हैं। यशस्वी जायसवाल और सुंदर टीम के रिजर्व प्लेयर होंगे।

बुमराह की टी-20 वर्ल्ड कप के बाद वापसी जसप्रीत बुमराह की टी-20 टीम में वापसी हुई हैं। उन्होंने आखिरी टी-20 इंटरनेशनल टी-20 वर्ल्ड कप 2024 का फाइनल खेला था। आईपीएल में पंजाब किंग्स को फाइनल में पहुंचाने वाले श्रेयस अय्यर को भी टीम में नहीं चुना गया हैं।

भारत-पाकिस्तान के 3 मुकाबले हो सकते हैं

एशिया कप में भारत-पाकिस्तान के बीच 3 मुकाबले हो सकते है। पहला मैच 14 सितंबर को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। आगे जानिए 2 मैच और कैसे संभव

दूसरा मैचः एशिया कप में लीग स्टेज के बाद सुपर-4 राउंड होगा। भारत-पाकिस्तान के सुपर-4 राउंड में पहुंचने पर 21 सितंबर को भारत-पाकिस्तान की दूसरी भिड़ंत हो सकती है।

तीसरा मैच : अगर दोनों टीमें फाइनल में पहुंचती हैं, तो 28 सितंबर को भारत-पाकिस्तान के बीच एशिया कप में तीसरा मुकाबला खेला जाएगा।

भारत को ग्रुप-ए में रखा; पाकिस्तान, यूओई, ओमान भी शामिल

भारतीय टीम को ग्रुप ए में रखा गया है। उसके साथ पाकिस्तान, यूएई और ओमान की टीमें हैं। ग्रुप-बी श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और हॉन्गकॉन्ग हैं। ग्रुप में सभी टीमें एक-दूसरे के खिलाफ 1-1 मैच खेलेंगी। भारत 10 सितंबर को UAE, 14 को पाकिस्तान और 19 को ओमान से भिड़ेगा।

भारत ने 8 बार जीता एशिया कप

एशिया कप की शुरुआत 1984 में हुई थी। अब तक 16 बार यह टूर्नामेंट खेला जा चुका है। भारत ने इसे सबसे ज्यादा 8 बार जीता। वहीं श्रीलंका ने 6 और पाकिस्तान ने 2 बार इस टूर्नामेंट को अपने नाम किया है।

भारतीय मेंस टीम ने 10 मीटर एयर पिस्टल में सिल्वर जीता; जूनियर शूटर्स को 5 मेडल मिले

श्याम केंट, 19 अगस्त (एजेंसियां)। कजाकिस्तान के श्यामकेंट शहर में आयोजित एशियन शूटिंग चैंपियनशिप में भारत ने 10 मीटर एयर पिस्टल टीम इवेंट में सिल्वर मेडल हासिल किया। अनमोल जैन, सौरभ चौधरी और आदित्य मालरा की तिकड़ी ने 1735 अंकों के साथ सिल्वर मेडल अपने नाम किया। पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की टीम (हू काई, चांगजी यू और यिफान झांग) ने 1744 अंकों के साथ गोल्ड मेडल जीता, जबकि इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान की टीम ने 1733 अंकों के साथ ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त किया।

सिंगल्स में अनमोल छठे स्थान पर रहे

पुरुष सिंगल्स में अनमोल जैन ने फाइनल में 155.1 अंकों के साथ छठा स्थान हासिल किया। क्वालिफिकेशन राउंड में उन्होंने 580 अंकों के साथ नौवां स्थान प्राप्त कर फाइनल के लिए क्वालिफाई किया था। इस इवेंट में चीन के हू काई ने गोल्ड, कोरिया गणराज्य के सुहयोन होंग ने सिल्वर और ईरान के आमिर जोहारीखौ ने ब्रॉन्ज मेडल जीता।

आदित्य मालरा 579 अंकों के साथ क्वालिफिकेशन में 13वें और ओलिंपियन व एशियन गेम्स के गोल्ड मेडलिस्ट सौरभ चौधरी 576 अंकों के साथ 21वें स्थान पर रहे। भारत के अमित शर्मा ने 588 अंकों के साथ क्वालिफिकेशन राउंड में पहला स्थान हासिल किया, जबकि वरुण तोमर 584 अंकों के साथ चौथे स्थान पर रहे। हालांकि, दोनों केवल रैंकिंग पॉइंट्स के लिए शूटिंग कर रहे थे।

सीनियर्स में 35 शूटर्स भाग ले रहे हैं

एशियन शूटिंग चैंपियनशिप में भारतीय सीनियर स्क्वाड में 35 निशानेबाज शामिल हैं, जो 15 इवेंट्स में मेडल के लिए हिस्स ले रहे हैं। दो ओलिंपिक मेडल जीतने वाली मनु भाकर भी इस दल का हिस्सा हैं। इसके अलावा, 129 भारतीय जूनियर निशानेबाज भी इस चैंपियनशिप में भाग ले रहे हैं

जूनियर शूटरों ने दो गोल्ड और तीन सिल्वर मेडल जीते

पहले दिन भारतीय जूनियर शूटर्स ने दो गोल्ड और तीन सिल्वर मेडल जीते। 17 साल के गिरीश गुप्ता ने पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल यूथ इवेंट में 241.3 अंकों के साथ गोल्ड मेडल हासिल किया। इस इवेंट में 14 साल के देव प्रताप ने 238.6 अंकों के साथ सिल्वर मेडल जीता। इसके अलावा, कपिल बैन्सला ने जूनियर पुरुष एयर पिस्टल इवेंट में गोल्ड मेडल अपने नाम किया। यूथ और जूनियर पुरुष टीमों ने भी सिल्वर मेडल हासिल किए।

सिंकफील्ड कप में प्रज्ञानंद ने गुकेश को हराया

जीत के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर

सेंट लुई, 19 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने सिंकफील्ड कप शतरंज टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में विश्व चैंपियन डी गुकेश को हराकर लाइव विश्व रैंकिंग में तीसरा स्थान हासिल कर लिया। प्रज्ञानंद अब अमेरिका के लेवोन अरोनियन के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। अमेरिकी खिलाड़ी ने पहले राउंड में उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव को हराया।

पहले राउंड के अन्य मुकाबलों में अमेरिका के फैबियानो कारूआना ने पोलैंड के डुडा जान-क्रिजस्टोफ के साथ ड्रॉ खेला, जबकि वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाले सैमुअल सवियन ने अपने अमेरिकी हमवतन वेस्ली सो के साथ अंक बांटे। फ्रांस के मैक्सिम वचियर-लाग्रेव ने भी हमवतन अलीरेजा फिरौजा के साथ ड्रॉ खेला।

इस 350,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि वाले टूर्नामेंट में अभी आठ राउंड होने बाकी हैं। अभी प्रज्ञानंद और अरोनियन के बाद छह खि ला ड़ी संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं, जबकि गुकेश और अब्दुसत्तोरोव को अभी खाता खोलना है। प्रज्ञानंद ने गुकेश के खिलाफ सफेद मोहरों से खेलने का पूरा फायदा उठाया और केवल 36 चाल में जीत दर्ज की।

प्रज्ञानंद ने मैच के बाद कहा, 'मुझे नहीं पता कि आज क्या हुआ। मुझे लगता है कि वह थोड़ा असहज था। मैंने लगभग दो साल से उसके खिलाफ क्लासिकल शतरंज में जीत हासिल नहीं की थी। इसलिए आखिरकार जीत हासिल करके अच्छा लग रहा है।'

नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल को राष्ट्रपति की मंजूरी मिली

12 अगस्त को राज्यसभा में पास हुआ था, 1975 में पहली बार प्रपोजल लाया गया था

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मंजूरी मिल गई है। इस बिल में भारत के खेल प्रशासन में सुधार का वादा किया गया है। केंद्र सरकार द्वारा जारी राजपत्र अधिसूचना में कहा गया है कि राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई थी।

इस बिल को 23 जुलाई को लोकसभा में पेश किया गया और 11 अगस्त को इसे वहां पारित कर दिया गया। इससे एक दिन बाद राज्यसभा ने दो घंटे से ज्यादा समय तक चली चर्चा के बाद इसे पारित कर दिया था।

नेशनल स्पोर्ट्स बिल को लाने की शुरुआत 1975 से हुई थी। लेकिन हर बार राजनीतिक कारणों के चलते यह बिल कभी संसद नहीं जा पाया था।

बीसीसीआई पर आरटीआई लागू नहीं होगा

बीसीसीआई अब भी आरटीआई के दायरे में नहीं आएगा। खेल मंत्रालय ने नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल में संशोधन किया है। इसके अनुसार, अब केवल उन्हीं खेल संगठनों को इसके दायरे में लाया गया है, जो सरकारी अनुदान और सहायता लेते हैं। BCCI खेल मंत्रालय से कोई अनुदान नहीं लेता है। हालांकि विभिन्न संगठन कई बार BCCI को RTI (सूचना का अधिकार) के दायरे में लाने की मांग करते रहे हैं।

23 जुलाई को बिल पेश किया था

खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने 23 जुलाई को लोकसभा में नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल, 2025 पेश किया था। इस बिल में खेलों के विकास के लिए नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बॉडी, नेशनल स्पोर्ट्स बोर्ड, नेशनल खेल इलेक्शन पैनल और नेशनल स्पोर्ट्स ट्रिब्यूनल बनाने के प्रावधान हैं। संसद में इस बिल को जीपीसी में भेजने की मांग भी उठी है।

1975 से शुरुआत हुई

नेशनल स्पोर्ट्स बिल को लाने की शुरुआत 1975 में हुई थी। लेकिन राजनीतिक कारणों से यह कभी संसद तक नहीं पहुंच सका था। 2011 में नेशनल स्पोर्ट्स कोड बना, जिसे बाद में बिल में बदलने की कोशिश हुई, लेकिन वह भी अटक गया। अब 2036 ओलिंपिक की बोली लगाने की तैयारी के तहत खेल प्रबंधन में पारदर्शिता और अंतरराष्ट्रीय स्तर की व्यवस्था लाने के लिए इसे लाया गया है।

नेशनल एंटी-डोपिंग बिल क्या हैं

नेशनल एंटी-डोपिंग (संशोधन) बिल, 2025 एक ऐसा कानून है जो भारत में डोपिंग रोकने की व्यवस्था को अंतरराष्ट्रीय मानकों के मुताबिक बनाने के लिए लाया गया है। इसका मुख्य मकसद यह सुनिश्चित करना है कि भारत की नेशनल एंटी-डोपिंग एजेंसी पूरी तरह स्वतंत्र तरीके से काम करे और उस पर सरकार का सीधा दखल न हो।

क्यों लाया गया ?

2022 में नेशनल एंटी-डोपिंग एक्ट पास हुआ था, लेकिन एजेंसी(वर्ल्ड एंटी डोपिंग एजेंसी) ने इसमें कुछ आपत्तियां जताईं। एजेंसी को यह आपत्ति थी कि भारत में बनाए गए नेशनल बोर्ड फॉर एंटी-डोपिंग इन स्पोर्ट्स को बोर्ड पर निगरानी और निर्देश देने का अधिकार था, जिसे उन्होंने सरकारी हस्तक्षेप माना। अगर एजेंसी के नियमों का पालन नहीं होता, तो भारत को अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में प्रतिबंध झेलना पड़ सकता था।

2025 में क्या बदलाव हुए ?

बोर्ड (नेशनल बोर्ड फॉर एंटी-डोपिंग) बना रहेगा, लेकिन अब उसके पास बोर्ड पर कोई निगरानी या निर्देश देने का अधिकार नहीं होगा। बोर्ड को ऑपरेशनल इंडिपेंडेंस (संचालन की पूरी स्वतंत्रता) दी गई है। इसका मतलब है कि डोपिंग से जुड़े फैसले केवल बोर्ड के विशेषज्ञ और अधिकारी लेंगे, न कि सरकार या कोई राजनीतिक नियुक्त व्यक्ति।

फायदा क्या होगा ?

भारत का एंटी-डोपिंग सिस्टम एजेंसी के नियमों के अनुरूप होगा। खिलाड़ियों को डोपिंग मामलों में निष्पक्ष जांच और सुनवाई मिलेगी। भारत की अंतरराष्ट्रीय खेलों में साख बनी रहेगी और कोई बैन या सस्पेंशन का खतरा नहीं रहेगा।

अल्काराज ने सिनसिनाटी मास्टर्स का खिताब जीता

इस टूर्नामेंट में उनका पहला खिताब है; सिनर चोट के कारण फाइनल से हटे

सिनसिनाटी, 19 अगस्त (एजेंसियां)। स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने सिनसिनाटी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में अपना पहला खिताब जीत लिया है। फाइनल मुकाबले में वर्ल्ड नंबर 1 जैनिक सिनर को पहले सेट के दौरान चोट के कारण रिटायर होना पड़ा, जिसके बाद अल्काराज को विजेता घोषित किया गया।

तीन महीनों में चौथी बार भिड़े

पिछले तीन महीनों में यह चौथा मौका है जब सिनर और अल्काराज किसी टूर्नामेंट के फाइनल में भिड़े। यह सिलसिला रोम से शुरू हुआ, फिर फ्रेंच ओपन और विम्बलडन में जारी रहा और अब सिनसिनाटी में एक और मास्टर्स 1000 फाइनल में दोनों आमने-सामने थे।

सिनर आठवीं बार मास्टर्स 1000 फाइनल में पहुंचे थे

सिनर इस टूर्नामेंट में शानदार फॉर्म में थे। पिछले साल के चैंपियन सिनर ने सिनसिनाटी में एक भी सेट नहीं गंवाया और अपने आठवें मास्टर्स 1000 फाइनल में जगह बनाई। वह हार्ड कोर्ट पर लगातार 26 मैच जीत चुके हैं, जिसमें 2023 शंघाई मास्टर्स, एटीपी वर्ल्ड टूर फाइनल्स और 2024 ऑस्ट्रेलियन ओपन के खिताब शामिल हैं।

उन्हें आखिरी हार्ड कोर्ट फाइनल में हार पिछले साल अक्टूबर में बीजिंग में अल्काराज के खिलाफ मिली थी, जब अल्काराज ने तीन सेटों में वापसी करते हुए जीत हासिल की थी।

अल्काराज दूसरी बार टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचे थे

दूसरी ओर, अल्काराज का सिनसिनाटी में सफर थोड़ा चुनौतीपूर्ण रहा। उन्होंने टूर्नामेंट में दो सेट गंवाए, लेकिन फिर भी लगातार सातवें टूर-लेवल फाइनल में जगह बनाई। यह उनका सिनसिनाटी में दूसरा फाइनल था। इससे पहले 2023 में वह नोवाक जोकोविच के खिलाफ फाइनल में हार गए थे।

अल्काराज और सिनर अब 13 बार आपस में भिड़ चुके हैं

इससे पहले, अल्काराज और सिनर के बीच 13 मुकाबले खेले जा चुके हैं, जिसमें अल्काराज 8-5 से आगे थे। इस साल रोम और फ्रेंच ओपन में अल्काराज ने सिनर को लगातार पांच बार हराया। हालांकि, विम्बलडन में सिनर ने चार सेटों में जीत हासिल कर अल्काराज की जीत का सिलसिला तोड़ा और अपना पहला विम्बलडन खिताब जीता।

पाकिस्तान हॉकी एशिया कप से हटा

ओमान ने भी नाम वापस लिया, बांग्लादेश और कजाकिस्तान को मौका; 29 अगस्त से टूर्नामेंट

इस्लामाबाद, 19 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान 29 अगस्त से शुरू हो रहे एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट से अधिकृत रूप से हट गया है। इतना ही नहीं, ओमान ने भी अपना नाम वापस ले लिया है। ऐसे में बांग्लादेश और कजाकिस्तान को मौका दिया गया था। हॉकी इंडिया के एक सूत्र ने दैनिक भास्कर को बताया- 'मंगलवार सुबह पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन ने भारत आने से अधिकृत तौर पर इनकार कर दिया है। ओमान की टीम भी हट गई है। ऐसे में बांग्लादेश और कजाकिस्तान को ड्रॉ में शामिल कर दिया।'

इससे पहले मीडिया रिपोर्ट में पाकिस्तान के इस टूर्नामेंट से हटने की बातें कही जा रही थीं। एक महीने पहले पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन ने सुरक्षा कारणों का हवाला दिया था। हालांकि, भारत सरकार ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों को वीजा दिया था।

एशिया कप से हटने के साथ ही पाकिस्तान ने वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई करने का एक मौका गंवा दिया है। दरअसल, एशिया कप जीतने वाली टीम को वर्ल्ड कप का टिकट मिलता है। हॉकी का अगला वर्ल्ड कप 2026 में बेल्जियम और नीदरलैंड में खेला जाएगा।

एशिया कप का गौरवशाली इतिहास

एशिया कप हॉकी की शुरुआत 1982 में पाकिस्तान के कराची में हुई थी। तब से लेकर अब तक यह टूर्नामेंट एशियाई हॉकी का सबसे प्रतिष्ठित आयोजन बना हुआ है। इसके इतिहास में सबसे सफल टीम दक्षिण कोरिया रही है, जिसने पांच बार यह खिताब अपने नाम किया है।

भारत और पाकिस्तान दोनों ने तीन-तीन बार चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया है। दिलचस्प बात यह है कि भारत आठ बार फाइनल में पहुंची है, लेकिन पांच बार हार का सामना करना पड़ा है। यह आंकड़ा भारतीय हॉकी की निरंतरता और दृढ़ता को दर्शाता है।

साउथ अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को 297 रन का टारगेट दिया

मार्करम, बवुमा और मैथ्यू के अर्धशतक; रबाडा चोट के कारण पूरी सीरीज से बाहर

केर्न्स, 19 अगस्त (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका ने 3 मैचों की वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 297 रन का टारगेट दिया है। ऑस्ट्रेलिया के कैर्न्स शहर में खेले जा रहे इस मुकाबले का टॉस कंगारू टीम ने जीता। कप्तान मिचेल मार्श ने गेंदबाजी करने का फैसला किया।

साउथ अफ्रीका की ओर से ओपनर ऐडन मार्करम, कप्तान तेम्बा बावुमा और मैथ्यू ब्रीट्जके ने अर्धशतकीय पारी खेली। मार्करम ने सबसे ज्यादा 81 बॉल पर 82 रन बनाए। इनमें 9 चौके शामिल रहे। रायन रिकेल्टन ने 33 और वियान मुल्डर ने नाबाद 31 रन का योगदान दिया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से ट्रैविस हेड ने चार विकेट झटके। बेन ड्वारशस को दो और एडम जम्पा को एक विकेट मिला।

वनडे सीरीज से पहले साउथ अफ्रीका को बड़ा झटका लगा। जब उसके तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा टखने की चोट के कारण बाहर हो गए। एक स्कैन में रबाडा के दाहिने टखने में सूजन की पुष्टि हुई। रबाडा ऑस्ट्रेलिया में टीम के साथ रहेंगे और रिहैबिलिटेशन से गुजरेंगे। पिछले हफ्ते केवेना मफाका को रबाडा की जगह टीम में शामिल किया गया, हालांकि पहले वनडे के लिए उन्हें प्लेइंग-11 में जगह नहीं मिली।

3 दिन पहले 16 अगस्त को ऑस्ट्रेलिया ने 3 मैचों की टी-20 सीरीज 2-1 से अपने नाम की थी। कंगारुओं ने तीसरे और आखिरी मैच में को 2 विकेट से जीता था। इस मैच में ग्लेन मैक्सवेल ने फिफ्टी लगाई।

साउथ अफ्रीका ने दूसरे टी-20 में 53 रन से जीत हासिल की थी। जबकि ऑस्ट्रेलिया ने पहला टी-20 मैच 17 रन से जीता था।

पीसीबी ने बाबर आजम-रिजवान को कैटेगरी-ए से बी में डाला

सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट की लिस्ट जारी; खिलाड़ियों की संख्या 27 से बढ़ाकर 30 हुई

इस्लामाबाद,, 19 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बैटर बाबर आजम और विकेटकीपर-बैटर मोहम्मद रिजवान को कैटेगरी-ए से बी में डाल दिया है। बोर्ड ने मंगलवार को नए सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट की 30 खिलाड़ियों की लिस्ट जारी की है। इसमें खिलाड़ियों की संख्या 27 से बढ़ाकर 30 कर दी गई है।

2025-26 सीजन में कैटेगरी-ए को शामिल नहीं किया गया है। पिछले साल बाबर और रिजवान ही कैटेगरी-ए में रखे जाने वाले खिलाड़ी थे। वहीं युवा खिलाड़ी हसन नवाज, मोहम्मद हारिस और सुफियान मोकिम को 2025-26 सीजन के लिए सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में शामिल किया गया है।

तीनों कैटेगरी में 10-10 खिलाड़ी

कैटेगरी-बी, सी और डी तीनों में 10-10 खिलाड़ियों को जगह मिली है। जबकि कैटेगरी-ए को इस सीजन हटा दिया गया है। यह कॉन्ट्रैक्ट 1 जुलाइ 2025 से 30 जून 2026 तक रहेगा।

12 खिलाड़ियों को पहली बार शामिल किया गया

12 युवा खिलाड़ियों को उनके शानदार प्रदर्शन को देखते हुए पहली बार सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट दिया गया। इसमें अहमद दानियाल, फहीम अशरफ, हसन अली, हसन नवाज, हुसैन तलत, खुशदिल शाह, मोहम्मद अब्बास, मोहम्मद हारिस, मोहम्मद नवाज, साहिबजादा फरहान, सलमान मिर्जा और सुफियान मोकिम के नाम शामिल हैं।

पांच खिलाड़ियों को प्रमोट किया गया

पिछले साल के प्रदर्शन के आधार पर पांच खिलाड़ियों को प्रमोट किया गया है। इसमें अबरार अहमद, हारिस रऊफ, सैम अयूब, सलमान अली आगा और शादाब खान के नाम शामिल हैं। सभी को सी से बी कैटेगरी में प्रमोट किया गया है।

आठ खिलाड़ी कॉन्ट्रैक्ट से चूके

इस साल आमिर जमाल, हसीबुल्लाह, कामरान गुलाम, मीर हमजा, मोहम्मद अली, मोहम्मद हुरैरा, मुहम्मद इरफान खान और उस्मान खान कॉन्ट्रैक्ट में शामिल होने से चूक गए।

एशिया कप के लिए बाबर-रिजवान को टीम में जगह नहीं

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने रविवार को एशिया कप 2025 और उससे पहले खेले जाने वाले यूएई ट्राई-सीरीज के लिए 17 मेंबर्स वाले टी-20 स्क्वॉड का ऐलान कर दिया है। टीम में बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को शामिल नहीं किया गया है। टीम की कप्तानी ऑलराउंडर सलमान अली आगा को सौंपी गई है। एशिया कप यूएई में 9 से 28 सितंबर तक खेला जाएगा। वहीं, इससे पहले होने वाली ट्राई-सीरीज में पाकिस्तान, अफगानिस्तान और यूएई हिस्सा लेंगे।

SHRADHANJALI

CA Shri Shantilal Daga

DOB: 27th July 1948 – DOD: 18th August 2025

A VISIONARY LEADER

CHAIRMAN
Vardhaman (Mahila) Co-op. Urban Bank Ltd.

न जायते म्रियते वा कदाचिन्, नायं भूत्वा भविता वा न भूयः।
अजो नित्यः शाश्वतोऽयं पुराणो, न हन्यते हन्यमाने शरीरे।।

His values, dedication, foresight and commitments shall be inspiring us forever.

Board of Directors, Board of Management & Staff

Vardhaman (Mahila) Co-operative Urban Bank Ltd

H.O. : 3rd Floor, Nishant House, 8-2-351/N/1, Road No. 3, Banjara Hills, Hyderabad - 500 034

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.